हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

2 मार्च, 1994

खण्ड 1 अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 2 मार्च, 1994

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र ान एवं उतर	(3)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(3)19
अतारांकित प्र न एवं उतर	(3)52
स्थगत प्रस्ताव तथा मुख्य मंत्री द्वारा संक्षिप्त वक्तव्य–	
एस0 आई0 एल0 नहर के निर्माण तथा चण्डीगढ़ को पंजाब में ट्रांसफर करने सम्बन्धी	(3)55
वाक आउट	(3)65
वर्श 1993–94 के सप्लीमैंटरो एस्टीमेट्स पे ा करना	(3)66
एस्टीमेंट्स कमेटी की वर्श 1993–94 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेंट्स पर रिपोर्ट पे ा करना	(3)66
नेमिंग आफ मैम्बर्ज	(3)67
बैठक का स्थगन	(3)69

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–	(3)74
सदन की मार्यादा तथा गरिमा बनाये बनाये रखने सम्बन्धी	
नेम किए हुए सदस्यों को वापिस बुलाना	(3)77
वाक आउट	(3)79
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)79
बैठक का समय बढ़ाना	(3)95
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)96
बैठक का समय बढ़ाना	(3)97
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)97
बैठक का समय बढ़ाना	(3)99
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)99
बैठक का समय बढ़ाना/पुनरारम्भ	(3)101
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)101

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 2 मार्च, 1994

विधान सभा की बैठक हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1 चण्डीगढ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे। श्री जिले सिंह अपना सवाल पूछे।

तारांकित प्र न संख्या 761

यह सवाल पूछ नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री जिले सिंह इस समय हाउस में उपस्थित नही थे।

Construction of Water Works at Village Rewari-Khera

810. Shri Dhir Pal Singh: Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there is any proposal under consieration of the Government to construct separate water works for the supply of water to village Rewari-Khera, District Rohtak, if so, the time by which it is likely to be constructed?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री रामपाल सिंह कंवर):

(क) जी हां।

(ख) सिंचाई विभाग के साथ नहरी पानी की उपलब्धता के संभव होने बारे विचार किया जा रहा है और कार्य नहरी पानी की उपलब्धता होने पर हाथ में लिया जायेगा।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मै आपको माध्यम से माननीय मंत्री जी से चानना चाहूंगा कि नहरी पानी कब तक तक मुहैया हो पाएगा और क्या मंत्री जी इस बारे में कोई समय सीमा निर्धारित करने की कृपा करेंगे?

श्री राम पाल सिंह कंवरः इसके लिए पीरियोंडिकली मीटिग्ज डिपार्टमैंट के साथ चल रही है और कई बैठकों हो चुकी है। हमारी कोि ा ा यही है कि पानी की उपलब्धता जल्दी से जल्दी हो ताकि हम इन स्कीमों को चालू कर सकें

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री से जानना चाहूंगा कि क्यों वाले बजट में इस वाटर वर्कस के लिए पैसे को कोई प्रावधान किया मंत्री है?

श्री राम पाल सिंह कवंरः इस वाटर वर्क्स के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल ही चुकी है। एक लाख हमने निर्धारित किया था लेकिन पानी की समस्या है। अगर हम इस स्कीम पर काम भाुरू कर भी दें और पानी उपलब्ध न हो पाए तो काम करने का कोई औचत्य नहीं है। ज्योहि पानी उपलब्ध होने का आ वासन मिल जाएगा, हम काम भाुरू कर देगें।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपको माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जब तक नहरी पानी मुहौया नहीं हो पाता, तब तक क्या इस गांव के लिए पानी की कोई व्यवस्था वह करेंगी?

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, इसके लिए हमने सैलोटयूबवैल 6 महीने पहले लगाया था ताकि पानी की मात्रा बढ़ाई जा सके, लेकिन भौली टयूबवैल पर अधिक डिपैड नही किया जा सकता है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मै आनरेबल पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर महोदय से आपके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि क्या वे यह बताने का कश्ट करेंगे कि वाटर वर्क्स बनाने के लिए क्या क्राइटेरिया है?

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से आनरेबल मैम्बर को बताना चाहूंगा कि इसके लिए हमारी 2 प्लान्ज है, एक तो डी0 डी0 प्लान और राजस्थान जैसे ऐरिया हो और जहां पानी उलब्ध न हो, वहां पर हम नहरी पानी की स्कीम चालू करते है। यह स्कीम नहरी पानी की उपलधता पर निर्भर करती है। इसका जहां तक क्राईटेरिया का तालूक है, 8वीं फाईब ईयर प्लान तक सरकार का नजरिया यह है कि 40 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी उपलब्ध करवा दिया जाए। ऐसा हमारी सरकार का प्रावधान है। लेकिन जहां जहां नहरी पानी उपलब्धता

में दिक्कत आ रही है, वहां इन स्कीमों में भी दिक्कत है। ज्योंही नहरी पानी उपलब्ध हो जाएगा, इन स्कीमों को चालू कर देंगे। जहां पर ग्राउंड वाटर अवेलेबल है, वहां पर हम टयूबवैल लगाने का प्रावधान करते है। इस प्रकार से आगुमैंटे ान का काम हम अपने हाथ में लेकर काम कर रहे है और अगले वर्श की योजना में 800 गांवों में पानी की मात्रा हम वढ़ा सकेगे।

श्री मनी राम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री से जानना चाहूंगा कि हरियाणा मे कितने वाटर वर्क्स ऐसे है जिनपर आधे से ज्यादा पैसा खर्च हो चुका है, परन्तु वह काम बीच में ही रह गया है?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए सैपरेटली नोटिस दिया जाए।

श्रीमति चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से पूछना चाहती हूं कि कुछ गांव ऐसे है जिनमें नहरों का पानी नहीं पहुंचता और जमीन में भी खारा पानी है, लेकिन कुछ ही दूरी पर मीठा पानी है। क्या सरकार वहां पर भौलो टयूबवैल लगाकर पानी अपलब्ध करवायेंगी?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, अगर हमारे नोटिस में लाया जाए कि वहां पर पानी अच्छा है तो हम यह जरूर करेंगे।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह पूछना चाहता हूं कि इस बारे में जो इरिगै ान डिपार्टमैंट से बात चल रहीं है, वह कम से चल रही है? क्या गवर्नमैंट आफ इंडिया से चल रही है, पंजाब सरकार से चल रही है या हरियाणा सरकार से ही चल रही है? साथ ही अभी तक इसका फैसला क्यों नही हुआ?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट आफ इंण्डिया इसमें नही आती। यह हमारे और इरिगे ान डिपार्टमैट के बीच में फैसला होता है। अध्यक्ष महोदय, पानी का फैसला तो तभी कर सकते है अगर पानी अवेलेबल हो।

चौधरी बलवन्त सिंह मैनाः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो वाटर वर्क्स बने हुए है उनमें पानी पूरा सप्लाई नहीं होता, क्या ऐसी कोई स्कीम है जिसके तहत वहां पर पानी चालू हो सके?

श्री रामपाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, हम ओवर हैड टैक्स तभी बनाते है, अगर हमें पानी ऊंची जगह पहुचा पहुंचाना हो। अगर जरूरत हो तो औवर हैड टैक्स बनाने की बजाए बूस्टिंग परम्मस से पानी पहुंचाते है।

चौधरी सूरज भान काजलाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जलघर बनाने की स्कीम बताई है। जो पहले जलघर थे उनकी पानी की क्षमता 20–25 वर्श पहले की आव यकता के अनुसार थी

लेकिन अब आबादी बढ़ जाने की वजह से उनकी कपैस्टी बढ़ाएंगे। दूसरे कई जगह वाटर लाईन्ज जलघर से या जहां से पानी की लाईन जाती है, खराब है क्या उनको भी ठीक करने या दौबारा से बनाने का विचार है?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महौदय, मैं पहले भी बता चुका हूं कि जहां पर पानी 20 लिटर 30 लिटर है, वहां प्रति व्यक्ति 40 लिटर करने का विचार है। दूसरे जहां पर लाईन टूटी हुई है तो सरकार उसे बदलती है और बदलने का प्रयास करती है। लेकिन कई जगहों पर हमारे नोटिस में आया है कि लोगों ने पाईप लाईन्ज बीच में ही तोड़ कर अपने खेतों में पानी डाल लिया है, हमत ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही करेंगे। हमने कई केस भी रजिस्टर किए हैं और उनके खिलाफ एक ान ले रहे है।

श्री जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन टयूवैल्ज की डिसचार्जिग कपैसिटी कम हो गई है, क्या उनकी जगह पर दूसरे टयूबवैल्ज लगाने का विचार है ताकि जनता को पानी मिल सके?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, यही तो मैने पहले भी बताया था कि हम प्रतिव्यक्ति 40 लिटर पानी देने विचार रखते है। इसी तरह से बड़े भाहरों में 110 लिटर प्रति व्यक्ति करने का विचार है। साथ ही जहां पर पानी कम है, वहां दूसरे टयूबवैल्ज लगाकर पानी का विचार है।

श्री जय प्रका ा: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने कहा है कि प्रति व्यक्ति चालीस लीटर पानी देने का प्रावधान है। हरियाणा में ऐसे बहुत से देहात है जहां जनसंख्या बहुत ज्यादा है, जिसके कारण वहां पर चालीस लीटर प्रति व्यक्ति पानी नही मिल पाता। इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि ऐसे इलाके में जहां लोगौं को प्रर्याप्त पानी नही मिलता, क्या ये वहां पर चालीस लीटर पानी देने का कोई प्रावधान करेंगे?

श्री राम पाल सिंह कंवर: स्पीकर साहब, मैने बताया है कि आठवीं पंचवर्शीय योजना में हमारा प्लान यही है कि जहां पर लोगों को चालीस लीटर प्रति व्यक्ति पानी नही मिल पाता, वहां पर हमारा लोगों को चालीस लीटर प्रति व्यक्ति पानी देने का प्रावधान है।

श्री जय प्रका ा: स्पीकर साहब, पानी की आव यकता तो हर एक आदमी को फौरन ही पड़ती है, इसलिए ये कब तक उनको चालीस लीटर पानी प्रति व्यक्ति पूरा करवायेंगे?

श्री अध्यक्ष: जय प्रका ा जी, मंत्री जी ने बता दिया है कि आठवीं पंचवर्शीय योजना में यह काम पूरा ही जाएगा।

श्री अजमत खां: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा, जैसा कि इन्होंने कहा है चालीस लीटर पानी प्रति व्यक्ति लोगों को मिलेगा। मै यह चाहता हूं कि जहां पर पानी भी है, ट्यूबवैल भी है लेकिन वहां पर इनके

कर्मचरियों की तादात काफी कम है, कहीं पर लाईमैन नहीं है तो कहीं पर ड्राईवर नहीं है, जिसके कारण लोगों को पानी होते हुए भी नहीं दिया जा रहा है। तो क्या मंत्री जी ऐसे इलाके में कोई इंतजाम करेंगे?

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ऐसी कोई जगह नही है जहां हमारे वाटर वर्क्स पर आदमी न हों। फिर भी अगर ऐसी कोई जगह इनके नोटिस में हो तो यह हमें बताएं। हम वहां पर फौरन आदमी लगाकर ठीक करायेंगे। इसके अलावा, इन्होने यह भी कहा है कि इनके इलाके में पानी पूरा नहीं मिल रहा। स्पीकर साहब, मैं इस महान सदन को बताना चाहूंगा कि हमने स्ट्राईक के दिनों में भी पानी की सप्लाई को कम नही होने दिया। हम उन दिनों में भी पूरा पानी उपलब्ध करवाते रहे है, तो फिर नार्मल दिनों में तो हमारे खिलाफ यह ि ाकायत नहीं होनी चाहिए।

चौधरी जाकिर हुसैनः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या उनके नोटिस में यह बात है कि पिछले समय में हमारे मेवात एरिये में सात–आठ नये ट्यूबवैल लगाने गए थे। लेकिन इतने महीने हो जाने के बावजूद भी इनको अभी तक बिजली बोर्ड ने बिजली के कनैक् ान नही दिये है। बिजली बोर्ड इसके लिए इंडसट्रियल सिक्योरिटी मांग रहा है जो नही मागनी चाहिए। क्या मंत्री जी इस मामले को बिजली

बोर्ड के साथ टेकअप करेंगे और क्या उन ट्यूबवैल्ज को चालू करवाएंगे?

श्री राम पाल सिंह कंवर: स्पीकर साहब, मै यह बात मानता हूं कि हमारे कई ट्यूबवैल्ज इस वक्त बोर हो चुके है और वे पानी देने के लिए तैयार खड़े है लेकिन अभी तक बिजली का कनैक ान न मिल पाने की वजह से वे पानी नहीं उपलब्ध करवा पा रहे है। लेकिन हमारा यह प्रयास है कि जल्दी से जल्दी बिजली बोर्ड के साथ मीटिंग करके इनको चलवाया जाए। वैसे मैंने मंत्री जी से इनके बारे में बात भी की है और मंत्री जी ने हमें आ वासन दिया है कि वाटर सप्लाई के कनैक ान आपको दे दिये जायेंगे। इसलिए हम उनकी जल्दी से जल्दी कनैक ान दिलवाकर चालू करवाएंगे।

श्री हरि सिंह नलवा: स्पीकर साहव, अभी मंत्री महोदय ने फरमाया था कि आठवीं पंचवर्शीय योजना में प्रति व्यक्ति चालीस लीटर पानी देने का प्रावधान है। लेकिन गवर्नर साहब के एड्रैस में यह द ार्या गया है कि सरकार ने 334 गांवो में पिछले साल पीने का पानी दे दिया है और 1993–94 के अन्दर 800 गांवों में सरकार पीने का पानी दे देगी तथा उससे अगले सास भी सरकार 800 गांवों को पानी देगी। सर, इस तरह से तो 800 और 800 सौलह सौ गांव हो जायेगे, जब कि 334 गांवो को सरकार ने पानी दे दिया है। सर मेरी समझ में यह हनी आता कि आठवीं पंचवर्शीय योजना में यह काम कैसे पूरा हो सकता है? मै समझता

हूं कि आठवीं पंचवर्शीय योजना में यह काम कैसे पूरा हो सकता है? मै समझता हूं कि हरियाणा प्रांन्त की फाईनेि ायल पोजी ान इतनी मजबूत नही है जिससे कि यह काम पूरा हो सके। मै आदरणीय मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या भारत सरकार से आठवी पंचवर्शीय योजना में पीने के पानी के लिए कोई ऐड मिलनी संभव है, अगर है तो वह कितनी है?

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर सर, हमने 40 लीटर प्रति व्यक्ति पानी की सप्लाई देने के लिए जो गांव आईडैन्टीफाई किए है, उनके बारे में यह है कि जितना धन उपलब्ध होता रहेगा, उतने से ही हम इन स्कीमों को चालू करेंगे और पानी देंगे। छोटे कस्बों में अधिक मात्रा में पानी देने के लिए सैन्ट्रल गवर्नमैंट की स्कीम आई है जिसको हरियाणा सरकार ने अनुमति देकर सैन्ट्रल गवर्नमैंट को भेजा है ताकि हमें उन स्माल टाउन्ज में पानी देने के लिए पैसा मिल जाए। इससे यह होगा कि जो पैसा हमें खर्च करना है, वह हमैं सैन्ट्रल गवर्नमैंट से उपलब्ध हो जाएगा और जो धन स्टेड गवर्नमैन्ट का बचेगा, उसे बाकी गांवो पर खर्च करेंगे।

श्री राम भजन अग्रवालः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि पीने के पानी की समस्या के लिए पब्लिका हैलथ इरीगे ान और बिजली, तीनों महकमों की आपस में कोई को आर्डने ान नहीं है। क्या मुख्य मंत्री जी इस बारे मैं को–आर्डने ान कर जिससे कि पीने के पानी की अच्छी व्ययस्था हो सके?

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर सर, हमे ाा सरकार के डिपार्टमैट्स का आपस में को–आडीने ान रहता है। सरकार की ज्वायंट जिम्मेदारी होती है। कही भी कोई काम करना हो, 2–3 डिपार्टमैन्ट्स की आपस में इन्वोल्वमैंट होती है। मीटिंग करके उनका कोई न कोई समाधान निकालकर सुचारू रूप से काम किया जाता है

श्री अध्यक्षः मुख्य मंत्री जी भी इस प्र न का जबाव दे दें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, सवाल बड़ा अहम है। पीने के पानी का बंदोबस्त में सरकार के लिए पहला काम समझता हूं खेती के लिए भी और पीने के पानी के लिए भी। हरियाणा प्रदे ा दे ा में पहला ऐसा प्रदे ा है जिसके हर गांव में हमने पीने के स्वच्छ पानी की टूटी पहुचाई है। जहां तक इन्होंने को–आर्डने ान की बात कही है, बिजली डिपार्टमैन्ट, इरीगे ान और पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट बैठकर मीटिंग करके फैसला करते है, जहां कहीं भी थोड़ी बहुत दिक्कत आती है, इस के लिए बाकायदा पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर की अध्यक्षता में कमेटी बना रखी है, जब भी कोई दिक्कत हो वे मीटिंग बुला सकते है। बिजली का कनैक्ा ान देने की बात हो, चाहे इरीगे ान से वाटर सप्लाई को जोड़ने की बात हो, इस के लिए पूरी फैसिलिटी और पूरा इंतजाम हमने किया हुआ है कि पीने के पानी की तकलीफ किसी भी गांव में न हो, किसी जगह न हो।

श्री राम रतनः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से जानना चाहता हूं, जैसा अभी मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि पीने के पानी की सुविधा हर गांव में दी है। मै नि ाान नहीं है। क्या उन गांवो में पानी के पानी की व्यवस्था की जाएगी? गांवों के नाम इस प्रकार से हैः—भवाना, सेख साही, पहलादपुर, गुरवाड़ी, गड़ी—होडल, भरतगढ़ सुरजननगला, सम ाबाद, बसन्तगढ़ और लुहारगढ़।

श्री अध्यक्षः राम रतन जी, आप नाम लिख कर भेज दे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय जैसाकि हमने गवर्नर साहब के ऐड्रैस में भी जीक्र है, हरियाणा प्रदे ा के ऐसे गांव जिनकी आवील 250 से कम है, या खादर में है, या पहाड़ी एरिया में है, वहां कुछ गांवो में पानी नहीं पहुंचा पाए है। राम रतन जी ने कहा है कि उनके हल्के के कुछ गांव ऐसे है जिनमें पानी की व्यवस्था नहीं है हो सकता है। उनकी आबादी आबादी कुछ कम हो। मै आपको बताना चाहूंगा कि हमारी स्टेट के लिये 6 जिलों में डेजर्ट स्कीम भी आ गई है, उसके तहत पैसा भी आ गया है। हम इसके तहत प्रदे ा में जहां पर डैजर्ट एरिया है और पानी की दिक्कत है वहां के लिये पानी का प्रबन्ध कर रहे है। इसके तहत जहां पर पानी की पुरानी स्कीमें बनी हुई है, उनकी भी रिवाईज कर रहे है। जहां पहले 20 लिटर प्रति व्यक्ति पानी मिलता था, अब वहां के लिये 40 लिटर, जहां पहले 40 लिटर मिलता था, वहां के लिये 70 लिटर और जहां पर पहले 70 लिटर मिलता था, वहां

के लिये 110 लिटर पानी मुहैया कराने जा रहे है। इस तरह से हम बात का ताल्लूक है कि उपलब्धता पर जोर दे रहे है। जहां तक माननीय सदस्य की इस बात का ताल्लुक है कि उनके क्षेत्र के कुछ गांव एसे है जहां पानी की सुविधा नहीं है, वह हमें इनकी लिस्ट देने की मेहरबानी करें या हमें लिख कर भेज दे, हम जरूर इस बारे में कार्यवाही करेंगे।

श्री सूरज मलः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से एक बात जानना चाहता हूं। जहां पर पानी की ओपन नालियों द्वारा डिग्गियों में लाने की स्कीम है, वहां पर इतनी गन्दगी होती है कि उसी पानी को हमें पानी पड़ता है। जो ओपन नालियां होती है, वही पर लोग लैट्रीन्ज करते है। इसको कवर किया जाना चाहिए या फिर पाईप लाईन के जरिये यह पानी डिग्गियों में लाया जाना चाहिए, इसका क्या कोई समाधान करने की को ि ा ा करेंगे? मेरे हल्के में बराही एक गांव है, वहां पर खुली नालियां है। उस पानी में इतनी गन्दगी होती है कि वह सारी की सारी टैंक में आती है। इसका समाधान यही हो सकता है कि या तो उसको कवर करके नालियों द्वारा लायें या फिर पाईप के जरिए पानी लायें। क्या सरकार इस बारें में कुछ कार्यवाही करेंगी?

श्री राम पाल सिह कंवरः अध्यक्ष महोदय, यह दिक्कत वहां पर है जहां नहरी पानी की पीने के लिए दिया जाता है। हमने वहां पर कैरियर चैनल्ज बना रखी है, वे सारी चैनल्ज औपन है। उसके द्वारा पानी को टैकियों में लेकर आतें है। वहां इस पानी

को फिल्टर करके आगे पानी के लिए सप्लाई करते है। फिलहाल तो हमारी उन चैनल्ज को कवर करने की कोई पालिसी नहीं है। उनकी कवर करने की बजाये हम पानी की मात्रा बढ़ाने का प्रयास कर रहे है। उसके प चात जब पूरा पानी आने लगेगा, तब इस बात की और ध्यान दिया जायगा।

तारांकित प्र न सं0 739

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री बलवन्त सिह सदन में उपस्थित नहीं थे।

तारांकित प्र न सं0 766

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री रमे ा कुमार सदन में उपस्थित नहीं थे।

Students In Schools and Colleges

782. Prof Ram Bitas Sharma: Will the Minister for Eduction be pleased to state the total a under of students in the Government Schools and Colleges and the Government aided Private School and Colleges in the State during the year 1992-93, separately?

Education Minister (Shri Phool Chand Mullan):

Colleges

Total number of students Govt. Colleg during 1992-93	56,689

Total number of students in Govt. aided Private Colleges.	1,01,204
Total	1,57, 893

Seconderay Schools

Total number of students Govt. Schools during 1992-93	19,32,280
Total number of students in Govt. aided Private School.	1,21,005
Total	20,53,285

Primaray/Attachad Primary School

Total number of students Govt. School during 1992-93	16,29,000
Total number of students inPrivately manggedrecognised Schools.	1,16,000
Total	17,45,000

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने लिखित उतर में वर्श 1992–93 में राजकीय महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या 56,689 बताई है और प्राईवेट कालिजिज में यह संख्या 1,01,204 बताई है जो कि दुगनी है। मै ि ाक्षा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि सरकारी कालिजिज की बजाए प्राईवेट कालिजिज में जो छात्रों की संख्या दुगनी है, कही इसका

कारण सरकारी कालिजिज में ि ाक्षा का स्तर नीचा होना तो नहीं है, अथवा इसका कारण यह तो नहीं है कि सरकारी कलिजिज में सरकार ने दाखिला बन्द कर दिया था? स्पीकर साहब, दूसरा सवाल मेरा यह है कि टीचर और स्टूडैंट का रे ाों का क्या है?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने पूछा है कि प्राईवेट कालिजिज में छात्रों की संख्या ज्यादा क्यों है और गवर्नमैंट कालिजिज में संख्या कम क्यों है। इस सदन को बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रान्त बनने के प चात ि ाक्षा के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है। अब 1986 में हरियाणा बना तो उस समय राज्य में बाहर गवर्नमैंट कालिजिज और तेतीस प्राईवेट कालिजिज थे। इस समय टोटल कालिजिज 140 है और इन 140 में से 43 गवर्नमैट कालिजिज है और 97 प्राईवेट है। इसलिए प्राईवेट कालिजिज में संख्या ज्यादा है क्योंकि प्राईवेट कालिजिज की संख्या ज्यादा है। माननीय सदस्य ने यह भी पूछा है कि कही इसका कारण स्तर का कम होना तो नही है, इस बारे में मै बताना चाहता हूं कि आप जानते है कि गवर्नमैट कालिजिज का तो ि ाक्षा के क्षेत्र में नाम है, स्तर कम नही है। जहां तक यह पूछा है कि टीचर और स्टूडैट का रे ाों क्या है, इसके लिए मै माननीय सदस्य से प्रार्थना करूंगा कि वे अलग से क्वै चन भेज दें, जवाब दे दिया जायेगा।

डा0 राम प्रका ाः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि प्राईमरी स्कूलों में ि ाड्यूल्ड कास्ट्स बच्चों की ड्रौप

आउट की संख्या क्या है और क्यों यह संख्या पिछले साल बढ़ी है या घटी है?

श्री फूल चन्द मुलाना: स्पीकर साहब, पहले ड्रीप आउट बहुत ज्यादा थी लेकिन सरकार की चेश्टा है कि न केवल ड्रौप आउट को रोक जाए बल्कि पूरी एनरोलमैंट हो और इसके लिए उनको कई प्रकार के प्रलोभन और हैल्प दी है। आज के दिन मैं यह कह सकता हूं कि इन साधनों को अपनाने से ड्रौप आउट की संख्या घटी है, बढ़ी है बढ़ी नहीं है।

डा0 राम प्रका ा: मंत्री महोदय ने यह ड्रौप आउट की संख्या घटने के बारे में जो बात कही है, क्या वह इसकी पुश्टि आंकड़ों से करेंगे?

श्री फूल चन्द मुलाना: इसके लिए माननीय सदस्य अलग से प्र न भेज दें।

श्री अमर सिंह: अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा मंत्री जी ने कालिजिज में छात्रों की संख्या 1,57,893 बताई है और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में 20,53,285 बताई है तथा प्राईमरी स्कूलों में 17,45,000 संख्या बताई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इसमें बैकवर्ड क्लासिज और ि ाड्यूल्ड कास्टस के टोटल स्टूडैंट्स कितने है और दूसरा मेरा सवाल यह है कि क्या सरकार की यह मं ाा पूरी हो गई है कि हरियाणा में छः साल के सभी बच्चों ि ाक्षा प्राप्त करें?

श्री फूल चन्द मुलाना: स्पीकर साहब, सवाल में कास्टवाइज फिगर्ज नही पूछी है, टोटल स्ट्रैग्य पूछी है। कास्टवाइज फिगर्ज के लिए माननीय सदस्य अलग से क्वै चन भेज दे, मैं जवाब दे दूंगा।

श्री अमर सिंह: स्पीकर साहब, मेरे दूसरे सवाल का जबाब नहीं आया कि सरकार का यह उद् य कि छः साल का हर बच्चा ि ाक्षा प्राप्त करे, क्या यह लक्ष्य पूरा हो गया है?

श्री फूल चन्द मुलाना: स्पीकर साहब, सरकार की लक्ष्य लगभग पूरा हो गया है और सरकार का यह प्रयास है कि सभी ऐसे बच्चों को स्कूल में दाखिल करवा सकें।

प्रो0 छतर सिंह चौहान: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने सेकिण्डरी स्कूलों में छात्रों की संख्या 20,53,285 बताई है और प्राईमेरी स्कूलों में छात्रों की संख्या 17,45,000 बताई है। अध्यक्ष महोदय, प्राईमरी स्कूलों में हमे ाा बच्चों की संख्या ज्यादा होती है, तो ड्रौप आउट कहां कम हो गया? दूसरा मेरा सवाल यह है कि मंत्री महोदय ने गवर्नमैंट कालिजिज और प्राईवेट कालिजिज में स्टूडैंटस की जो सख्ंया बताई है, इसको देखते हुए क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि गवर्नमैंट कालिजिज में टीचर्ज और स्टूडैंटस की रे ाों क्या है और प्राइवेट मैं क्या है और पिछले पांच साल में गवर्नमैंट कालिजिज में लेकरार्ज कितने लगे है और प्राईवेट कालिजिज में कितने लगे है?

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, लगता है कि माननीय सदस्य ने सवाल को ठीक से नही पढ़ा। सवाल में जो सूचना मांगी गई थी वह मैने दे दी है। हमारे यहां बहुत से ऐसे स्कूल है जो अन–रिकगनाइज्ड है और बहुत से ऐसे भी है जो गवर्नमैंट एडिड नहीं है। उनकी संख्या इसमें नहीं है। जहां तक इनके पहले प्र न का संबंध है, इसके लिए ये अलग से नोटिस दे दें, जवकि दे दिया जाएगा।

श्री मनी राम केहरवाला: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी बताया कि कुछ गवर्नमैट एडिड स्कूल है और कुछ प्राईवेट स्कूल है जो रिकगनाइज्ड है। उनको ऐड देने के लिए क्या क्राइटेरिया है?

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, सरकार की नीति है कि हर व्यक्तियों जो ि ाक्षा ग्रहण करने के काबिल है, उनको ि ाक्षा दें सरकार अकेली सक्षम नहीं है कि वह सभी जगह स्कूल और कालेज खोल सके। इसलिए प्राइवेट संस्थाओं संस्थाओं जैसे डी0 ए0 वी0 वर्गरह है जिन्होंने कॉलेज खोले हुए हैं और वे सरकार की भार्तो को पूरा करते है, उनको सरकार रिकगनाइज भी करती है और टीचर्ज का पे का 95 प्रति ात खर्चा भी देती है।

साथी लहरी सिंह: अध्यक्ष महोदय, सभी मंत्री जी ने बताया कि सरकार 95 प्रति ात एड देती है। जो प्राईवेट स्कूल या कालेज 95 प्रति ात ऐड लेते है क्या वे सरकारी रूल्ज को पूरी

पालना करते है या नही? जैसे टीचर्ज की भरती होती है, लैक्चरर्ज या क्लास थी और फोर की भरती होती है, क्या उसमें रिजर्वे ान का ध्यान रखते है? अगर नहीं रखते तो उनके खिलाफ सरकार ने क्या ऐक ान लिया?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, जिन स्कूलों या कालेजों की ऐड दी जाती है, उनका बाकायदा आडिट भी होता है। वैसे उनकी मैनेजमैंट एक प्राइवेट बाडी होती है लेकिन जब कभी भर्ती का मामला आता है तो सरकार और यूनिवार्सिटी के मुमायदे इंटरब्यू कोई संस्था सरकार की भार्ते नही करती तो कोई जगहों पर ऐसी संस्था को सरकार टैक ओवर भी कर लेती है।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मैने तो रिजर्वे ान के बारे में पूछा था कि उसकों वे लागू करते है या नहीं?

श्री अध्यक्षः लहरी सिंह जी, वहां एक पोस्ट भरनी हो, वहां रिजर्वे ान कैसे पूरी होगी?

साथी लहरी सिंहः वे कलर्क और कलास फोर के स्टाफ की भी भर्ती करते है, उसमें तो रिजर्वे ान पूरी होनी चाहिए? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए, इस बारे में मंत्री जी ने बता दिया है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने कालेजिज में स्टूडैंटस की टोटल संख्या एक लाख 57 हजार बताई है और सैकेंडरी स्कूल्ज में 20 लाख 53 हजार बताई है। इससे यह जाहिर होता है कि हायर एजुके ान के लिए सिर्फ छः या साढे छः परसेट बच्चे जाते है। This is matter of concern, that out of 20 lakhs only 1,57,000 students joined higher education. Will the Minister tell what are the reasons for that?

The second part of my question is that there are certain colleges, where adequate accmmodation is not there, In this connection, I would like to cite the name of National College, Sirsa, which is now a Government College, and similarly in Govt. College Jind. The Principals of these Colleges have told me that they do not have the adequate acc ommodation for the students even to stand up, what fo talk to ask from the Hon. Minister whether Government is thinking to provede adequate/sufficient accommodation to such Colleges where proper accommodation is not available?

Shri Phool Chand Mullana: My hon. friend Ch. Bireder Singh has raised two points in one regarding decrease in the ratio of students in higher Education and the second point is about in adeuate accommodation in colleges. So far as the first prart of the question is concerned, I would like to tell my friend that the ratio of students in higher education has decreased because there are some students, who after passing 10+2 examination, get admission in Medical Colleges, some go to Polytechnics, some go to Engineering Colleges and some go to other technical training Institutes. Hence this decrease in

the number of higher education. So far as the other part of the question is concernd (Interruption).

Chaudhri Bireder Singh: Speaker Sir, the reply of first part of my question has not come to my satisfaction. What the hon. Minister has told is that the decreage in the ratio of students going to higher clases is due to the fact that they get admission in some professional training coures. So my specific question is wheter there is any system with the Government by which they have made out any annual survey about this percentage of 6.42? Have you conducted any survey that so much students have got admission in Medical Colleges, so much students have gone to Engincering Colleges, and so much have gone to I.T. Is? Would you like to give the fingures of such students?

Shri Phool Chand Mullana: Speaker Sir, as I have said earlier that one of the factors of decrease in the ratio of students going to higher eduction is that some get admission in Medical Colleges, some go to I.T.I and other Technical Training conrses. Besides this there are some poor students, who cannot afford. admission in higher education and they go in for emploment and join some setvice. So these are the reasons for decrease in the ratio of students going to higher eductation. As regards the date which my friend has asked about the number of students going or getting asmission in colleges and other technical training courses, at presint I do not have this data. So far as the second part of question is concerned, we admit that there is shortage of buildings in Government Colleges and this is due to the fact that the Govenment do not have adequate funds at its disposal and I

assure my friend that as and when adequate funds are made available to the studensts as well as to the teachers and also proper teaching facilites in the Colleges.

श्री अमीर चन्द मक्कड़: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होंने प्राईवेट स्कूलों की जो संख्या दी है, क्या उसमें व पब्लिक स्कूल भी भामिल है जिनको लोग घर घर पर चलाए बैठे है? उन पब्लिक स्कूलों की पढ़ाई का स्तर भी बहुत नीचे है जो आजकल घर–घर पर चल रहे हैं और वे बिना भार्त के पब्लिक स्कूलों की मान्यता ले लेते है, क्या सरकार उन स्कूलों की मान्यता समाप्त करेगी क्योंकि उसमें पढ़ाई का स्टैडर्ड नहीं है? इसके साथ–साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या सरकार प्रदे ा के हर बच्चे को ईक्वल एजुके ान देने का प्रावधान करेगी?

श्री फूल चन्द मुलाना: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने बड़ा अहम सवाल किया है। इन्होने पूछा है कि क्या इस संस्था में पब्लिक स्कूलों की संख्या भी भाामिल है। मै अपने दोस्त को बताना चाहूंगा कि जो पब्लिक स्कूल रिकगनाईज्ड है, उनकी संख्या इसमें भामिल है। जहां तक माननीय सदस्य ने यह सवाल किया है कि वे पब्लिक स्कूल बिना भार्ते के मान्यता रद्द कर दी जाती है। मै एक बात माननीय सदस्यो से यह भी कहना चाहूंगा और उनका सहायोग भी चाहूंगा कि इस चेतना की बड़ी भारी आव यकता है हमारे ही आदमी फिर सिफारि ा करते है इसको मान्यता दे दे, चाहे स्कूल के लिए एक कमरा भी न बना हो। आगे आने वाले

समय में पूरी तरह से देखेंगे कि जो रिकगनाइजे ान का सवाल है, वह काम ि ाक्षा विभाग की बजाय एजुक ान बोर्ड को सौंपा जाए ताकि वह इस बारे में अच्छा तरह से स्टडी करके रिकगनाइज करें क्योंकि इम्तिहान एजुके ान बोर्ड ने दिलवाने हैं।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: स्पीकर साहब, मेरे एक सवाला का जवाब नहीं आया। मैने यह भी पूछा है कि क्या सरकार ऐसा प्रंबंध है कि क्या सरकार ऐसा प्रबंध कर रही है कि सभी बच्चों को एक जैसी ि ाक्षा मिले। मैं मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि आजकल पब्लिक स्कल बहुत अधिक मात्रा में खोले गए है और वे बच्चों से बहुत ज्यादा पैसे लेते है। इन पब्लिक स्कूलों में 500 रूपये तक फोस ली जाती है जबकि सरकारी स्कूलों में बहुत कम खर्च आता है। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ऐसा कोई प्रंबध कर रही है ताकि सभी बच्चों को बराबर की ि ाक्षा मिले।

श्री फूल चन्द मुलाना: स्पीकर साहब, मै भी इस बात की हामी हूं कि सभी बच्चों को बराबर की ि ाक्षा मिले। यही कारण है कि सरकार ने अपने सरकारों स्कूल खोले है। हम अपने स्कूलों में प्राईवेट स्कूलों से बढ़िया टीचर लगाते है, उनको अच्छी पे देते है। यह बच्चों को ि ाक्षा दिलाये। सरकार की तरफ से तो पूरी कोि ा ा रहती है कि सभी बच्चों को बराबर की ि ाक्षा मिले।

श्री सूरज मलः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि आज हमारे बहादुरगढ़ में ही स्कूलों के नाम पर तरकीबन 175 दुकानें चलाई जा रही है। वे बच्चों से फीस भी अधिक लेते है और पढ़ाई भी वहां कुछ नहीं होती। उनका मकसद सिवाय पैसे के और कुछ नहीं है। इसलिए मैं मंत्री महोदय, से जानना चाहता हूं कि क्या ऐसे स्कूलों, जो दुकानों की तरह पैसा इकट्ठा कर रहे है, की तरफ सरकार कोई ध्यान देगी।

फूल चन्द मुलानाः मै अपने सदस्य साथी को कहना चाहता हूं कि अगर कहीं ऐसी बात है तो वह हमारे नोटिस में लाये कि फलां–फला स्कूल बगैर भार्ते पूरी किए चल रहे है, हम उनको अपने विभाग से चैक करवा लेंगे। इस तो अच्छी ि ाक्षा मिल सके किसी प्रकार का इम्तिहान दे सकें।

श्री सूरज मलः अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि हमारे बहादुरगढ़ में 175 स्कूल ऐसे है जो दुकान के तौर पर चले रहे है, क्या उनकी मान्यता समाप्त करने के लिए कुछ कार्यवाही सरकार करेंगी?

श्री फूल चन्द मुलानाः यदि ऐसी कोई बात वहां पर है, तो उसे हम चैक करवा लेंगें

श्री अध्यक्षः इनका दुकानों से मतलब यह है कि जो पब्लिक स्कूल खोले जा रहे है, उनमें जो टीचर रखते है, उनको

150–200 रूपये पर ही रखते है, जबकि न तो उनकी कोई बिल्डिंग होती है और न ही बच्चों के खेलने के लिए सामान और मैदान आदि होता है। ऐसे स्कूलों के बारे में सरकार का क्या विचार है।

श्री फूल चन्द मुलानाः जिन स्कूलों को सरकार कोई ऐड नहीं देती, वे अपने ढंग से स्कूलों को चलाते है और फीस का स्तर भी वे अपने स्तर के अनुसार ही लेते है, ऐसे स्कूलों पर हरियाणा सरकार का कोई कन्ट्रोल नहीं है कि कितनी वे फीस ले। जो भी फीस वे लेते है, अपने स्तर के आधार पर ही लेते है। जो माता–पिता अपने बच्चे दाखिल करते है, वे अपनी पेइंग कैपोसिटी के हिसाब से ही ऐसे स्कूलों में बच्चों की दाखिल करवाते है। हमने तो सरकारी स्कूल खोले है इसलिए वहां पर बच्चों को दाखिल करा सकते है।

बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौधरी सूरज मल जी ने जो सवाल पूछा है, वह बहुत ही महत्वपूर्ण है। मै मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि आजकल न सिर्फ भाहरों और कस्बों में ही ये पब्लिक खोले हुए है बल्कि गांवों में भी ऐसे स्कूल दिन–प्रति दिन खुलते जा रहे है। ऐसे स्कूल कोई लाल–पीली–नीली ड्रैस और टाई फिक्स करके और अपने स्कूल का कोई टेढ़ा–मेढ़ा कोई अट्रैक्टिव नाम रखकर चलाते है। नाम से प्रभावित होकर बच्चों के मां–बाप अपने बच्चों को दाखिला कर देते है। ऐसे स्कूल बेहता । फीस लेते है। इतना ही नही, इन स्कूलों ने बसें तक

लगा रखी है और ये बसें 2,3, और चार–चार मील तक के फासले से बच्चों को जा कर लाती है। इन स्कूलों ने सारी स्टेट में लूट मचायी हुई है। इतना ही नही, इन स्कूलों में जा टीचर लगा रखे है, उनकी भी 100–200 रूपये पे के देकर उनका भाोशण किया जा रहा है। बच्चों के मा बाप इसलिए इन स्कूलों में डालते है कि मेरा बच्चा ज्यादा पढे लिखे जबकि ज्यादा पढ़ने लिखने की बजाये उसका उल्टा असर होता है। इसलिए मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या टीचर्ज के भाोशण की रोकने के लिए और जो यहां बच्चा के साथ लूट मचायी हुई है, उसको रोकने के लिए सरकार कोई कदम उठाने जा रही है?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री बीरेन्द्र सिंह जी को बताना चाहता हूं कि दो सिस्टम्ज के तहत स्कूल खोले जाते है। कुछ स्कूल्ज ऐसे है जो कि सी0 बी0 एस0 से रिकोग्नाईज्ड होते है और कुछ स्कूल एजुके ान बोर्ड और हरियाणा ि ाक्षा विभाग से रिकोग्नाईज्ड होते है। लेकिन जो स्कूल सी0 बी0 एस0 ई0 के रिकोग्नाईज्ज है, उन पर हमारा कंट्रोल नहीं है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि स्कूलों द्वारा बेतहा ाा फीस ली जाती है तथा अध्यापकों का भाोशण किया जाता है। इस बारे में मै हाउस को बताना में मै हाउस को बताना चाहूंगा कि सरकार इस बारे से पहले से ही जागरूक है और जहां जो कमी पाएगी, उसको ठीक करने का पूरा प्रयास करेंगी।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आपने भी बिल्कुल ठीक बात कही और चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने भी जो कहा, वह ठीक बात है और मैं भी यह महसूस करता हूं कि जो पब्लिक स्कूल्ज है, वे दुकानें ही है और इस बारे में चौधरी सूरज मल जी ने ठीक कहा है। स्पीकर साहब, इस बारे में हम एक कमेटी बनाएंगे जो कि इस बारे में पूरी तरह से विचार करेगी कि किस तरह से इसको कण्ट्रोल किया जा सकता है और इस प्रकार के भाोशण और लूट को कैसे रोका जा सकता हैं। यह कमेटी कोई रास्ता निकालेगी ताकि स्कूल की बाकायदा रजिस्ट्रे ान हो सके। जो स्कूल खोले जाएं, उनकी रजिस्ट्रे ान से पहले कमेटी इस मामले की तह तक जाएगी और उसके नार्म्ज फिक्स करेगी ताकि जो अनाप– ानाप स्कूल खुले हुए है, उनको कैसे बन्द किया जा सकता है। स्पीकर साहब, इस बारे में हम जरूर विचार करेंगे और एक नीति बना कर अगले सै ान में हम हाउस में लाएंगे।

श्री अध्यक्ष: फूल चन्द जी, आप यह बताईये कि कालेजिज के लिए मन्जूरी का क्या क्राईटीरिया है और गर्ल्ज कालेजिज के लिए क्या कोई अलग क्राईटीरिया है?

श्री फूल चन्द मुलाना: स्पीकर सर, नये कालेजिज खोलने के लिए सरकार की जो नीति है उसमें कुछ भार्ते रखी गई है, जमीन वे देंगे, उसमें बच्चों की संख्या कितनी होगी, सरकार से आप कोई सहायता नहीं मांगेगे, जो हमारी भार्तो को पूरा करेंगे,

वहां पर कालेज खोलने की मन्जूरी दी जाती है। लड़कियों के कालेज के लिए सरकार की नीति अलग है। लड़कीयों की ि ाक्षा को हम अधिक महत्वपूर्ण मानते है। लड़की को पढ़ाने का मतलब है कि एक पूरा परिवार पढ़ा दिया जब कि लड़के को पढ़ने से एक व्यक्ति पढ़ता है। सरकार की नीति के मुताबिक लड़कीयों के स्कूल और कालेज खोलने पर अधिक प्रोत्साहन दिया जाता है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः मुख्य मंत्री जी ने कमेटी बनाने को जो सुझाव दिया है, वह बहुत ही अच्छा है। इस सम्बन्ध में मै मुख्य मंत्री जी से एक बात और कहना चाहूंगा और मैने पहले भी इसका जिक्र किया था कि जहां स्टेट के रिसोर्जिज की मोबिलईजे ान की बात है, इस प्रकार ि ाक्षा के अदायरों पर भी टैक्स लगया जाना चाहिए ताकि स्टेट एक्सचैकर को फायदा हो। यह देखा गया है कि ऐसे स्कूलों की आमदनी हजारों में नही बल्कि लाखों में है, इसलिए उनको टैक्स किया जाता चाहिए ताकि स्टेट की आमदनी बढ़ाने में सहायता मिल सके।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बहुत अच्छा सुझाव दिया है और उस कमेटी के दायरे में हम इस बात को भी रख देंगे कि रजिस्ट्रे ान की क्या फीस होगी, क्या तन्ख्वाह देंगे या क्या सिस्टम होगा। इस बारे में जो कमेटी अनाएंगे, हम उस में चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को भी जरूर भाामिल करेंगे।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, मुख्या मंत्री जी ने बहुत ही अच्छी बात कही है कि इन पर टैक्स भी लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही मै यह कहना चाहूंगा कि जहां नाम मात्र की सोसाइटी बना ली है, कोई स्कूल नही और मंत्री अपने फंड से उनको पैसा देते है, यह बात भी बन्द होनी चाहिए और ऐसी स्कूलों या कालेजों को मंत्रियों द्वारा जो पैसा एनाउंस करके दिया जाता है, वह भी मना करना चाहिए।

श्री फूल चन्द मुलानाः स्पीकर साहब, किसी भी स्कूल में अगर कोई मंत्री जाता है, तो वह उस हल्के के विधायक की इच्छा के बिना नही जाता। जहां विधायक बुलाते है, मंत्री वहां पर जाते है और जब मंत्री कही जाते है तो फिर उसके लिए उनको कुछ देना ही पड़ता है।

चौधरी अजमत खांः अध्यक्ष महोदय, मेवात ऐजुके ान सोसाइटी के नाम पर कोई सोसाइटी नही है। एक मंत्री जी चले जाते है और 20 हजार रूपय ग्रान्ट के तौर पर दे आते है। अध्यक्ष महोदय, या तो ये वहां पर गलत बोल कर आए है कि वे 20 हजार पैसा दे देंगे या फिर अपने किसी खाद्य आदमी का इस बहाने फायदा करना चाहते है। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अजमत खां जी ने खद ाा जाहिर किया है कि वहां पर स्कूल नहीं है या उन्हें मान्यता प्रान्त नही है। उनमें ग्रन्ट दे दी जाती है। अध्यक्ष महोदय,

हम इस बात को ध्यान में रखते है कि अगर किसी स्कूल को मान्यता प्राप्त नहीं तो वहां पर ग्रान्ट न दी जाए। अगर सच में ही वहां पर ऐसी कोई बात है, तो हमें लिखकर भेजे। हम उनसे ग्रान्ट वापिस ले लेंगे और आईन्दा इस बात का ध्यान रखेंगे तथा सभी मिनिस्टर भी इस बात क ध्यान रखेंगे।

डा0 राम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय मुख्यमंत्री जी ने अभी चिन्ता व्यक्त की है तो मै ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानना हूं कि जिन स्कूलों के साथ एम0 एल0 एज0 या मंत्री या सरकारी अधिकारी जुड़े हुए है और उनके लिए चन्दा लेते है, उनके बारे मे ंक्या नीति है? क्योंकि ऐसे लोग ही ऐसे स्कूल चलांएगे जिनको मान्यता प्राप्त नहीं है, इस तरह आम लोगों को भी इससे प्रोत्साहन मिलेगा।

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, हमारे पास स्कूलो का जो रिकार्ड है, उसमें ऐसा नही लिखा हुआ है कि फलाना स्कूल के साथ फलाना–फलाना मंत्री जुड़ा हुआ है अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी कोई अनियमतताएं होगी तो हम इसकी जांच करवा लेंगे।

डा0 राम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, यह तो चन्दे की पर्ची से ही पता चल जाता है कि अमुक आदमी स्कूल चला रहा है।

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी कोई बात है तो हम इनको बता देंगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर कोई आदमी स्कूल चलाना चाहे तो वह चला सकता ह। चाहे वह एक्स एम0 एल0 ए0 हो एम0 पी0 हो या कोई और हो, वह स्कूल चला सकता है। लेकिन सवाल तो यह है स्कूल गलत ढंग से तो नहीं चल रहा है। कोई पब्लिक के साथ चीटिंग तो नही कर रहा है। अगर ऐसी बात है, तो उस आरे में हमे ंलिखकर दें, हम इसको देख लेंगे

श्री अध्यक्षः क्या मंत्री जी यह बताएंगे कि क्या कालेजों को आगे ग्रान्ट्स नहीं दी जाएगी? अगर आप ग्रान्ट नहीं देंगे तो देहातों में आपकी ऐजुके ान का फैलाव नहीं होगा। इसलिए क्या आप आप देहात के कालेजिज को ग्रान्ट देने के लिए कंसीडर करेंगे?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, आज कल जो नए कालेजिज खुल रहे है, उनके लिए सरकार की मौजूदा नीति यह है कि उनकी अभी ग्रान्ट नही देंगे क्यों कि उनके पास पहले ही काफी ग्रान्ट है। जहां तक कहीं पर बिस्तार का सवाल है, सरकार उस पर विचार कर लेगी।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, देहात की लड़कियों भाहरों में नही जा सकती, इसलिये रूरल एरियाज में जहां पर लड़कीयों के लिए कालेजिज खोले है, क्या आप वहां पर ग्रान्ट देने की सोचंगे?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, सरकार की नीति यह है कि समय के मुताबिक, जरूरत के मुताबिक पुनर्विचार किय जा सकता है। जहां कहीं भी आव यकता होगी, आप लिखकर भिजवा दें, हम उसको ऐग्जामिन करवा लेंगे।

श्री हरि सिंह नलवाः अध्यक्ष जी, यह बहुत अह म मुद्दा है। सी0 बी0 एस0 ई0 के जो स्कूल होते है, उनका काईटेरिया फिक्स किया हुआ होता है। अगर सी0 बी0 एस0 ई0 के काईटेरिया से बाहर जाकर कोई स्कूल मे लिए अप्लाई करता है तो वह उसको मान्यता नहीं देता। जैसे सी0 बी0 एस0 ई0 के क्राईरिये के मुताबिक सवा पांच एकड़ जमीन अव य होनी चाहिए। अगर जमीन नहीं होगी होगी तो सी0 बी0 एस0 ई0 उसको मान्यता नहीं देता। इसी तरह से जैसे प्रान्त के अन्दर सी0 बी0 एस0 ई0 का कोई सदस्य स्कूल खोलना चाहता है.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नलवा जी आप स्पीच न दें। आप स्पैसिफिक क्वै चन ही पुट करे।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह हाऊस का समय बर्बाद कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हरि सिंह नलवाः स्पीकर सर, इसी तरह अगर सी0 बी0 एस0 ई0 का कोई सदस्य स्कूल खोलना चाहे तो उसके बारे में उस संस्था को सरकार से नौ–औब्जैक ान सर्टीफिकेंट लेना पड़ता है और सरकार क्राईटेरिया देख कर ही नो–आब्जैक ान सर्टीफिकेट देती है।

श्री अध्यक्षः आप अपना क्वै चन पूछिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हरि सिंह नलवाः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से जानना चाह रहा था कि वह जो कह रहे हैं कि हरियाणा प्रान्त में दुकानें खोली हुई है, सर, एक तरफ तो सरकार की पालिसी है कि हर आदमी ि ाक्षित हो और दूसरी तरफ ये इन दुकानों पर हमला कर रहे है, तो इस तरह से कैसे ि ाक्षा का प्रचार हो सकता है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नलवा साहब, आप स्पैसिफिक क्वै चन पूछिये।

श्री हरि सिंह नलवाः स्पीकर साहब, मै जानना चाहता हूं जैसे सी0 बी0 एस0 ई0 है और उनका कोई क्राईटेरिया, कोई मापदंड फिक्स किए हुए है, क्यां हरियाणा सरकार भी ऐसे ही कोई मापदंड फिक्स करेगी? मै इनको बताना चातता हूं कि हरियाणा सरकार भी मापदंड देखकर ही ऐसे स्कूलों को मंजूरी देती है। जहां तक दुकानों की बात ये कह रहे है तो मैं कहना

चाहूंगा कि दुकानों में जो भी अनियमितताएं है सरकार उनके खिलाफ कार्यवाही करेंगी। लेकिन ि ाक्षा के प्रचार के अनियमितताएं है, सरकार उनके खिलाफ कार्यवाही करेगी। लेकिन ि ाक्षा के प्रसार के लिए सरकार सभी जगहों पर स्कूल नहीं चला सकती है। इसलिए प्राईवेट इंस्टीच्यू ान को भी प्रोत्साहन दिया जाता है। इन्होने यह भी कहा कि एस0 डी0 ई0 ओ0 अब तक ऐसे स्कूलो की रिकोगनो ान देता है बल्कि ि ाक्षा बार्ड नही। लेकिन अब सरकार ने निर्णय लिया है कि आगे वाल सत्र से ि ाक्षा बोर्ड ही रिकोगनी ान का मामला देखा करेगा।

Construction of Grain/Vegetable and Fruit Market at Panchkula

735. Sath Lehri Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a grain, vegetable and fruit market at Panchkula; and

(b) if so, the time by which the proposal as refered to in part (a) abve is likely to materialised?

Agricuitre Minister: (Shri Harpal Singh:

(a) Yes,

(b) Action is being taken to get posession of the land carmarked for this purpose from the Haryana Urban Development Authority. Tentative lay out plan has been

prepared and estimates are under preparation and work will be taken up soon after possession of site is taken from HUDA.

साथी लहरी सिंहः स्पीकर सर, मंत्री जी ने अभी बताया कि इस बारे मे एक ान लिया जा रहा है। हुड्डा से जमीन लेनी है। पिछले सै ान में भी इस क्वै चन की ऐक्सटै ान ली गई थी। हुड्डा भी सरकारी एजेन्सी है, ऐसी क्या दिक्कत है उससे अभी तक जमीन ली नहीं गई? मुझे यह बताया जाए कि कितनी जमीन एक्वायर करने जा रहे है, उसमें से मंडी के लिए कितनी है?

श्री अध्यक्षः क्वै चन आवर खत्म होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र ानों के लिखित उतर

Murders Committed in the State

775. Sardar Jaswider Singh: Will the Chif Minister be pleased to state-

(a) whether any incident of riot took place in the State duing the year, 1984 if so, the number of persons murdered/killed in the said incidents;

(b) the number of persons against whom cases have been registerd for the killing of the persons during the said incident; and

(c) whether any amount of compensation/relif, if any, paid to the members of the deceased families; if so, the details thereof?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां, वर्श 1984 में कुल 132 दंगे हुये, जिनमें 119 व्यक्ति मारे गये।

(ख) इन दंगों के सम्बन्ध में 649 व्यक्तियों के विरूद्ध मुकदमें दर्ज किये गये।

(ग) अक्तूबर, 1984 तक के दंगों के मुतकों के निकट सम्बन्धियों को 10,000 रूपये प्रति व्यक्ति अनुगृह राि । दी गई। अक्तूबर, 1984 के बाद यह राि । बढ़ाकर 20,000 रूपये प्रति व्यक्ति सहायता के रूप में दी गई।

Declaration of Farukh Nagar as industrially Backward Area

750. Shri Mohan Lal Pippal: Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Goverment to declare Farukh Nagar Block as an Industrially backward area;and

(b) if so, the time by which the aforesaid area is likely to be declared as Industreally Backward Area?

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़):

(क) राज्य उद्योग नीति 1992 के अनुसार जिला

तथा गुड़गांवा का फरूखनगर ब्लाक पहले से ही राज्य के

(ख) उद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्र की सूची में है।

Construction of new Roads

770. Chaudhri Azmat Khan: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the lengthwise names of new roads construeted in State during the period from 1987 to 1993?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): विररण सदन क पटल पर रखा गया है।

विवरण

हरियाणा में निर्मित सड़को का ब्यौरा

वर्श 1987 से 1983 तक

सड़को का नाम	निर्मित लम्बाई (कि0 मी0)
1	2
फोकसा से बाजीगढ़ बस्ती	2.08

हरिजन बस्ती जफापुर	2.60
हरिजन बस्ती चुडियाना	0.73
हरिजन बस्ती टोबा	0.62
हरिजन बस्ती मुलाना	0.20
हरिजन बस्ती के री	0.56
हरिजन बस्ती भोरपुर	0.52
हरिजन बस्ती धनौरा	0.50
हरिजन बस्ती साबगा	0.25
ऊगाला से सुभरी	0.80
गोला से साबपुर	2.40
सरकारी प्राथमिक स्कूल रामनगर	1.11
सरकारी प्राथमिक स्कूल हैरा	0.67
सरकारी प्राथमिक स्कूल सारगढ़	0.08
चौपाल गुरजान बीटा	0.14
ललयाना से हरिजन बस्ती ललयाना	0.13

लिंक सड़क से हरिजन बस्ती चांदपुर	0.12
डैला माजरा से हरिजन बस्ती चांदपुर और मंदिर.	0.35
दुर्गा नगर से राधा स्वामी मन्दिर दुर्गा नगर	0.44
खन्ना माजरा से स्कूल खन्ना माजरा	0.30
रेवले क्रासिंग तक स्कूल भवन वाया सरकुलर सड़क भााहपुर	0.60
लिक सड़क हरिजन बस्ती बबयाल विद लिंक से गुरूद्वारा	0.63
मोहड़ी से तेजान	0.20
लिंक सड़क से मुरादपुर से टपारपुर	0.52
चानरथानी से सरिया सुखी	0.84
थासका मिरानजी से नृरपुर बुची	1.23
एम0 टी0 जे0 सड़क से काटवा मुगल माजरा	1.40
गुदहा से गुदही	0.30

मरछारा से मरछारी	0.45
यारा से बुहावा	3.20
धानानी से सुनारियां	0.84
लोहारा से गिरदापुर	0.51
किरमच से सलारपुर सड़क	1.45
सहजादपुर से सधुरा (सैक्टर सादपुर से जिओली)	6.08
धीन से सारान	2.00
एलावालपुर से रूदियान	1.50
अधोया छाप्पर सड़क वाया रामपुर माजरा	1.58
उगाला से सुभरी	1.42
एल/आर से हरिजन बस्ती स्कूल नन्हेरा	0.36
एल/आर से हरिजन बस्ती टापला	0.50
पान्जला से पान्वायतगढ़ पान्जोला	0.07

एल/आर से बखनुर स्कूल	0.30
एल/आर से स्कूल पिलखनी	0.84
एल/आर से प्राथमिक स्कूल रावलोन	0.70
एल/आर गवर्नमैंट उच्च विद्यालय दलीपगढ़	0.73
बलाना से दुराला	2.00
भााहपुर से मच्छोन्दा	0.60
मुण्डा खेड़ा से दबखेड़ी	3.00
मण्डी से बिचकी सड़क	2.25
एल/आर से हरिजन बस्ती मिल्क धानकाट	1.25
एल/आर से हरिजन बस्ती धनौरा	0.50
एल/आर से हरिजन बस्ती भानुखेड़ी	0.80
एल/आर से हरिजन बस्ती बबयाल वाया गली नं0 1	0.52
एल/आर से हरिजन बस्ती टापला	0.25

एल/आर जासुई से स्कूल	0.50
एल/आर प्राईमरी स्कूल हरिजन बस्ती धरसाला	—
गुरूद्वारा से गांव महरा	0.96
जन्डेरी से जन्डेरी मन्दिर	0.45
एल/आर हनुमार मन्दिर बीह	0.85
एल/आर से प्राईमरी स्कूल सालरहेडी	0.45
एल/आर से प्राईमरी स्कूल मानरहेरी	0.52
एल/आर से वाटर वर्कस डुखेड़ी	0.67
बलाना से दुराला	1.20
भााहपुर से मच्छोन्दा	0.23
कालवा से बस्ती अनूसूचित जाति कालोनी कालवा	1.95
करतारपुर से स्कूल और मन्दिर	0.50
लिंक से जोगी माजरा	0.60
यारा से बुहावा सड़क	010

मुण्डा खेड़ा से डाबखेड़ी	1.00
मण्डी से लोतनी वाया सुरजगढ़	1.11
मोहनपुर से कालसा	1.00
सुरमी से चालवान	1.74
अम्बाला हिसार सड़क से गऊचरान	0.70
माडल टाऊन पेहवा से प्राचीन मन्दिर पहेवा	0.40
लोतनी से धर्मगढ़	1.00
एल/आर जासुई स्कूल	0.86
कंगवाल से कुमार माजरा	0.41
जी. टी. रोड़ से फाराली	1.20
मैगा माजरा से जलखेड़ा	4.49
मोहनपुर से कालसा	1.50
चन्दारभानपुरा से स्कूल	0.35
पाराकिंग प्लेस रि ाी भारकण्डा	0.30
सहजादपुर से गालुर विद लिंक से	0.21

जोगी माजरा	
अन्थरी से अन्थरी स्कूल	0.36
ब्राहमी से मन्दिर खेड़ा	0.33
ज्योतिसर से ज्योतिसर रेलवे स्टे ान	1.70
नारखेड़ी से जोगना खेड़ा	2.30
धनौरा जागीर से कालरा जागीर खिकनी से चालगवान	0.50
बीटा से सिनियर सैकेण्डरी स्कूल लिक टू ि ाव मन्दिर	—
बीटा	0.42
बराड़ा से बराड़ा बाजार	0.18
बलाना से लडाना	3.70
जासुई से सोन्टा	3.40
मोहड़ी से तेजान	0.30
जोली सड़क से जानोली	1.23
एल/आर से अन्दरूनी सड़क से	0.90

बबयाल	
गादली से सालीमपुर सड़क	2.60
लाठी धनौरा से जैनपुर	2.10
सिरसमा से सादौपुर लाडवा	2.94
कसरिला से काम्पला	1.00
गमुर खेड़ी से सिगपुरा	2.60
खारिन्डवा से जालखेड़ी	2.52
थानेसर पहेवा से सारसा	0.74
सरस्वती तीर्थ पहेवा का डाईवसैन	0.26
मेला बाईपास से करकटारी से रामनगर	2.00
प्रतापगढ़ से सनवाला	1.90
एलामपुर से इन्दरावास कालोनी	0.29
सरकारी उच्च विद्यालय सारान	0.27
जलालपुर से मालवा	0.80
छापड़ा से फिरनी छापड़ा	0.65

छारपुर से मुखरपुर	0.70
कि ानगढ़ से डेरा बाजीगराम	0.88
भगे ावरी से झन्जर	3.86
नीमार से खनखेड़ा	0.40
डीबबा से समीआना से खड़ी टोका	0.28
ऊमरा से जमालपुर	7.91
ढांग खुर्द से बलयाली	3.50
बलयाली से धयानी जमालपुर	0.84
खुंगर खेड़ी से दौलतपुर सड़क से बबानी खेड़ा सोरकी सड़क	0.75
तलवानी से धानी रामबास	1.00
खूरखेंडी से सुगंरपुर वाया आलमपुर	1.80
धानी माऊ सिमलीवास	0.20
दुलहेड़ी से आलमपुर	4.44
पेखरवास द्वारका	0.60
अजीतपुरा से रेलवे स्टे ान मनहेड़ी	3.25

झनवाड़ी से संरग राजागढ़	3.62
वाई पास भिवानी	0.58
बडेसरा से सिसर सड़क	6.00
तालू सिवारा सड़क	1.26
सनवार से झिझंर	0.75
मालपोस से मालपोस स्कूल तक	0.30
रानिला बाई पास से रानिला पीलाना गांव की सड़क रानिला	0.47
खड़क से मालपोस	0.50
धानी होला से गगरवास हरिजन बस्ती	0.92
पहाड़ी से जी. पी. एस. नाकीपुर तक	0.27
तुरकियावास से ततारपुर वाया सुनारिया असदपूर	0.83
सुवाहेड़ी से दुलहेड़ा कलां	2.30
नागला तेजू की धानी	0.20
खंडेवरा से सिरयानी	0.95

खौरी से चिमनाधास	0.50
धानी भांडोर से पुनसिखा	2.20
सिहा से सिहा धानी (भाकोवाली)	1.25
धानी जोरावत से गोमला	1.00
ऊचा माजरा से धानी जोरावत	0.10
सिंह से मसीत	0.05
क्वानियां से भोजावास वाया सुन्दरा सड़क	1.50
दादरी महिन्द्रगढ़ से धानी अकोदा सड़क	0.18
महिन्द्रगढ़ से बचोली सड़क	3.95
दनोड़ा से सलीमपुर सड़क	0.61
सीमा से दरोली अहीरान	3.09
थानावास से नैना सड़क	0.40
धानी चिमनावाली से धानी कंकरवाली वाया धानी	–

कैमलावासी लिक से धानी बदवाली	1.45
नीमार से कन्हेड़ा	0.95
बादल से सीसवाला	3.30
लाडली अपरोच सड़क तक	0.09
खुदाना से धानी भामयाना	0.45
भेहेड़ा स गारवा	3.60
नांगल स्कूल अप्रोच सड़क तक	0.43
कुगंर मुडेल सड़क तक	0.50
पहाड़ी से धानी भागेरा	1.17
नाकीपुर बरदलू (सैक ान से बरहालू)	0.75
सिवानी सिगानी से सिधवार	4.75
कपरिया वास से धारापुर	0.22
मोहम्मदपुर से वालावास	0.04
ववाना से सहलोन सड़क	0.40
जमालपुर बबानी खेड़ा सड़क	0.15

बोरिया कमालपुर से साता कलां	0.23
नाथूवाला मोहल्ला से चमधारा	0.20
कनहेती से भागवी सड़क	2.80
धानी गुजरा से ध्याई तिलेरी	2.80
कालूवाला से रहोदी	3.35
एस. बी. जे. से कन्या गुरूकुल पंचगांव	0.23
सिधानी से खेरा	4.60
गुरेरा से धनोती सीमा तक	4.30
वरवा से रेलवे स्टे ान से भाहर तक	1.30
दरेरू से बादल सड़क	2.40
अजीतपुरा से कितलाना सड़क	2.73
मालपोस से मालपोस लड़कियों के स्कूल तक	0.17
महहेरी से हिन्दोल ओ. पी. एस. हिन्दोल	0.18
हिन्दोल से सनवार से दरेड़ी	0.60

पहाड़ी से धानी बगेसरा	0.03
सरसी से बहल सड़क	6.00
सिहार से धानी लालपुर	0.48
धानी डहेला से गगरवास हरिजन बस्ती	0.78
ढुगंर वास अप्रोच सड़क से बाबा रूपादास मन्दिर	0.76
धारन गोविन्दपुर से बीरवल	2.50
पोटी से ददोया राजस्थान सीमा तक	0.32
खेड़ी दालू सिंह से राम सिंहपुरा राजस्थान सीमा तक	0.67
धनाना से राजस्थान सीमा तक	0.60
बवानी से गगरवास	1.02
बसकोररोड़ धानी सैनियां	2.00
नैन से धानी चिमनवाली	0.25
नामवास से गोरीर हरियाणा स्टेट तक	0.81
बनोट से धानी जदमावाली	0.53

लाड से धनेसरी वाया नं–1	3.26
खुगंर से खेड़ी दसवातपुर	3.42
साई से रिवाड़ी खेड़ा	2.25
हिंदोल से सनवार से दरेरू सड़क	0.51
एम. एस. एल. से धानी समासावास	0.75
आर. जे. आर. सड़क से करवाया मानकपुर	3.90
झाजू सतनाली से धानी बलोट	1.65
रतनलाल से हंसावास	3.20
थुमना से भााम नगर	3.00
जोक से अगहीर सड़क	2.00
मुदीना से सुरजनवास सड़क	2.50
डाहोली से धानी जायनी	1.00
सिका से मंधाना सड़क	1.06
नागला चोधरी सड़क से गांव नियामतपुर से कासिंग सीमा तक	2.00

बतारा से खनक सड़क	1.54
फतेगढ़ से मोद माधवी	4.00
धानी खुसाल से धानी के ाला	2.00
जमालपुर स्कूल तक	1.00
पुर से लोहरी जाटू	0.62
रवासा से र ामयू	2.00
दमखेड़ा से हरियाणा स्टेट राजस्थान सीमा तक	4.00
भूरथला से भााम नगर	2.30
रतरन से लोहारी जाटू	3.06
सडंवा ले खारियावास	1.00
सांडवा स्कूल अप्रोच सड़क तक	1.70
सिराही से सहेल	0.06
बसाई से सलोन सड़क	2.00
सुन्दरा से सलोन परतल सड़क	0.70
हरिजन की बस्ती से रामपुर जंगी	0.20

किदारपुर से बरूण	0.88
मोरनी बडियाना से नीमवाला	6.00
मोरनी से त्रिलोकपुर सड़क	3.00
खुण्डेवाला से मुस्म्बित	1.60
बरवाला से बतौड़	0.80
मिल्कखास से ि ावमन्दिर	0.77
रामपुर से पैन्जेवाला	0.57
माच्छरौली बैसेवाला से मेनपुर	0.65
छोटी पाबनी से जोदा जाटान	0.40
कान्दरी बड़ी से कालानपुर	2.30
कान्डवा से सुखपुरा	1.50
कोट दारपुर से फकीर माजरा	0.24
जयरामपुर खालसा से अलीपुर	0.04
दबकोरी से रतेवाली	2.68
नयागांव से संगौली वाया चानचक	1.00

जी. एम. डी. सड़क से हरिजन बस्ती अहरवाला	0.36
कुलचन्दु से सिटारी	1.43
दामला से काम्बोज का माजरा	0.39
बाम्बोल से एकालगढ़ का माजरा	0.60
खेड़ी द र्निसिंह से स्कूल	0.28
साबीलपुर जाटान से स्कूल	0.43
तालकौर से स्कूल	0.44
सुदल सुदैल से खेड़ा	3.67
सांखरा से दरियापुर	2.46
हरियाणा राज्य मार्ग से जय सिहपुरा	0.20
अपर बुड से बोझराजपुरा मोरनी स्ट्रीट ऐरिया	4.47
मोरनी स्ट्रीट ऐरिया	0.26
बुड से अवर बुड	1.55
पिजौर से नगला जागीर	1.30

कैल से रेर का माजरा	1.70
तिगड़ा से स्कूल तिगड़ा	0.10
बिचपड़ी से नवाजपुर वाया लक्कड़मई	
परतापुर लिंक से भीलपुरा	6.55
लिक सड़क से करतापुर	0.50
लिक सड़क से जोगी माजरा	0.81
पिजौर नालागढ़ सड़क से खौला मोला	1.50
परबोली से बुर्ज जामानवाला	0.89
करोड़ खुर्द से मिसरी की माजरी से अलीपुर	0.75
ई. एस. आई. से तेजली	1.13
हरियाणा बस्ती हुण्डेवाला	1.35
मोरान से माजरी टापु	3.40
किदारपुर से ब्रुण	1.90
लिक सड़क से मडटोन	0.30
बिच्छोरी से नवाजपुर वाया लाक्कर राई	0.40

पारतपुर	
भोजपुर से सिकन्दरा	0.30
फिरोजपुर से कला से जाखुपर	3.50
तिलपत से सन्त बाबा सुरदास	0.16
सुरजकुण्ड (पार्किंग) से भ्रूटिंग रेन्ज तक	0.30
चांदवाली से मुजेहरी	2.30
कुराली से फेजपुर खादर	1.62
डीग से पियाला	3.71
मलरेना से बल्लभगढ़	3.64
असावटी से असोटी रेलवे स्टे ान	1.54
मोहनाघाट (पेनटून पुल) से बागपुर कला	3.50
रून्दी से लडियाका	1.90
पलवल घोड़ी सड़क से इस्लामाबाद	0.80
छज्जुनगर से मुनीरगढ़ी	1.45

आलाहापुर कलवाका (डुडहोला से कलवाका)	0.15
बामनीखेड़ा से लडीआका (नंगल बरामन से लडीआका)	0.50
नंगल बरामन से रसूलपुर	0.40
गुलावाद से कानपुर वाया नरांगाबाद	0.91
बामनोला जोगी से तिकड़ी बरामन	1.00
बन्चेड़ी से डकोरा	0.12
बहीन से मानपुर	2.80
बीछोर से नवलगढ़ का निर्माण	2.20
–सम– रनौका कुलाताजपुर से आमका	1.32
नूह मुहमदपुर से खोरी नूह सड़क का निर्माण	1.00
–सम– भादास ि ाकारवा से बास सड़क का निर्माण	1.10
–सम– भादास गेघस से साहापुर	0.82
–सम– कनसाली से मुलतान	0.86

–सम– नूह पलवल सड़क डूबालू सोहना की मील 10 का निर्माण	0.90
–सम– ताडू बोधीपुर से नाई नंगला	0.32
–सम– ताडू सराई से दिवापुर धानी	1.40
–सम–उतान से बिवाड़ी फैक्टरी क्षेत्र	4.42
–सम– ताडू बाई पास	4.00
बाद ााहपुर से नूरपुर झारसा	0.13
फाजलपुर से वरम्मपुर	0.10
सोहना डमडमा से हरचन्दपुर वाया डुला	1.55
मुहमदपुर से धानीराम सरूपकी	1.59
बीखेरा से खड़ी लाला	0.20
घघोला से कलवाका	2.30
कानही से हैल्थ सैंटर कानही	0.10
करोला से धानी हिरन	0.20
फारूकनगर से धानी चांदनगर	0.75

गाजीपुर से जवाहर कालोनी	2.12
खेरी कला से फतूपुरा	1.54
चिरसी से मन्जाबाली	0.57
नया गांव से घौतरा मोहबताबाद	0.20
बुखारपुर से कुराली	3.19
बाघपुर कलां से भोखपुर	1.18
बादरी से कन्जारकां नंगला	2.00
रदासका से बम्वबायरिका वाया डुगरवास	2.93
मुरादबाद से घुठंवास से बरोजी	0.30
होडल पुनाना नगीना सड़क से जैन मन्दिर	0.09
सुलतानपुर से जालीका	1.25
कोट खण्डयोला से वीसार अबवरपुर	2.80
पलवल सोहना रिवाड़ी से राठीवास से रंगोला	0.51

एम0 ई0 एस0 सड़क से जलापुर सोहना	3.60
खोर दुलावर वाया घुसभेठी	4.10
बाबूपुर से नानाखेड़ी दिल्ली सीमा तक	0.85
गुडगांव एक नगर सड़क से खारकी माजरा	2.00
बलवा से योनियावास वाया अहमदपुर	1.74
मुजाबाद से जटौली (ाहपुर जाट से जटौली)	3.60
बलेवा से सरकारी प्राइमरी स्कूल बलेवा	0.44
फतेहपुर टेगा से धूज	4.80
बुखारपुर से कुराली	0.50
माचगढ़ बाईपास (बी0 सी0 एम0 सड़क)	0.94
सीकरी पियाला रोड़ (बोटींग प्लांट)	0.30
बाघपुर कलां से भोखपुर	1.50
बाधपुरा कलां से सोलरा	6.00

पलवल घोड़ी सड़क से किठबाड़ी	0.25
पलवल घोड़ी सड़क से मिलकानी	0.42
तेपा बिलोचपुर से हफजाबाद बाया तीरगढ़	2.52
बोरी कोठी पुगाना सड़क से पिपरोली	1.20
–सम– नी खेड़ा से बेडड	3.50
–सम– फिरोजपुर झिरका बिवान सड़क से मानीयावास	–
नबवास सड़क के साथ	3.40
–सम– डोडंल से फतेहपुर राजस्थान सीमा तक	0.98
–सम– खुसपुरी से नगल साहापुर	2.99
–सम– सुलतानपुर से जालीका	1.55
–सम– पलवल सोहना रिवाड़ी सड़क से सोहना	–
गर्म च मा तक	0.28
जुरासी से खोरीकलां वाया सुनहरी	4.65

सड़क का मिर्माण	
–सम–तारू बोधीपुर से खेरी राजस्थान सीमा तक	0.58
धानी हिरन से जाहादपुर	3.50
दिल्ली जयपुर सड़क से सरकारी कालेज सिदराबाली	0.35
गुड़गांव एक नगर (कि0 मी0 7.40) से सरकारी हाई स्कूल	–
धानकोट	0.30
बजीराबाद घाटा सड़क का वाया बाग	0.20
कुन्तपुरी से गांव बोधपुर	1.20
गवालाफारी से दिल्ली सीमा तक	0.45
रीथोज से धुमसपुर वाया नया गांव	2.90
डमडमा से चिल्ड्रन प्लेस	1.40
ककरी से जनोली बाया मण्डकोल	3.15
डी0 एम0 सड़क से अलाहपुर	0.21

पिरथला से धतौर वाया डडौला	5.75
रसूलपुर से जटौली सड़क (गुलाबाद से जटौली)	0.50
बीडोकी से अैन्च यू0 पी0 सीमा तक	3.00
मानपुर से औरंगाबाद	5.40
आलीमयों से वहीन	4.50
डी0 एम0 सड़क बाईपास से न्यू गर्ल स्कूल बैन्चारी	0.97
सिंगार से नई सड़क का निर्माण	4.64
–सम–पलवल सोहना रिवाड़ी सड़क से चाहालका	0.41
–सम–मण्डकोला से सिलानी का निर्माण	0.48
घाघोंला से कुलवाका सड़क–सम–	0.65
रीठौस से धुमसपुर वाया नया गांव –सम–	2.00
गुड़गांव अलवर सड़क कि0 मी0 10.90	1.35

सड़क बी0 एस0 एफ0 कैम्प के नजदीक गांव भौण्डसी में पोलीटैक्नीकल साईड से सड़क का निर्माण –सम–	
गांव बड़ा और नबाडा फतेहपुर मीसिंग लिक –सम–	0.35
गुड़गांवा पटौदी सड़क से रेलवे स्टे ान घरी हरसारू –सम–	1.70
बजोराबाव घाटा सड़क का वाया बाहरी बाग–सम–	1.00
बौरकाला गोसगढ़ सड़क से धानी चैनपुर लिंक से घाघोट–सम–	2.28
अहेरवान से नंगल पाचनकी–सम–	1.90
गढ़ी पट्टी से लालपुर यू0 पी0 सीमा तक–सम–	1.95
मलाई से लखनाका–सम–	0.59
पुनाना झुरेरा से बडडा–सम–	1.80
बडडा और हयातपुर नवाडा फतेपुर सड़क के बीच मीसिंग लिंक–सम–	0.05

गांव चौपाल से गांव खेरली लाला तक–सम–	0.16
डी. ए. रोड़ से राजकीय उच्च हाई स्कूल डण्डाखेड़ा–सम–	0.23
मऊ से मालपुरा–सम–	3.60
खौर रोरड़ी सड़क से ि ाव मन्दिर गांव रनसका–सम–	1.34
पुराना सिकरावा सड़क से घाघरवास–सम–	0.63
होडल पुनान नगीना सड़क से दरगाह साहा चोखा–सम–	0.45
बालासास से मजोदपुर	3.05
पोयाल से चिरोद	2.05
कलार भियानी से हसनगढ़	3.61
हांसी पुठी नंगलखान सड़क से धानी गुजरा	0.57
लिंक से धानी थकारियां	0.36

तलवड़ी राना से धानी बबरन	4.00
हिसार गुरसल सड़क से धानी पिरनवाली	0.80
नहला से डाबरा वाया सियानी बतोन	5.01
डी. एच. एस. सड़क से हरिजन चौपाल खेड़ा खेड़ी सड़क	0.15
गुजांरूपाना से थूयां से धालीकलां से खावरा	9.78
डी. एच. एस. से औद्योगिक एरिया	0.60
धेर से धेर स्कूल	0.48
सिमीआन से लोलोद सड़क	2.90
खेड़ी से बुना सड़क	4.00
रतिया रोड़ी सड़क से धानी दादूपुर	1.11
हमजापुर से धानी सुन्दर नगर	0.70ए
अहरवान से धानी रोड़ीवाली	0.76
काजल हेड़ी से खजुरी जटी	3.05

रतिया फतेहाबाद से धानी गोबिन्द नगर	0.70
भिरदाना से काटा खेड़ी सड़क	3.69
रतिया फतेहाबाद से धानी एहमदपुर	0.42
धरनियां से धानी चपालमोरी	3.30
रावलवास खुर्द से हिन्दवान	0.29
वासरा आबादी से स्कूल	0.30
लिंक सड़क से वैटरी हस्पताल कटर ाम	0.21
लिंक सड़क से पानीहार चौक	0.30
गंजुरूपाना से सकर मन्डेरी	2.90
डिग से चडीवाला	3.27
कुमहारी से खेड़ी सडक	1.00
मिदोआ खेड़ा से धानी वालुवाना	1.62
धानी सतनाम सिंह से धानी आसा सिंह	1.23
हरनीखुर्द से धानी संतोखपुरा	0.33
कैपला से धानी कुम्भथाली	0.98

आई. एस. ओ. आर. डी. धानी नरायण सिंह	3.00
अवोली से धमोरा थेरी	2.15
एस. ओ. आर. डी. से सड़क धानी मोहर सिंह	4.45
मिथनपुर से कर्स सारा सड़क से धानी सिंधू	1.88
खेड़ी करण से धानी खुवाली	5.00
एस. ओ. आर. डी. से धानी जासाराम	0.03
जनवाला से बिनोई से कलोना	2.80
मोथ से धानी कुमारियां	0.32
लिंक सड़क से हरिजन बस्ती बतबार	0.83
लिंक सड़क से बदाला से डिस्पैसरी	0.89
उगलान से केरला	6.70
पाली से थुराना	0.70
लिंक सड़क से मोदपुर स्कूल	0.45

धनसू से सूलखनी	3.80
खाना खेड़ा से डहेर	1.00
रकतहेड़ी से फुल सड़क	0.20
सलामक खेड़ा से वादोपाल सड़क	4.44
भुदेंरा से कुलान सड़क	3.53
सादलपुर से खेरामपुर	4.50
मटर ाम से रावलवास खुर्द	0.20
जमाल से बीरूवाली	4.44
के ोपुर से धानी बाजीगढ़	0.60
ऐलनावास से मौजूखेड़ा	0.92
नमेड़ा से मुसली	0.10
मौजूखेड़ा सड़क से मिरजापूर सडक	1.30
ऐलनावास बरवाला से धानी नैना	0.30
नाकोर से धानी संतावाली	0.80
गाजूधीन मिरजापुर से धानी रताखेड़ा	1.89

जीवन नगर कारीवाला से मिरजापुर	1.65
कारीवाला से भाादीनवाली खेड़ी	7.76
जीवन नगर करीवाला से हरीपुरा	0.85
ओटु हैड वर्क से धानी प्रताप सिह	2.50
कोटली से धानी संता सिंह	2.50
खड़ीकन दुतार से धानी बांगू	1.95
एलानाबाद तेवी सड़क से दया सिंह थेर	1.50
मलवाला से बाप ब्रिज	4.15
धावन से बाप	3.54
दादू से पाका सड़क	4.10
बादरा से जोहर रोही	2.00
लिंक सड़क से चुटाला हस्पताल	0.40
लिंक सड़क से टूरीस्ट कम्पलैक्स अबूब ाहर	1.50
लिंक सड़क से चुटाला स्टेडियम	0.44

आ ाा खेड़ा टूरीस्ट कम्पलैक्स पार्किंग स्थान	0.05
बनभोरी से कापरी	4.00
कोठकलां से डेरा बाबा काला पोर	1.00
लोहरी से हक्तपुर	1.00
खुड़ाखेडी से पटवार	2.92
राजथल कगसर से मनापाना राजस्थल	0.32
चौपाल से भाम ाान घाट थुराना गांव तक	0.50
थुराना पाली सड़क सें पंचायत घर थुराना	0.32
नहला से खेड़ी सड़क	3.00
चोली खुर्द से बीराना सड़क	1.05
बादोन बवलपुर से राजली	7.12
अप्रोच सड़क से सातरोड़ मन्दिर	0.34
कनखेड़ा से डेर	0.20

गोबिन्द पुरा से मादूबाना	1.30
कनहेरी स्कूल से राजगढ़ धोबी	1.50
बोसती से फतेहाबाद (ब्रांच भाखड़ा कैनाल ब्रिज सनियाना)	4.80
मयोंद चांदपुरा	1.00
सकरपुरा से खेराती	0.50
सेकटा से कुंदन	2.82
धीमन से खुजरी वाया गोरखपुर	2.54
गवार से बसरा	2.34
रामसरा से राजस्थान सीमा तक	0.81
इलानाबाद से थोरबिया	3.00
इलानाबाद से धानी सेरमा	3.00
कोटली से कुमथला	2.15
जीवननगर कारीवाला से जगमलेरा	0.31
मामारखेड़ा से कालूवाना	1.20
कालूवाना से वछील	2.00

बीजूवाला और एस. औ. आर. डी. सड़क ने रामगड़	2.50
बीरूवाला गुड़ा अलीका बाया जीरी	5.60
पानीवाला मोट से साहवाला खानी सेहरगढ़	2.10
गांव कुटाला सड़क से डोबवाली संगरीया	1.27
जोतनवाली से वाटर वर्क जोतनवाली	0.40
बोडडा बरामन से कनवारी	0.71
मुडाल से सिसर	3.85
जोरा से जोरा कोठी	1.50
बुण्डल से कुलाल सड़क	1.54
धानी कालूवाली सिरसा ऐलनाबाद	1.00
धानी खान सिंह से धानी किरपाल	1.00
ससारपुर से हरिजन बस्ती	1.10
कगठाना बस स्टैण्ड से स्कूल	0.50

लडेसर जमाल सड़क से सहीदी स्मारक	0.13
मलाका से मालवानी राजस्थानी सीमा तक	2.01
दीनतानीया चबुरजा सड़क से गांव आबादी दीनदानीया	0.21
रानीया बलसारा से बी. डी. ओ. ओफिस	0.96
खयोवाली से चकरीया पुल	2.75
कुमारियां से कुण्ड राजस्थान सीमा तक	1.00
रावत खेड़ा से बारवा	3.00
मुजादपुर से कनवाली	2.00
लितानी सतनाली सड़क से किठानी चौपाल	0.53
बुडाना से मोथ	1.70
डी. एच. एस. सड़क से सोरखी स्कूल	0.08
एल/आर से पुठी मंगलखान	0.25
लगथाला से कूलरी	2.60

पहुंच सड़क से सब हैल्थ सेंटर नहला	2.27
दौलतपुर किनाला सड़क	2.00
उकलाना गाजुवाला से ढाणी बिलासपुर	1.25
हैदरवाला से ढाणी बिलासपुर	0.25
किरतन से खारिया	0.47
दोबी से चौधरीवाली	1.00
मात्र ाम से भााहपुर	0.50
सिसवाला से भिवानी रोहीलान	4.05
पहुंच सड़क से मण्डी आदमपुर	0.70
काबरेल हस्पताल से पंचायत घर और ि ाव मन्दिर	0.45
पाटला दाबर से डी. एस. एस. पाटली डाबर	1.05
मलकीन से फिफाना राजस्थान सीमा तक	2.00
चोदखान स्कूल से हरिजन बस्ती	0.45

नटर से सिरसा जमाल सड़क	1.60
आटू हैड वर्कस से ढानी प्रतापसिंग	0.25
ब्रुज बांगु से डाबान	0.30
कलबाना से बछीर	1.00
जंडवाला बिसनोई से कालुवाना	2.20
दाता से बियाना खेड़ी	1.00
खांडाखेडी से पटवार	1.08
हिसार गुरसाल सड़क से धानी पीरनवाली	0.12
सातरोड़ कलां सम्पर्क से लाडवा सातरोड़ खुर्द के बीच गैप	1.68
कान्डोल से खेड़ी	2.05
कन्हेरी स्कूल से राजगढ़ दोबनी	0.80
पहुंच सड़क से जी. जी. एम. एस. मोहमदापुर रोही	0.11
पहुंच सडक से बिसनोई मण्डी डांगर में	0.65

पहुंच सड़क से बि नोई मण्डी से धानी मिया खान	0.36
बिरछा से काटा खेड़ी सड़क	0.62
खारिया गो ाला से किरतान	0.70
मुगलाना से सारवा सड़क से मण्डी कालवास	0.46
सिसवाल खारिया से हनुमान मन्दिर	0.82
अहरवान से बस स्टेंड	0.20
राजगढ़ हिसार सड़क से मण्डी मुकलान में	0.20
नामदेव मन्दिर से मोहब्बतपुर	0.25
नार्थ से साऊथ आदमपुर में	0.60
सलारपुर से हरिजन बस्ती	1.10
गोगरानी बस स्टैण्ड से जी. पी. एस. गोगरानी	0.89
जोगीवाला से गांधी बरी राजस्थान सीमा तक	1.80

ऐलनाबाद से धानी सेरान	1.00
कोटली से गुमथला	1.00
डमडमा से हार्नीपुर	0.36
मे ारीवाला से रसूलपुर	0.60
मामनखेड़ा से कलुआना	1.00
खयुवाली से रोहीरानवाली	1.75
मोहमदपुर रोही से काजहेरी	1.00
कुरी से भााहपुर	4.70
दोबी से चौधरीवाली वाया तेलनवाली कुतीयावाली	1.00
अग्रोहा आदमपुर सड़क से कोहली	0.18
हिसार बालसमंद सड़क से हरिजन चौपाल कुरी	0.90
सलीमगढ़ से कीरतन	3.00
टोकास से कुरी गंगवा	2.50
बालसमंद बासरा से सरसाना	1.30

बहरान से राजगढ़ हिसार सड़क वाया कलवास पाथ	1.00
हिसार बालसमंद सड़क से बालसमंद सुंडावास सड़क	1.50
रावल बास खुर्द जी. एच. स्कूल	0.09
गोरची से गोरची गर्लज स्कूल	0.95
कालवां से सीतला माता मन्दिर	1.20
सैथली से लिटानी सड़क	3.00
ऊचाना बाईपास	0.32
जींद असंध सड़क से मौंड	2.71
अरडाना से डेरा फातूवाला	2.10
खरकरामजी से धरौली वाया आसन	7.05
बराकलां से खरकरामजी वाया निराकर मन्दिर	3.32
रेलवे स्टे ान पिन्डारा से होली टैंक पिन्डारा	0.35
सिवाहा रेलवे स्टे ान से सिवाहा	0.95

धरोली से गंगोली	4.00
पोसबाल खारकान से छोटा और नया पोसवाल	1.30
मुण्ड कालियान पहुंच सड़क	0.30
पससार ककराला से बाजीगरान प्लाट	1.80
भुना ककराला से डेरा सिगवाला	1.00
पहुंच सड़क से डेरा निहांग सिहवाला	1.00
हमेरी चाना अग्रान से लबाना प्लाट	1.00
कैथल मानसा बुदा खेड़ा सड़क से डेरा गाडली	0.20
पुण्डरी डाण्ड सड़क से डेरा काम्बोज	3.47
बाथेरी रूआन से डेरा बाजीगरान सड़क	0.65
पुण्डरी हाबडी सड़क से डेरा अजायब सिंह	2.47
–उपरोक्त– मिलानवाला	2.70
–उपरोक्त– डेरा बुटरानवाला	2.71

–उपरोक्त– डेरा नासहारैन सेगो	1.96
कालीराम काजीर नगर सड़क	1.40
एलीपुर से लोदर वाया काबेरछा सड़क	3.90
नागल से लण्डेर पिरजादा	1.35
सिवान से खेड़ी गुलमाली सड़क	2.95
कैथल पटियाला से सगा प्लाट	0.56
पैपसर ककराला से डेरा सिगवाला	1.30
खरकन पोसवाल सड़क	0.50
कैथल देवन से गांव पाड़ा	3.30
पाने वर तीर्थ से फलगू तीर्थ	1.12
हाबड़ी से हजवाना डीग सड़क	3.80
टयोन्ठा से हाबड़ी सड़क	2.00
सिसवा सिसला से बस स्टैण्ड हरसोला माजरा	0.25
मण्डकरान सड़क	
सजुमा से रेलवे स्टे ान सजुमा	2.90

करसाला से रासिदोन सड़क	0.97
फलानकलां से अमरगढ़	2.64
पुलियानकाल से धमतान	5.73
करसिंधु से छातर सड़क	8.60
अरधाना से डेरा पाटुवाला	0.78
राजपुरा जाजवान सड़क से राजपुर स्कूल	2.13
इगरा से सिरसा खेड़ी	2.68
मलिकपुर से धर्मगढ़	4.00
रामपुरा से प्रचेज सैंटर सिगाना	4.00
छापर से सिंगाना	1.78
सिवान से योगा आश्रम सड़क	0.60
नया बाईपास कैथल में	6.70
कैथल–कुतुबपुर सड़क	0.03
कैथल वाईपास से सिरटा	0.05
सोलु माजरा से कील	3.56

वारना हथीरा सडक	4.00
बर्थरी उरनेचा सड़क	3.40
पबनावा रायतन सड़क	0.70
सिकन्दराखेड़ी पुण्डरी सड़क	3.85
फतेहपुर से खेड़ी मातानवान सड़क	7.42
दुसैन से डेरा जामाल सिंह	0.50
काथर से मुण्डेरी सड़क	4.70
चुलासा मटोर सड़क	3.40
एज. जे. सड़क से बरोदा स्कूल	0.36
यह वारी से विगाना	3.75
राजपुरा से जाजवान वाया इन्टाल खुर्द	2.90
धरोली से पिरथाना	4.94
रजाना कलां से मीना वाया हथनौर मन्दिर	2.43
बुड्डा खेड़ा संगतपुरा सड़क	2.00
धयौरू से धयौरा सड़क	3.28

चुहड़ माजरा से फलगु तीर्थ	2.32
हरिजन बस्ती पुण्डरी	0.40
बराह खुर्द सिदवी खेड़ा	1.75
बाईपास, जीन्द गोहाना सड़क से जींद भिवानी वाया जींद रोहतक रोड़	0.18
सुदाखेड़ा से संगतपुरा सड़क	1.00
कैथल गुहला से डेरा गौविन्दपुरा	0.35
पेहवा डाण्ड से देहली फार्म	1.00
भाुखुपुरा से सिकरी सड़क	0.10
नवल से नवल खुर्द	0.50
उमारपुर से उमारपुर स्कूल	0.36
अंजनथली से तरावड़ी	0.50
बुटाना से डेरा बाजीगरा	2.10
संडारी से सुन्दरपुर	1.45
भोला–खालसा से दोली	0.92
बीर बडालवा से गामरीकमारियान	0.76

कालमपुर से काछवा	2.40
काछवा से डेरा पुरवियान	1.98
गोगड़ीपुर पिंगली सड़क	0.25
बरास सीतामाई से रामगढ़	0.26
कुंजपुरा से सरीफबाद	0.40
कानपुर कलां से बिजाना कलां	0.25
बीगान से कामी	1.17
बली कुतुबपुर से एहलाना	1.68
गन्नौर से खेड़ी गुज्जर	4.90
राजपुरा से बोगीपुर	0.64
पहुच सड़क से जी. एच. एस. बीगान	0.10
सनपेरा से रामनगर	0.69
पुरखास से एगवानपुर	4.20
सरकुलर सड़क (फेस–1) सोनीपत	2.57
नन्दौर नई बसौदी	0.70

आर. के. डी. बी. सड़क से गोपालपुर	0.40
बराना से बरसत वाया फरीदपुर सड़क का निर्माण	1.00
मुबारकबाद से चौरा वाया कुरलान	3.55
बोडवाल माजरी से रेलवे स्टे ान बोडवाल माजरी सड़क	1.70
सिमला मुलाना से चन्दोली सड़क	1.80
रन्दोली सिंचाई बांध से नबियाबाद, जपती छापरा तक	4.72
बियाना से बीर माजरा	1.30
कारसा कीरमच सड़क	3.00
अमुपुर से माजरा रोडान	3.52
अमृतपुर खुर्द से पिपलवाली	2.25
गोयल कलां से मिरजापुर	0.25
बरोदा से बुटाना	4.45
सिकन्दरपुरा माजरा से रैवरा	2.30

गन्नौर से बारी	0.50
पहुंच सड़क से जी0 एच0 एस0 पुरखास	0.15
बेगा से गसोली	0.84
ललहेड़ी से राजुगड़ी	0.22
देवरू से कुराड़ इब्राहीमपुर	0.98
पवसेरा से मनोली	1.80
डबरपुर महरा से पुरखास सड़क	0.07
वारागांव से स्कूल	0.85
आई0 जी0 वी0 से रामगढ़	0.40
खेड़ी मानसिंह से पदाना	0.30
दादरपुर से हलवाना	2.70
दोनो खेड़ी हिनोरी सड़क	2.38
कलसोरा से इसलान नगर	2.80
सलारपुर से लंडौरा	1.30
कि रमोह कारसा सड़क	0.75

के0 के0 ए0 सड़क से के0 के0 सड़क	—
(डब्लयू जे0 सी0 राईट बैंक)	1.88
बजिदा जाटान से सिरसी	2.56
वरास से अमुपुर	4.20
एलवाला दोहर सड़क	2.80
सिवान से रिसालू	4.00
इसराना से रामनगर	2.30
भााहपुर से बहर वाया जवारा	5.80
गढ़ी सिकन्दरपुर से जीतगढ़	4.00
पहुंच सड़क से ि ाव मन्दिर धनाना	0.57
वरोदा से कहलपा	5.00
पहुंच सड़क से श्री राम आश्रम बडौदा	0.15
रिथल से गुरूकुल वाया रिवाड़ा	1.80
नथुपुर से नरेला बार्डर	0.35
कतलुपुर से गोगा बार्डर	2.15

डडोला से बापोली सड़क निर्माण	0.40
बिहेली से पासिना खार्द निर्माण	5.00
सिमला गुजरान से डडोला निर्माण	3.44
रथदाना से लिवान	1.40
सिलाना से चुलकस	1.95
वाया रामदास का मन्दिर पाई	0.26
फाजिलपुर से भााहपुर	0.45
गोरगढ़ से अमरगढ़	1.49
कुतयाल से ऊंचा समाना	1.03
मुनक से कोरा खेड़ी	0.43
उटीलया से आसन खुर्द सड़क निर्माण	1.87
अहमदपुर माजरा से छातेहरी	3.40
गुहना से फरमाना	1.66
जारी से कुराड़ इब्राहीमपुर	1.00
जाखौली से अटराना	1.00

नाहरी से मलीहां माजरा	1.00
गोरड़ से मुगान	1.00
खुरमपुर से हसनगढ़	2.00
रन्दौली सिंचाई बांध	0.33
खेड़ा खोला से जाटा कालेज	1.50
बुटाना से कोहला वाया जनता कालेज	5.30
गिवाना से किलोई	2.72
लाट से कटवाल	3.20
बटगांव से को0 बैक	0.30
दोब वाईपास सड़क	1.60
समहाना मन्दिर से नाम देवता मन्दिर	0.20
सांपला खरखौदा से ि ाव मन्दिर	0.20
सॉपला चनारा से ि ाव मन्दिर	0.19
मकरोली कलां से रेलवे स्टे ान	1.08
निदाना से समरगोपालपुर सड़क	2.87

महम बसाना सड़क	4.84
लाखली से मोखरा सड़क	1.82
निडाना से करावड़ सड़क	1.76
भैनी बरान से सिसुरखास	5.00
वराण से खरकड़ा	5.00
जी0 एल0 एम0 बी0 सड़क से खेडी आश्रम	0.51
मदीना अजायब से पी0 एच0 सी0 मदीना	0.55
बाबु एकबरपुर से समरगोपालपुर कलां	0.25
पहुंच सड़क से कलानौर रेलवे स्टे ान	0.20
रावा से विसोवा	2.18
खोरा से मकरानी	4.65
जालखेड़ी नागल सड़क से रलदान की धानी	1.33
कुलाना से कोका	1.10

सीता राम गेट से भाम ानघाट झज्जर	0.705
काहरी से धानी गतोली	2.30
झज्जर बादली सड़क से खेड़ी जाट	0.70
सुराखपुर स बडानी	2.23
याकुबपुर से दुरान	1.28
दरियापुर से लागरपुर	2.12
कुलताना से बापडौदा	2.70
भााहपुर से भुपानिया	0.52
बादली से इकवालपुर	2.93
खरखौदा एसीदा से वारसी	3.00
डाटोर से डाटोर मन्दिर	0.50
जी0 एच0 एस0 (बी) से डी0 एच0 एस0 सड़क	0.30
इस्माला रेलवे स्टे ान सड़क में बढौतरी	0.23
आर0 जे0 आर0 सड़क जी0 पी0 एस0	0.06

मैना	
बंसरी कलां से मन्दिर	0.85
सांपला डिगल से ि ाव मन्दिर सांपला	0.25
खरावड़ से नानीना	0.45
किटौली कबुलपुर से मन्दिर	0.65
भैनी तीतरी से भैनी मातु सड़क	2.36
भैनी महाराजपुर से भैनी भरान	3.50
बैरान से निदाना	3.00
डी0 एच0 एस0 से चौबीसी चबूतरा महम सड़क	0.24
गारवी से विसोवा	0.04
मातनहेल से निमाली	1.69
बहरोड़ से डिलानवास	0.17
झज्जर बादली से सिकन्दरपुर	3.40
खरहर से रोहद	0.40
सुनारियां कलां से ि ाव मन्दिर	3.24

अटेल गन्धारा सड़क	3.75
करोर से खेड़ीसाद	3.25
मोरखेड़ी से कसरैन्टी	3.85
चुलियाना दिवाना सड़क	2.68
चुलियाना से खरावर	3.00
बलियाना से आर्य समाज मन्दिर	0.76
बलान्द से मन्दिर	0.72
वेदका सीमन सड़क	5.00
भोखपुर टीटरी से वहरान सड़क	1.51
गराकड़ से खैरन्टी सड़क	6.68
पिलाना सिवाना सड़क	4.00
दुबलूदन से चिमनी	4.48
गुरूकुल झज्जर से नया गांव	0.50
बुपनिया जारदकपुर से कौर	4.68
दरियापुर से लगरपुर	0.22

सोलदा से मुण्डाला	1.80
वादसा से गालिबपुर	1.10
छारा बहादुगढ़ से पिलिया जोहर	1.58
लोहरहेड़ी से बंसरूकला	0.80
करोर खेड़ी सड़क	2.25
कदहेली परावर सड़क	1.00
हसनगढ़ से सिसान सड़क	4.30
बलम्बा करोन्थ सड़क	0.90
बैसरा समचाना से मन्दिर गांव समहेना में	0.24
बोहर से असथल बोहर	3.39
कटवाड़ा से कथुरा सड़क	5.35
लाडोत से किलोई ि ाव मन्दिर सड़क	4.20
मुरादपुर टाकेन्स स्कूल	0.90
पहुंच सड़क से गर्ल स्कूल अजायब	0.09
पहुंच सड़क से सरदावाला मन्दिर	2.05

भलम्बा सड़क	
पहुंच सड़क से चौपाल गांव भोरखास में	0.66
बिथला से हमवौली	3.20
करोदा से खारी होसदीयारपुर	1.70
रोहद बादली से गो ाला मदडोथी	1.95
माया वैस से लौहरहेड़ी	3.06
सांपला गड़ी से डी एच. एस. सड़क	1.56
पहुंच सडक से भैनी मातु प्राईमरी स्कूल	1.02
पहुंच सड़क से गुगाखेड़ी स्कूल	0.30
पहुंच सड़क से मुरादपुर ताकेना स्कुल	0.20
अजायब बैरान सड़क	1.00
खरकड़ा बलम्बा सड़क	2.52
भैनी बरान से सुखपुर सड़क	0.50
पहुंच सड़क से बैरान स्कूल	0.18

पहुंच सड़क से वाईपास बलम्बा	0.10
राधुवास से चंदवाना	1.70
तालु से गबालीसन	0.50
कुन्जा से भााजाहपुर	2.80
भूपनियां जनदाकपुर से कैर	1.09
रिवाड़ी खेड़ा से खेड़ी आसरा	3.33
लोवा खुर्द से सोलरा	2.87
हरिजन बस्ती गांव खेड़ी जाट	1.40
इ ाहेड़ी से सुरखपुर	0.20
डहकोरा से रोहद	0.35
फरमाना से मालवी	2.00
भैसी से किला जफरगढ़ सड़क	2.05
खरकड़ा से भोकपुर तीतरी	3.90
पहुंच सड़क से खेड़ी आश्रम स्कूल	0.30
बढौतरी में खैरंटी सड़क से चौपाल	0.08

पहुंच सड़क से गरावड़ स्कूल	0.50
लाला बुरामल मन्दिर पहुंच सड़क	1.00

Repair Om Roads of Beri Block

741. Chaudhri Om Parkash Beri: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state to whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the damaged roads of Beri Block if the the time by which the aforesaid roads are likey to be repaired?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): हां श्रीमान जी, बेरी निर्वाचन क्षेत्र की सड़को पर पहले ही पैचिज तथा खड्डो की जरूरी मुख्य मरम्मत कर दी गई है।

Facility of Loan for Purchasing Car

816. Dr. Ram Parkash: Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether the facility of loan of purchasing car has been given to the members of Board of Directors of HARCO Bank during the last two years; and

(b) if so, the amount of the loan given togetherwith the rate of interest alongwith the provision for making revcovery of the said loan?

सहकारित मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया):

(क) जी, हां।

(ख) प्रत्येक निदे ाक को 2 लाख 50 हजार रूपये या गांड़ी की कीमत का 85 प्रति ात (जो भी कम हो) की रा ि ा कर्जे के रूप में 9 प्रति ात वार्शिक ब्याज पर दी गई है। यह कर्जा सात साल में दो अर्धवार्शिक कि तों के रूप में वसूल किया जाना है।

Ellendabad By-Pass

748. Shri Mani Ram Keharwala: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct by-pass in Ellanabad; if so the time by which the said by-pass is likely to be constructed togetherwith the estimated expenditure incurred thereon?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): हां, श्री मान जी। भूमि अधिग्रहण कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है। निर्माण का कार्य धन की उपलब्धता पर निर्भर होगा अतः इस कार्य के पूरा होने का समय अंकित नहीं किया जा सकता। इस वाई पास पर भूमि अधिग्रहण खर्चे सहित अनुमानित लगता 52.47 लाख रूपये होगी।

अतारांकित प्र न एवं उतर

Bullding of Primary Schools

144. Shri karan Singh Dalal: Will the Minister of Education be pleased to state the total expenditure incurred

on the maintenamcee of buildings of Primary School in district Faridabad during the year 1992-93?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): वर्श 1992–93 में फरीदाबाद जिला में राजकीय प्राथमिक विद्यालयों की इमारतों के रख–रखाव पर 5,56,063 रूपये की रा ि ा खर्च की गई।

Police Personnel in District Faridabad

145. Shri Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of police personnel at present in district Faridabad; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct new buildings for Police Stations if district Faridabad during the year 1993-94?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(अ) स्वीकृत अमला तैनात अमला

1794 1737

(नही)।

146. Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister for Forests be pleased to state-

(a) the total number of trees planted in district Faridabad during the year 1992-93

(b) the tolal expenditure incurred on daily wages labourers appointed for the purpose as referred to above by the Department?

वन मंत्री (राव इन्द्रजीत सिह):

(क) फरीदाबाद जिले में वर्श 1992–93 से 47.41 लाख पेड़ लगाए गए जिनमें से 28.83 लाख पेड़ बन विभाग द्वारा लगाए गए।

(ख) इन पौधों को उगाने और लगाने में मजदूरों की मजदूरी पर कुल व्यय 98.05 लाख रूपये हुआ।

Primary Schools functioning without Headmasters

147. Shri Karan Singh Dalal,: Will the Minister for Education be pleased to state the name of Primary Schools; if any, fnuctioing without Headmasters in district Faridabad at present; if so the number thereof and the time by which the vacancies are likely to be filled up?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): इस समय जिला फरीदाबाद में 48 राजकीय प्राथमिक विद्यालय बिना मुख्य ि ाक्षक के चल रहे है। ऐसे विद्यालयों का विवरण अनुबन्ध क में दिया गया है। इन रिक्तियों को भीघ्र भरने हेतु प्रयास जारी है।

अनुबन्ध क

जिला फरीदाबाद में बिना मुख्य ि ाक्षक के चल रहे राजकीय प्राथमिक विद्यालयों की सूची

फरीदाबाद

1.	रा0 प्रा0 पा0 मांगर
2.	रा0 प्रा0 पा0 आलमपुर
3.	रा0 प्रा0 पा0 लालपुर
4.	रा0 प्रा0 पा0 ताजपुर
5.	रा0 प्रा0 पा0 खोरी जमालपुर
6.	रा0 प्रा0 पा0 कोट

बल्लभगढ़

7.	रा0 प्रा0 पा0 मांगर लहडोली
8.	रा0 प्रा0 पा0 मध्यापुर
9.	रा0 मा0 वि0 सोताई
10.	रा0 मा0 वि0 मोहल्ला
11.	रा0 उ0 वि0 भनकपुर
12.	रा0 प्रा0 पा0 रामपुरकलां

13	रा0 प्रा0 पा0 चिरसी
14	रा0 प्रा0 पा0 फजुपुरा
15	रा0 प्रा0 पा0 अलीपुर
16	रा0 प्रा0 पा0 बहादरपुर
17	रा0 प्रा0 पा0 डहकोला
18	रा0 प्रा0 पा0 मंझावली
19	रा0 उ0 वि0 घरोड़ा

पलवल–I

20.	रा0 प्रा0 पा0 गोपीखेड़ा
21.	रा0 प्रा0 पा0 हरफली (ब)
22.	रा0 प्रा0 पा0 आजादनगर

पलवल–II

23.	रा0 प्रा0 पा0 कारना (क)
24.	रा0 प्रा0 पा0 धमाका
25.	रा0 मा0 वि0 बढा

26.	रा0 उ0 वि0 दुधोला

हथीन

27.	रा0 प्रा0 पा0 अकबरपुर नाटोल
28.	रा0 प्रा0 पा0 कानोली
29.	रा0 प्रा0 पा0 गोहपुर
30.	रा0 प्रा0 गढ़ी वनोदा
31.	रा0 प्रा0 पा0 अलुका
32.	रा0 प्रा0 पा0 बीधड़ाका
33.	रा0 प्रा0 पा0 धरनकी
34.	रा0 प्रा0 पा0 महलूका
35	रा0 प्रा0 पा0 दूरेची
36.	रा0 प्रा0 पा0 मीरपुर
37.	रा0 प्रा0 पा0 जलालपुर हथीन
38.	रा0 प्रा0 पा0 पहाड़पुर
39.	रा0 प्रा0 पा0 मरोड़खा

40.	रा0 प्रा0 पा0 खेड़ली जीता
41.	रा0 प्रा0 पा0 घुड़ावली
42.	रा0 प्रा0 पा0 टोंका
43.	रा0 प्रा0 पा0 कमरेड़ा
44.	रा0 प्रा0 पा0 ढकलपुर
45.	रा0 मा0 पा0 रनासाका
46.	रा0 मा0 वि0 रूपड़ाका
47.	रा0 मा0 वि0 हुरिथल
48.	रा0 मा0 वि0 बीघावली

Repair/Construction of a Bridge

154. Shri Krishan Lal: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal unde consideration of the Government to construct/repair the damaged bridge on the drain in village Bapnaud district Panipat; and

(b) if so, the time by which the said bridge is likely to be repalred/constructed?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) जी हां, जिला पानीपत में गांव बापनौद में ड्रेन पर पुल के निर्माण का प्रस्ताव विचाराधीन है।

(ख) पुल के निर्माण का कार्य धन उपलब्धता पर निर्मार करता है। अतः समय निर्धारित नहीं किया जा सकता।

स्थगत प्रस्ताव तथा मुख्य मंत्री द्वारा संक्षिप्त वक्तव्य

एस0 वाई0 एल0 नहर के निर्माण तथा चंडीगढ़ को पंजाब में ट्रांस्फर करने सम्बन्धी

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, वैसे तो प्र न संख्या 735 सरकार को बचाने में कामयाब हो गया क्योंकि क्वै चन आवर समाप्त हो गया है। यह बहुत हो अहम और सोरियस मुद्दा था और उसी वजह से इन्होंने बचने की कोि ा ा की है। स्पीकर सर, हमारी पार्टी के सभी विधायकों की तरफ से आपकी एक स्थगन प्रस्ताव दिया था बार–बार कंट्रोवर्सी छेड़ी जाती है, हरियाणा सरकार और पंजाब सरकार की तरफ से एस0 वाई0 एल0 और टैरिटोरियल इ यू के बारे में और कंट्रोवि र्यल ब्यान आते रहते है। हम चाहते है कि इस बारे में हाउस में हैल्दी डिस्क ान हो। सारा हाउस यूनेनिमसली एक रिजौल्यू ान पास करे कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्र ेखर ने जो फैसला लिया था जिसमें एम0 वाई0 एल0 बनाने का काम बी0 आर0 औ0 को सौप दिया था उसे लागू किया जाये और रैजोल्यू ान प्रेजेन्ट प्राइम मिनिस्टर को भेजे। दूसरा यह रैजील्यू ान हो जाए, जैसे बार बार श्री बेअंत

सिंह जी जो स्टेटमैंट देते हैं कि अप्रैल के महीने में प्रधानमंत्री चाहे पंजाब आए या न आएं चंडीगढ़ पंजाब को चला जाएगा और एक इंच जमीन भी हरियाणा को नही दी जाएगी। इसके बारे में सर्वसम्मति से रैजोल्यू ान करें कि चंडीगढ़ पंजाब को दिया जाए तो हमें कोई एतराज नही है, लेकिन अबोहर–फाजिल्का और उससे लगते 107 हिन्दी भाशी गांव हमें मिलें और जितना कैपिटल बनाने पर खर्च होगा वो सैन्ट्रल गवर्नमैंन्ट बहन करें। इन दोनो मुद्धों पर डिसक ान करके हम यूनेनिमसली प्रस्ताव करके गवर्नमैंट आफ इंडिया को भेजें, यह मेरा प्रस्ताव था।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इसके जवाब में पिछली बार हाउस में भी और बाहर भी मैने बार बार कहा है कि चंडीगढ़ पंजाब की तब जाएगा जब अबोहर–फजिल्का का एरिया हरियाणा को मिलेगा। ऐसे जाने का सवाल ही पैदा नही होता। हम आपकी से तरह से नहीं है। (विघ्न) रैजौल्यू ान कितनी बार कर रखा है। जहां तक एस0 वाई0 एल0 का ताल्लुक है, हम लगे हुए है इस बात के लिए कि एस0 वाई0 एल0 बने। हम आपकी तरह से नहीं है कि जब तक कुर्सी पर बैठे है, एस0 वाई0 एल0 का नाम नही लेते। (विघ्न) कुर्सी से उतरते ही एस0 वाई0 एल0 याद आने लगती है, चंड़ीगढ़ की बात करने लगते है। अध्यक्ष महोदय, संपत सिंह जी उठते ही कोई कोई ऐसी बात कह देते है कि फलां क्वै ाचन से सरकार बचने में कामयाब हो गई। कल आपकी रूलिंग आई, आपकी रूलिंग के खिलाफ भी ये

वाक–आउट कर गऐ। आपको मर्यादा के अंदर करनी चाहिए (विघ्न) सरकार हर पल तैयार है जो मर्जी आए बजट पर बोलना, गवर्नवर ऐड्रेस पर बोलना।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री ने यह बात कही कि हम उस बात पर पाबन्द है। यह बहुत ही प्रसन्नता की बात है। हम इस बात में इनकी सराहना करते है। एस0 वाई0 एल0 नहर का हरियाणा के लोगों से जीवन का साथ जुड़ा हुआ है। चंडीगढ़ के साथ हमारा भावनात्मक रि ता है। वैसे तो स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने एक एवार्ड दिया था। एक प्रधानमंत्री का फैलसा और उसी पार्टी का प्रधानमंत्री हो तो मान लिया जाना चाहिए। परम्परा यही होती है कि किसी भी सरकार के फैसले को दूसरी सरकार माना करती है। आज केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार है हरियाणा में भी काग्रेस की सरकार है और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार है। लेकिन इसके बावजूद मुख्तलिक किस्म के ब्यान आते है। पजांब के मुख्यमंत्री वि ोश रूप से जब इस किस्म के ब्यान देते है, तब हमारी तरफ से उसका कोई संतोशजनक जवाब नही दिया जाता है। इसलिए आम आदमी के मन मे वह सोच बन जाती है कि हरियाणा सरकार एक नपुसंक सरकार है, यह कोई स्टैट नहीं ले सकती है, इसमें कोई दम नहीं है। आप और पूरा हाउस यहां पर है। आज इस हाउस की तरफ से हरियाणा प्रदे ा के तमाम एक करोड़ 60 लाख लोगों को इस बारे में क्लीयर मैसेज पहुंचना चाहिये। इसमें क्या दिक्कत है? इस

पर बहस होने से यह पता लग जायेगा कि कौन इस बात का पक्षधर है और इसके खिलाफ है। हम इस मामले में पूरी तरह से सरकार का समर्थन करते है। सरकार अगर चाहती है तो स्वयं रैजोल ाून ले आये। अगर सरकार कोई ऐसा रैजोल ाून पे ा करेगी ते हम उसे समर्थन देंगे। लेकिन अगर इसके मन में हाई–कमांड की तरफ से कोई डर या भय है तो हम ही रैजोल ाून मूव कर देते है। ये इसके समर्थन करें ताकि यह पता लग जाये कि कौन किसका हितैशी है और हमदर्द है। इसके साथ हरियाणा प्रदे ा का भविश्य जुड़ा हुआ है। इसलिये आज इस मामले में चर्चा हो जानी चाहिये यह सरकार के और प्रदे ा के हित में है। मै आपसे अनुरोध करूंगा कि इस मामले में सरकार अहम भूमिका निभा करके इस बारे में एक रैजोलू ान पास करे।

चौधरी बंसी लालः स्पीकर साहब, लीडर आफ दी अपोजी ान जो मामला उठाया है, मै समझता हूं कि यह बहुत ही अहम महला है। इस बारे में मुख्य मंत्री जी ने भी एक बात कही है कि पहले भी इस बारे में रैजोल्यू ान पास हो चुका है। सदन में, मेरे ख्याल में इस से पहले कभी इस बारे में कोई रैजोल्यू ान पास नहीं हुआ। दूसरी बात यह है कि अगर मुख्य मंत्री जी यह कहते है कि हम चंडीगढ़ को ऐसे ही नहीं जाने देंगे तो यदि पूरे सदम की तरफ से यूनानीमसली रैजोल्यू ान पास हो जाये तो इससे मुख्य मंत्री जी के हाथ भी मजबूत होते है और सरकार के भी मजबूत होते है। बात तो इसके हाथ मजबूत करने की है। इस

मामले में यह बात ठीक है कि सरदार बेअन्त सिंह जी का कई बार ब्यान आ चुका है कि बैसाखी के त्यौहार पर प्रधान मंत्री एलान कर देंगे कि चंडीगढ़ पंजाब को जा रहा हैं। अगर इस सदन से प्रस्ताव पास हो जाये तो अच्छा है, हमारे एडजर्नमैंट मो ान की भाक्ल में न सही, सरकार इस बारे में खुद रैजोलयू ान ले आये, हमें इस पर कोई एतराज नहीं है। उस प्रस्ताव में यह होना चाहिये कि इन्दिरा गांधी का 1970 का अवार्ड और राजीव लौंगोवाल अवार्ड दोनों को ही इक्ट्ठा इम्प लीमैंट किया जाये, अलग–अलग इम्पीमैंट न किया जाये। यह बात तो ठीक है। आज दिल्ली में भी इनकी सरकार है, हरियाणा में भी इनकी सरकार है और पंजाब में भी इनकी सरकार है। इसलिये इस बारे में दिक्कत की कोई बात नहीं है। फिर बार–बार यह बात आती है कि 1991 में श्री चन्द्र भोखर जी ने यह हुक्म कर दिया था कि एस0 वाई0 एल0 का काम बौडर रोडज आर्गेनाइजे ान की दे दिया जाये, यह सिचुए ान भी साफ हो जायेगी। यदि भारत सरकार, एक भूतपूर्व प्रधान मंत्री के आर्डर को बदलती है तो उसको के कारण क्या है? अगर बी0 आर0 ओ0 को यह काम दे दिया जाता है तो नहर बनने में भी जल्दी होगी और काम में तेजी आयेगी। इसलिये मैं समझता हूं कि इस भाक्ल में न सही, किसी भी भाक्ल में इस प्रस्ताव पर बहस करें या बगैर बहस करें पास करें। यह तो हरियाणा के इन्ट्रेस्ट की बात है और सभी के हित की बात है। मेरे विचार से इसमें मुख्य मंत्री जी को एतराज नहीं होना चाहिये।

प्रो0 राम बिसाल भार्माः अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनों पार्लियामैंट में भी ए0 यूनानीमस रैजोल ूान पास हुआ था। मुख्य मंत्री जी अभी फरमा रहे थे कि जब तक 107 गांव, अर्बाहर फाजिल्का और राजधानी का पूरा खर्चा नही मिलेगा, हम चंडीगढ नही जाने देंगे। उन्होंने यह बात बहुत जोर देकर कही है। यह अच्छा कहा है। हरियाणा के लोगों की भावना भी यही है। विपक्ष का यह प्रस्ताव पे ा करने का भी मकसद यही है। पंजाब विधान सभा की दो दिन बाद इसी भवन में बैठक होनी वाली है। पिछले दिनों सरदार बे अन्त उनका व्यान आता है तो ये ढीले पड़ जाते है। और आज इन्होंने बड़ा जोर देकर कहा है हरियाणा की जन भावना भी यही है। स्पीकर साहब, एक यूनानिमस रेजोल्यू ान आ जाए और यही सारा सदन चाहता है। बस मेरी यही गुजारि ा है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह मामला वाकई अहम है, इसमें कोई दो राय नहीं है और हर हरियाणावासी की भावना एस0 वाई0 एल0 कैनाल और चण्डीगढ़ से जुडी हुई है। अध्यक्ष महोदय, इस मामले में जितनी जोर से मै बोला हूं मै समझता हूं कि आज तक कोई व्यक्ति नहीं बोला होगा और इसका उदाहरण आपके सामने है। आपको याद होगा कि एक समय श्री राजीव गांधी चण्डीगढ़ पंजाब को देने तैयार हो ही गए थे। उस वक्त मैने राजीव जी को कहा था कि राजीव गांधी जी भजन लाल तो इस बात को मान नहीं सकता अगर आपने किसी से इसको मनवाना है तो इस कुर्सी पर किसी और को बिठा दो

और इसी कारण मुझे इस्तीफा देना पड़ा। स्पीकर साहब इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है? अभी ओम प्रका ा जी ने कहा है कि यहां भी कांग्रेस की सरकार है, पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार है और सैन्टर में भी कांग्रेस की सरकार है लेकिन श्रीमान जी, इस बात को भूल गए कि प्रका ा सिंह, बादल, चौधरी देवी लाल के पगड़ी बदल भाई थे। चौधरी देवी लाल कहते थे। कि प्रका ा सिंह बादल को पंजाब का चीफ मिनिस्टर बना दो, मुझे कुछ नहीं चाहिए। पंजाब में मुख्य मंत्री प्रका ा सिंह बादल हो जाए और चौधरी देवी लाल, जो सैन्टर में सरकार हो, इसमें दे ा के प्रधान मंत्री बन जाएं और चण्डीगढ़ का नाम न लो। आज चौधरी बंसी लाल जी कहते है कि हरियाणा में काग्रेस को सरकार है, केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार है और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि आप भी तो केन्द्र में बैंठे हुए थे उस वक्त सैन्टर में काग्रेस की सरकार थी और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार थी आप इम्पलीमैंट क्यों नही करवा सके? स्पीकर साहब, पंजाब के हालत पिछले दस सालों से खराब चल रहे थे। क्या कोई सोच सकता जिससे कि पंजाब के हालात ठीक हो जाएंगे? अगर आज कोई ऐसी बात की जाए जिससे कि पंजाब के हालत ठीक हो जाएगी? अगर आज कोई ऐसी बात की जाए जिससे कि पंजाब की हालात फिर से खराब हो जाएं तो इससे खराब बात और क्या हो सकती है? सरदार बेअंत सिंह जी ने पंजाब के हालात को आज ठीक किया है। वे बहुत ही सुलझे हुए व्यक्ति है और बहुत ही दे ाभक्त है। आज हमें कोई ऐसी बात

नहीं करनी चाहिए जिससे दे ा में फिर वैसी ही विकट समस्या खड़ी हो जाए। बड़ी मु ाकिल से हालात काबू में आए है। स्पीकर साहब, सरदार बेआंत सिंह ने खुद कहा कि हम एस0 वाई0 एल0 नहर बनाकर देंगे। पंजाब के मुख्य मंत्री ने खुद कहा है कि हरियाणा को पानी देंगे और नहर बनाएंगे स्पीकर साहब, जब अखबारों में ब्यान आया कि चण्ड़ीगढ़ बैसाखी के दिन पंजाब को जाएगा तो मैने सरदार बेआंत सिंह से बात की। उन्होंने कहा भजन लाल जी, मैने कुछ नही कहा। अखबार बालों ने पूछा था, मैने कुछ और कहा था और अखबार वालों ने कुछ औरी ही छाप दिया। मैने बिल्कुल नही कहा कि बैसाखी के दिन चण्डीगढ़ पंजाब को आ जाएगा। मैने इस बारे में प्रधान मंत्री से बात की और अखबार की कटिंग दिखाई कि सरदार बेंअत सिंह का यह ब्यान अखबार में छपा है। प्रधान मंत्री ने कहा कि न चण्ड़ीगढ़ पंजाब को जाएगा और न ही जाने का सवाल है। चण्ड़ीगढ पंजाब को तब तक नहीं जाएगा जब तक हरियाणा का घर पूरा नहीं करेंगे। जब तक हरियाणा का घर पूरा नही होगा, चण्डीगढ़ पंजाब को नहीं जाएगा।

आप सब से यही प्रार्थना है कि आप सब एक मत होकर इस चीज के लिए वकालत करें और ऐसा माहौल पैदा न करें जिससे कि पंजाब के हालात खराब हों। अध्यक्ष महोदय, आज पंजाब चाहता है कि एस0 वाई0 एल0 नहर बने। इस नहर का काफी काम हो चुका है? केवल पांच परसैन्ट काम बाकी है और

खत्म होने के बहुत नजदीक है। स्पीकर साहब, इस बारे में अगर मैं और बहुत चर्चा करूंगा तो अखबारों में आ जाएगी। पंजाब की असैम्बली आज या कल मिलने वाली है और फिर पंजाब में हगमा खड़ा हो जाएगा। हम तो चाहते हैं कि सारा मसला भाान्ति से हल हो जाए। हमें तो आम खाने से मतलब है, हमें पेड़ गिनने से कोई मतलब नहीं होना चाहिए। हमें तो पानी मिल जाए, यही हमारा मकसद है। स्पीकर साहब, नहर का काम भाुरू करवाएगा तो वह भजन लाल करवाएगा, पानी का फैसला अगर किसी ने करवाया तो यह भजन लाल ने ही करवाया और अगर कोई नहर का पानी लाकर देगा तो उसका नाम भी भजन लाल ही होगा।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, बात सौ बार कहने से सत्य नहीं बनती। मुख्य मंत्री ने कहा कि राजीव गांधी अगर चण्डीगढ़ पंजाब को ट्रासफर दे दिया था। इनको तो यह भी नहीं पता था कि इनकी छुट्टी ही रही है। इनके सामने इस्तीफा रख कर इनके दस्ताखत करवा लिये थे। और मरा हुआ सांप मेरे गले में डाल दिया था। इनको तो पता भी नहीं था कि इनकी छुट्टी हो रही है। राजीव ली गोवॉल एकोर्ड होने के बाद ये काफी दिनों तक मुख्य मंत्री रहे। (ाोर)

चौधरी भजन लालः चौधरी साहब, आप मेरे से बड़े है, इसलिए मै आपकी क्या कह सकता हूं। एक बात कहना प्रदे ा के हित मे नही है। अगर यह बात मैने कहा दी तो प्रदे ा का बड़ा भारी नुक्सान हो जाएगा। अगर वह बात मैने कह दी और उसके

आप लोगों के पास जाएंगे तो वे कहेंगे कि भजन लाल क्या कहता है। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः आप अभी बता दे।

चौधरी भजन लालः आप, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला और राम बिलास भार्मा जी के साथ स्पीकर साहब के चैम्बर में आ जाना, मै बताऊंगा कि आपने हरियाणा का क्या सत्यनग ा किया है।

चौधरी बंसी लालः चैम्बर में क्या आप हाउस में बताएं। चोरी से बताने का क्या फायदा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जहां उपस्थित होगे तो कह चोरी कैसे होगी? (ाोर)

चौधरी बंसी लालः गलत बात कहने का क्या फायदा है। जोर से बोलने से गल्त बात सत्य नहीं हो सकती। (ाोर)

चौधरी ओम प्रका चौटालाः स्पीकर साब, मुख्य मंत्री ने बड़ा बुलन्द दावा किया कि हमने इन्दिरा गांधी के एवार्ड को इम्पलीमैंट करने में बहुत आगे बढ़ कर भूमिका निभाई। इनको राश्ट्रीय हित का वि ोश रूप से ध्यान है। मै इनकी इस बात के लिए कद्र करता हूं कि इनमें राश्ट्रीय हित को भावना आई। इन्होंने कहा कि चौधरी देवी लाल दे ा के उप प्रधान मंत्री थे और वहां भी सरकार हमारी पार्टी की थी और प्रदे ाों में हमारी

पार्टी की सरकार थी। इन्होंने यह भी कहा है कि चौधरी देवी लाल, श्री प्रका ा सिंह बादल से पगड़ी बदल भाई का रि ता कायम करने के लिए हरियाणा के साथ खिलवाड़ करते रहे है। मै इनको बताना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल तो हरियाणा के निर्माता रहे है, उन्होंने हरियाणा प्रदे ा बनाया था। मैं मुख्य मंत्री को याद दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ा एक नवम्बर, 1966 बना था और उस वक्त जनाव चुदड़ी बेचा करते थे। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मै आपसे वि ोश रूप से एक बात कहना चाहता हूं कि हाउस को डैकोरम कायम रखना चाहिए। कुछ ऐसे सदस्य दुर्भग्य से इस सदन में दाखिल हो गए है।.....(चौधरी मनी राम की और से विघ्न) (ाोर) अध्यक्ष महोदय, इस सम्मानित सदस्य की बात करते वक्त इस बात का ध्यान नही रहता कि ये क्या कहना जा रहे है। इनको ध्यान रखना चाहिए कि यह यह विधान सभा है चंडूखाना नही है। (ाोर) इसलिए ये संयम में रहे और हाउस के डेकोरम को कायम रखने की कोि ा ा करें। अगर इन्होंने हाउस के डेकोरम बिगाड़ने की चेश्टा की तो उसके लिए सबसे पहले अध्यक्ष महोदय हम आपसे संरक्षण चाहेगे। अगर उसमें हम असमर्थता महसूस हुई तो हम जनतान्त्रिक तरीके से दूसरा तरीका अपनाने में कोई संकोच नही होगा। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनको यह बताने जा रहा था कि जिस समय चौधरी देवी लाल जी उप–प्रधान मंत्री थे, उस वक्त श्री चन्द ोखर प्रधान मंत्री थे। उस समय एस0 वाई0 एल0 नहर को बनाने के काम के लिए एक चीफ इंजीनियर का कत्ल हो गया था,

जिसके कारण एस0 वाई0 एल0 नहर का काम वी0 आर0 ओ0 को सौप दिया गया था। लेकिन कांग्रेस पार्टी को सरकार आने के बाद उस काम को रोक दिया गया। यह रिकार्ड की बात है। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार आने के बाद एस0 वाई0 एल0 नहर को बनाने के लिए एक ईट भी नही लगी। हमारी पार्टी ने एस0 वाई0 एल0 नहर बनाने के लिए इंदिरा गांधी एवार्ड को कायम रखने के लिए, चण्ड़ीगढ़ के बदले अबोहर फाजिल्का के 107 गांव लेने के लिए और हरियाणा प्रान्त के लिए नई कैपिटल बनाने क पूरा खर्चा प्राप्त करने के लिए एक जन आन्दोलन किया और जन आन्दोलन ही नही किया बल्कि उस समय हमारी पार्टी के सभी माननीय सदस्यों के विधान से अपनों अस्तीफा भी दे दिया था क्योंकि पार्टी के सामने सर्व प्रथम हरियाणा प्रदे ा का इंट्रैस्ट है। अध्यक्ष महोदय, हम एक बात फिर दोहराना चाहते है कि चण्ड़ीगढ़ के मामले में और एस0 वाई0 एल0 नहर के मामले में चाहे, वे अन्त सिंह हो और चाहे नरसिंहा राव हो, अगर किसी ने हरियाणा प्रदे ा के हितों के साथ कोई खिलवाड़ करने की कोि ा ा की तो इस हरियाणा प्रदे ा की एक करोड़ 60 लाख जनता जन अन्दोलन करके किसी भी सरकार को न चलने पर विव ा कर देगी। हम मूक द ार्शक बन कर नहीं बैठेगे। हम इसके लिए लड़ाई लडेंगे और अपने प्राणों को आहूति दे कर एस0 वाई0 एल0 नहर को बनाएंगे और चण्डीगढ़ पंजाब को तभी जाएगा, जब उसके बदले हरियाणा प्रदे ा 107 गांव भाामिल होंगे। आज चूंकि मुख्य मंत्री हरियाणा प्रदे ा के बड़े हितैशी बनने की बात करते है और

यदि उनमें राश्ट्रीयता की भावना है तो क्यों न वे इस बारे में रैजोल्यू ान पास कर दे उसमें इनकों क्या आपत्ति है? मुख्य मंत्री ने कहा है कि उन्होंने पहले भी अस्तीफा दे दिया था। मै इस बहस में नही जाना चाहता कि इन्होंने अस्तीफा दिया था या इनसे अस्तीफा ले लिया था। यह तो चौधरी बंसी लाल जी जानते है क्योंकि यह इनका अनका अपना आंतरिफ मामला है, ये उस समय एक ही पार्टी में थे। ये आपस में बैठ कर तय कर लेंगे। अध्यक्ष महोदय, चर्चाएं चल रही है कि मुख्य मंत्री जी फिर भागने की कोि ा ा कर रहे है, इसलिए यह मरा हुआ साप पता नहीं किसके गले में डाले देंगे। मै कहता हूं क्यों न इस बारे में रैजोल्यू ान पास कर दें, इसमें मुख्य मंत्री की सराहना होगी और हरियाणा प्रदे ा के इट्रैस्ट भी सेफ रहेगे और आगे आने वाले मुख्य मंत्री के रास्ते में भी कोई रूकावट नहीं रहेगी। यह हरियाणा प्रदे ा के हितों का सवाल है, इसलिए आप पार्टी पोलिटिक्स से ऊपर उठ कर इस बारे में रैजोल्यू ान पास कर दें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ओम प्रका ा चौटाला ने दी तीन बातें बड़ी घोर आपत्ति की कही है। एक तो इन्होने कहा है कि मै चौधरी भजन लाल की कद्र करता हूं इनमें राश्ट्रहित की भावना आ गई है। दूसरे, इन्होंने कहा है कि जब हरियाणा बना था तो उस समय मैं चुंदड़ी बेचा करता था। इन्होंने कहा कि मैं चुंदड़ी बेचता था तो अध्यक्ष महोदय कपड़े की दुकान करना या चुंदड़ी बेचा करता था। इन्होंने कहा कि मैं बात नहीं

है। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला, यदि यह कोई बुरी बात नहीं है कि मै दुकान करता था या चुंदड़ी बेचता था। मै आपकी तरह विदे ाों में घड़ियों की स्मगलिंग करते हुए नही पकड़ा गया। आपको मेरे बारे में ऐसी बातें कहने से पहले अपने गिरेवान में मुंह डाल कर देखना चाहिए। इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, एक बात इन्होंने यह कह दी कि यह मरा हुआ सांप किसी के गले में डाल कर अब भजन लाल जाना चाहते हैं, भागना चाहते हैं। आप मेरी बात ध्यान से सुनें, मैं अढ़ाई साल और यहीं पर रहूंगा। अब इलैक ान भी नहीं हैं। इलैक ानों के बाद भी जो व्यक्ति इसी कुर्सी पर बैठेगा, उसका नाम भी भजन लाल ही होगा। आपके बारे में सारी जनता जानती है और जनता ने आपको अच्छी तरह देख लिया हैं। अब जनता जनता आपको दुबारा मौका नहीं देगी। आपने किस प्रकार से प्रजातंत्र का गला घोंटा हैं, उसको जनता भूली नहीं है। कितनी अफसोस की बात है कि आप जैसा व्यक्ति प्रजातंत्र की बात करता है। कोई और प्रजांतत्र की बात करे तो बात समझ में आ जाये, कि आप करें यह समझ से बाहर की बात हैं। आपने किस प्रकार से मेहम का चुनाव टालने के लिए मेहम में क्या क्या किया, उस को यह सारी प्रैस और मेहम वाले लोग भूले नहीं हैं। आपने चुनाव को राकने के लिए अपने एक साथी अमीर सिंह की हत्या कर करवा दी। आपने जिस तरह का वातावरण वहां पैदा किया, उसकों सारा दे ा जानता है। आपके कारनामों के कारण ही हरियाणा सारे दे ा में कलंकित हुआ। इस दे ा के अन्दर प्रजातंत्र की बात आप करते हैं, कोई और करे तो बात

समझ में आये। आपको कुछ गैरत होनी चाहिए। यदि हरियाणा के हितों की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देनी पड़ेगी तो सबसे पहले भजन लाल देगा, आपको इसकी इसकी आव यकता नहीं। इसलिए स्पीकर साहब, आपसे निवेदन है कि अब आप आज की आगे की कार्यवाही चलाए।

चौधरी औम प्रका ा चौटाला : आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान, सर। जो इल्जाम मुझ पर लगाए गए हैं मैं उनका जवाब दूंगा।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, आप बैठिये।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of an adjournment motion from Sarvshri Om Parkash Chautala, Sampat Singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Satbir Singh Kadian, Zile Singh, Balwant Singh, Ramesh Kumar, Mani Ram Rupawas, Bharath Singh and Dhir Pal Singh regarding the construction of S.Y.L. Canal and transfer of Chandigarh.

Hon'ble Members, I have disallowed the above motion on the following grounds :-

(i) That it is a well established parliamentary practice that an adjournment motion is not generally admitted during the budget session as the Members will have ample opportunity to raise discussion on the matter during the discussion on Governor's Address, Budget etc.;

(ii) That the matter has not suddenly arisen and has been continuing for some time; and

(iii) That the matter has already been discussed on the floor of the House yesterday and further there will be an opportunity for its discussion in the ordinary course of business.

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर साहब, पसैनल एक्सप्लेने ा देने का मुझे अधिकारी है।

श्री अध्यक्ष: यह एक ान–रिएक ान तो इस इस तरह से खत्म ही नहीं होगा। यह सारा मामला अब यहीं पर खत्म होता है। जब आप बोलेंगे तो उस उस समय आपको इसका जवाब देने के लिए अलग से समय दे दिया जायेगा।

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: मै इस हाउस का एक सम्मानित सदस्य हूं। मुझे अलग से टाईम देने की आव यकता नहीं है। मैं इस हाउस का मैम्बर हूं इसलिए मुझे अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान देने का पूरा अधिकार है।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): यदि ये जवाब देंगे तो फिर हमें भी इनकी बातों का जवाबह देना पड़ेगा। इस तरह से तो यह मामला खत्म ही नही होगा।

श्री अध्यक्ष: कोई एक बात कहेगा तो दूसरा दूसरी बात कहेगा। There will be allegations and counter allegations. The last reply will be of the Chief Minister.

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सपलेने ान देना चाहता हूं। हाउस का नेता अगर कोई बात कहे या इलजाम लगाये तो उसका जवाब देने का अधिकार मुझे भी है।

चौधरी जगदी ा नेहराः इस प्रकार से तो स्पीकर साहब, कोई अंत नही होगा।

श्री अध्यक्षः ओम प्रका ा जी, पहले इलजाम आपने लगाए है। आपने जो बातें कहीं है, उनका तो इन्होंने जवाब दिया है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मैने ऐसी बात नही कही। मै और ऐसी कोई बात नहीं कहता जिससे चेयर पर कोई बात आए आप हाउस का कार्यवाही उठा कर पढ़ लें, उससे पता चल जाएगा कि मैने क्या कहा है। मैने किसी के ऊपर कोई इलजाम नहीं लगाया। इन्होंने जो आरोप मुझे पर लगाए है, उसका तो मुझे जवाब देना है। (ाोर)

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इन्होने ऐलीगे ान्ज लगाए है और हमने उसका जवाब दिया। यह फिर ऐलिगे ान लगाएंगे और हम फिर जवाब देंगे, इस ढंग से इस हाउस की कार्यवाही कैसे चलेगी। मेरा निवेदन है कि इस ढंग से हाउस की प्रोसीडिग्ज अन–एंडिग है जाएगी। इन्होने एलिगे ान

लगाए, इधर से जवाब दे दिया गया, अब इसमें जवाब देने की या एक्सप्लेने ान देनी की क्या बात है? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः ओम प्रका ा जी, आपको बोलने का टाईम देंगे, आप उस वक्त जो चाहते है, बोल लेना। (विघ्न एवं ाोर)

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मै आपसे यह जानना चाहता हूं कि क्या मैं अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान देने का अधिकार रखता हूं? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आपको अधिकार है, लेकिन आप आपनी बात इस वक्त न कहे, आपको टाईम देगे, आप अपनी बात उस वक्त कह लेना। (विघ्न एवं ाोर)

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अगर मुझे अपनी एक्सप्लेने ान देने का अधिकार है तो मुझे बोलने का अनुमति न देकर आप मेरे अधिकार का हनन करने का प्रयास कर रहे है। (विघ्न) मैं आपको आ वासन देता हूं कि मै कोई ऐसी बात नहीं कहूंगा। (विघ्न एवं भाोर)

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, हमारे पास भी जवाब है। (विघ्न) हम जवाब दैंगे तो इनको फिर जवाब देना पड़ेगा। (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: You are not allowed to speak please.

श्रीमति चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरी कालिंग अटै ान थी, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्ष: वह विचाराधीन है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै आपसे यह जानना चाहता हूं कि इस हाउस के किसी सदस्य के खिलाफ अगर अनर्गल इल्जाम लगाए गए हो तो क्या सदन में वह अपनी बात कह सकता है या नही? (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्ष: वह अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान दे सकता है। (विघ्न एवं ाोर)

चौधरी जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, क्या ये आपकी रूलिंग को भी चैलेज करेगे? (विघ्न) स्पीकर साहब, इनका कोई ठीक तरीका नहीं है। ये खुद मुख्य मंत्री रहे चुके है और इनकी मालूम होना चाहिए कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो हाउस की कार्यवाही कैसे चलेगी? (विघ्न एवं ाोर)

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर साहब, अगर आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते है तो हम हाउस से चले जाते है। (विघ्न एवं ाोर)

श्री अध्यक्ष: आप जवाब दे सकते है। लेकिन अब नही। (विघ्न)

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर साहब, मे आपसे दोबारा जानना चाहता हूं कि क्या हम हाउस से चले जाएं या न जाएं? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: आपको सुनेंगे, आपकी बोलने के लिए टाईम देंगे और जब आपको टाईम देंगे तब आप अपनी बात कह लेना। (ाोर एवं व्यवधान) Let us take the nexst item. (Interruptions)

वाक आउट

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारी बात सुनेंने नहीं तो हम वाक आउट करना पड़ेगा। आप बताएं कि मुझे इस समय पर्सनल एक्सप्लेने ान देने का समय मिलेगा या नही? अब तो आपने अजंडे का दूसरा आइटम भी भाुरू कर दिया है। (व्यवधान)। अगर आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो एडजर्नमैंट मो ान रिजैक्ट करने के विरोध में तथा पर्सनल एक्सप्लेने ान देने के लिए समय न देने के विरोध में हम वाक आउट करते है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप सब बैठ जायें। (व्यवधान) मेरी आज्ञा के बिना कोई ने बोले।

(इस समय जनता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन में वाक आउट कर गए तथा तुरन्त ही हाउस के गेट से वापिस आ गए)

वर्श 1993–94 के सप्लीमैटरी ऐस्टीमेट्स पे ा करना

Mr. Speaker: Now, the Finanice Minister will present the Suplementary Estimates for the yerar 1993-94.

Finance Minister (Shri Mange Ram Gupta) : Sir I beg to present the Supplementary Estimates for the year 1993-94 (Interruptions)

एस्टीमेट्स कमेटी की वर्श 1993–94 के सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेट्स पर रिपोर्ट पे ा करना।

Mr. Speaker: Now, Shri Verender Singh[Chairman of Estimates Committee, will present the Report the Committee on Estimates on the Suplementary Estimates for the yerar 1993-94.

Chariman, Estimates Committee (Shri Verender Singh) : Sir I beg to present the Report the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1993-94 (Interruptions)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाए। (व्यवधान)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आप अभी तो वाक आउट कर रहे है। (व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः

Mr. Speaker: Nothing should be recorded (Noises & Interruption). आप सब अपनी सीट्स पर बैठ जाएं। (विघ्न)

(जनता पार्टी का कोई सदस्य अपनी सीट पर नहीं गया और बिना इजाजत के बोलते रहे)

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय इनको इनकी सीट्स पर बैठाएं।

प्रो0 सम्पत सिंहः.....

श्री राम कुमार कटवालः .....

श्री कृश्ण लालः.....

श्री रमे ा कुमार.....

श्री धीरपाल सिंहः.....

श्री राम कुमार कटवाल.....

(ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing should be recorded (Noises & Interruptions)

नेमिंग आफ मैम्बर्ज

(इस समय जनता पार्टी के सभी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े रहे और अध्यक्ष महोदय की आज्ञा के बिना बोलते रहे। अध्यक्ष महोदय उन्हें बार–बार अपनी सीटों पर बैठने के लिए कहते रहे, लेकिन ये सभी सदस्य बिना आज्ञा के बोलते रहे और नारे लगाने भ्ाुरू कर दिए)

श्री अध्यक्षः मै आपको फिर वानिंग देता हूं कि आप सभी अपनी सीटों पर बैठ जाए और इस तरह से न बोले। (ाोर एव व्यवधान)

श्री राम कुमार फटवालः स्पीकर साहब,.....

श्री अध्यक्षः मै राम कुमार कटवाल को नैम करता हूं। वह हाउस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री राम कुमार कटवाल बोलते रहे और हाउस से बाहर नहीं गए।)

श्री अध्यक्षः मा र्ल आप इनको बाहर ले जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) मा र्ल, इनकी वाच एण्ड वार्ड स्टाफ की मदद से आप बाहर ले जाएं।

(इस समय जनता पार्टी के सदस्यों ने श्री राम कुमार कटवाल की घेर लिया और मा र्ल तथा वाच एण्ड वार्ड स्टाफ की उनके पास नहीं जाने दिया जनता पार्टी के सभी सदस्य हाउस की वैल में स्पीकर साहब के नजदीक आ गए और नारे लगाते रहे।)

श्री धीर पाल सिंह.....

श्री अध्यक्षः मै धीरपाल जी को नेम करता हूं। वे भी हाउस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री धीर पाल जी सदन से बाहर नहीं और बोलते रहे।)

श्री अध्यक्षः मा ार्ल आप इनको बाहर ले जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) मा ार्ल इनको वाच एण्ड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं।

प्रो0 सम्पत सिंहः.....

श्री अध्यक्षः आप बिना इजाजत से बोल रहे है, यह ठीक नही। (व्यवधान) मै श्री सम्पत सिंह को नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर ले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री सम्पत सिंह बोलते रहे और हाऊस से बाहर नही गए)

श्री अध्यक्षः मा ार्ल, इनकी आप बाहर ले जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) मा ार्ल, इनको वाच एंड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं।

चौधरी भरत सिंहः.....

श्री अध्यक्षः मै श्री भरत सिंह को भी नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री भरत सिंह बोलते रहे और हाउस से बाहर नही गए)

श्री अध्यक्षः मा ाल आप इनको बाहर ले जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) मा ाल, इनको वाच एड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं।

चौधरी सूरज भान काजलः..............................

श्री अध्यक्षः मै श्री सूरज भान को नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(मानमीय सदस्य श्री सूरज भान बोलते रहे और हाऊस से बाहर नही गए)

श्री अध्यक्षः मा ाल, आप इनको भी वाच एंड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं (ाोर)

श्री कृशण लालः..........................

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं, इस तरह से न बोलिए। आप सब बिना इजाजत के बोल रहे है यह रिकार्ड नहीं हो रहा। आप बैठिए।

श्री कृशण लालः ....

श्री अध्यक्षः मै श्री कृशण लाल को भी नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(मामनीय सदस्य श्री कृशण लाल बोलते रहे और हाऊस से बाहर नही गए)

श्री अध्यक्षः मा र्ल, आप इनको बाहर ले जाए। (ाोर एवं व्यवधान) मा र्ल, आप इनकी वाच एंड बार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाए।

श्री जयपाल सिंह.....

श्री अध्यक्षः मै श्री जयपाल सिंह को भी नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री जयपाल सिंह बोलते रहे और हाऊस से बाहर नही गए)

बैठक का स्थगन (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः मा र्ल, आप इनको वाच एण्ड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहरह ले जाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: अगर आपने यही रवैया इखतियार करना है, then I adjourn the House fer half an hour.

(The Sabha then adjourned and reasembled at 11.47 A.M.)

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अभी जो बिहेवीयर हुआ, वह ठीक बात नहीं थी। हमने सभी को टाईम दिया है और उन्होंने भी अपनी बात कही है। किसी ने अगर कोई बात कही है तो उसको पर्सनल एक्सप्लेने ान देने का टाईम भी दे दिया गया था। चीफ मिनिस्टर ने भी जवाब दिया और जब ओम प्रका ा जी

ने दोबारा एक्सप्लेने ान देने के लिए कहा तो उसके लिये मैंने यह कहा कि प्रोपर टाईम पर आपको भी मौका दिया जायेगा। इसलिये ऐसी बात कोई ठीक बात नही है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि हाउस की कार्यवाही ठीक से चलने दे।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दी हाऊस ने हाउस के सम्मनित सदस्यों को बे ार्म कहा है जब तक लीडर आफ दी हाउस इसके सिमै माफी नहीं मागेगे, हम काम नही चलने देंगे।

श्री अध्यक्षः वह तो एक्सपंज कर दिया गया है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः जब तक वह माफी नहीं मांगेंगे, हम काम नहीं चलने देंगे। सारे हाउस की बेइज्जती हुई है। अपौजी ान के लीडर को भी एक बार हाउस में बेइज्जत किया गया था इसलिये जब तक लीडर आफ दी हाउस अपने कहे हुए लफ्ज के लिये खेद व्यक्त नहीं करेंगे, तब तक हम हा उस को नही चलने देगे।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): वह बात तो एक्संपज हो चुकी है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, यह नीचे बात कैसे करते है। आपके माध्यम से बात करें। जब तक हाउस के लीडर माफी नहीं मांगेंगे जब तक यह हाउस नहीं चलेगा। हम

लोग भी इस बात पर बजिद्द है कि जब तक से माफी नहीं मांगेगे, तब तक हाउस नही चलेगा।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, हाउस में बहुत सी बाते कही जाती है। पार्लियामैंट्रो लेग्वेज न होने पर कुछ बातें एक्सपंज भी होती है। आपने वह बात एक्सपंज कर दी और जो बात आपने ठीक समझी, वह रख लो, बाकी की आपने एक्सपंज कर दी है। मेरा कहने का मतलब यह है कि लीडर आफ दी हाउस किये माफी मांगे। यह बात ठीक नहीं है। स्पीकर साहब, इन्होंने माफी मांगी है। स्पीकर साहब, इनका यह कहना कि हाउस को नही चलने देंगे, क्या हाउस इनकी प्रोपर्टी है जो नहीं चलने देंगे? (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब आपके प्रोटेक ान में यह हाउस चलेगा और हाउस का जो डैकोरम है, उसके अन्दर यह हाउस चलेगा। किसी को भी हाउस चलेगा और हाउस का जो डैकोरम बिगाड़िने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हाथापाई करके क्या हाउस को चलने से रोका जा सकता है?

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः क्या आपको छूट मिली हुई है कि जो भी आप चाहें किसी को कह दें? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः एक बार में एक ही सदस्य बोले।

चौधरी जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, मेरा निवेदन है कि जिस ढंग से ये व्यवहार कर रहे है।.....(ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: जब तक लीडर आफ दि हाउस माफी नही मागगे, इस हाउस नही चलने देंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nehra Sahib, you kindly address the Chair and not to them. (Interruptions)

Prof. Sampat Singh: Speaker Sir, you are right that he should address the Chaif and not to us (Interruptions)

Mr. Speaker: Prof, Sahib let him speak.

Ch. jagdish Nehar: Sir, I will address the Chair and not to them and request you that whosoever is speaking, shouldf address the Chair, लेकिन मेरा आपने अनुरोध है कि जैसा माहील किएट किया गया है, वह नहीं होना चाहिए। स्पीकर साहब, जी यह कह रहे है कि हम हाउस नही चलने देंगे, यह बात ठीक नहीं है। ऐसा अनप्लेजैंट माहौल पैदा नही करना चाहिए। ये ठीक ढंग से व्यवहार करें। असैम्बली का काम ठी ढंग से चलना चाहिए और इसमें कोई अड़चन किसी को नही पैदा करनी चाहिए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, आपने बहुत हम्बल ढंग से लीडर आफ दि अपोजी ान को समझाया और पूरा कन्ट्रोल करने की कोि ा ा की। आपकी रूलिग के बावजूद,

बार, बार आपके आदे ा वो बाद भी इन्होंने कितनी ही बार आपकी अवहेलना की। आपके सामने आकर और मेज पर बार–बार मुक्का मारकर जोर–जोर से चिल्लना कोई ठीक बात नहीं थी। मैने कोई ऐसी बात नही कही थी। किसी माननीय सदस्य को मेरे कहने से तकलीफ हुई हो इस बारे में कहना चाहता हू ंकि गाली तो भजन लाल के देने का सवाल ही नहीं है। भजन लाल किसी को अ ाब्द नही करता। अगर मै दूंगा भी तो तरीके से दूंगा। स्पीकर साहब, आपके कहने के बाद जब ये उठ कर जाने लगे तो मैने कहा कि इस लोगों अखबारों वालों की वजह से कुछ मर्यादा में, भार्म में रहना चाहिए। अगर इनको तकलीफ हुई है तो मै इस बात के लिए कहता हूं कि इतनी सी बात के लिए खेद प्रकट कर सकता हूं लेकिन स्पीकर साहब, मैने कोई भद्दी बात नही कही जिसके लिए तकलीफ होनी चाहिए। मेरा यह कहना है कि मर्यादा में रहकर हा उस की कार्यवाही को चलने देना चाहिए। अगर ये हाउस की कार्यवाही नही चलने देंगे तो हाउस को चलाने का तरीका भी हमें आता है। हम पूरी मर्यादा में रहकर हाउस को चलने देना चाहिए। स्पीकर साहब, हमारे किसी भी साथी ने कोई ऐसी बात नहीं कही है। जिससे किसी को तकलीफ हो। लेकिन जो वातावरण और जो माहौल बनाने की कोि ा ा की, वह बड़ा हो दुःखदायी है। इनको सयम में रहकर हाउस की कार्यवाही चलने देनी चाहिए।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने ऐसा माहौल पेदा करने की कोि ा ा की और जोरो आवर में हमने उठकर जो कहना था, वह कहा। आपने उस पर रूलिग दी और बाद में हमने रिव्यू की सबमि ान की और रिक्वैस्ट की। बात रेजील्यू ान की चल रही थी और सारा डिस्का ान चल रहा था, बढ़िया चल रहा था। हरेक का अपना–अपना प्वाएंट आफ व्यू आ रहा था। स्टेट के इंट्रेस्ट की बात उठ रही थी। कोई इररैलेवेन्ट बात हमारी तरफ से नही उठाई जा रही थी। स्पीकर साहब स्टेट का इंट्रैस्ट सब से ऊपर है और हमने औफर भी दी कि अगर हमारी बात को नही मानना है तो आप अपना रेजोल्यू ान ले आएं और उस रैजोल्यू ान को हम भी सभी मान लेंगे तो हमने तो मदद की है। हमने हैल्पिंग हैड की अनाउंसमैंट की थी। यानी हम तो कोओप्रेट कर रहे थे। हम तो चाहते थे कि हाउस पसिफुली चले। मामनीय सदस्यों के अधिकारों के आप कस्टेडियम है इसलिए हम आपसे रिक्वैस्ट करते है कि आप हमारे अधिकारों की सुरक्षा करें। जब आपने रूंलिग दे दी तो उसके खिलाफ हमने कुछ नहीं कहा। लेकिन गवर्नमैंट ने कोई रिप्लाई नहीं दिया और हमारी बात की नही माना, इसलिए हम बाहर गए थे। हम आपकी रूलिग के खिलाफ बाहर नही जा रहे थे हम तो इसलिए बाहर जा रहे थे कि उस रैजोल्यू ान को गवर्नमैंट ने नही माना था। गवर्नमैंट उस बारे में सीरियस नही थी। हम बड़े नोबल तरीके से जा रहे थे, हमने कोई स्लेगन भााउटिंग नही किया। हम तो बड़े भाान्तिमय तरीके से बाहर जा रहे थे। जब हम जा रहे थे तो उस समय

बदमजगी हो गई। लीडर आफ दी हाउस के मुंह से ऐसी बात निकल गई। स्पीकर साहब, हमारा तो रैजोल्यू ान न लाने के बारे में प्रोटैस्ट था, वह तो हमने कर लिया और वह एक अगल बात है कि मुख्य मंत्री जी अपनी बात पर खेद प्रकट कर लें कि मैने जो कहा था उसके लिए मुझे खेद है। (विघ्न) स्पीकर साहब, जब हम जा रहे थे तो मुख्य मंत्री ने ये भाब्द कहे थे कि बड़े बे ार्म है। तो हम तो सिर्फ एक बात चाहते हैं कि जो इन्होंने बे ार्म कहा है उसके लिए ये कह दें कि मैं माफी मांगता हूं। अगर ये ऐसा कर लेंगे तब तो हम यहां बैठ सकते है वरना बूट मैजोरिटी का सरकार को इस तरह फायदा नहीं उठाने देगे। इसका इनके पास लाइसैस नहीं है। अगर लोगों ने इनको इलैक्ट करके भेज दिया है तो उनको कोई लाइसैंस नहीं मिल गया है। कि ये जिस तरह चाहें, हाउस को चलाएं। हम आपसे रिकवैस्ट करेंगे कि आप अपने गुड आफिस को इस्तेमाल करें। आप हमारे कस्टेडियन है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मेरी आपसे अर्ज है कि आप हमारे राइटस के कस्टोडियन हैं और इस तरह का इ ा आ गया है कि आनरेबल मैवर्ज का इस तरह को बात कही जाए। इसलिए आप इनसे माफी मंगवाए। अगर ये माफी नहीं मांगेगे तो हम अपने डैमोक्रेटिक राइटस के तहत इस बात का प्रोटैस्ट करेंगे और इसका नाजायज फायदा औन दी फलोर दि हाउस नही उठाने देंगे।

Chaudhary Birender Singh: Sir, I want to make a submission and I want your ruling on that point. Ch. Om parkash Chautala has said very clearly that such and such

words which were unparlia mentary were used by the leader of the House. But you have also said that those words have been expunged. My point is that when these words have been expunged and are not the part of the proceedings of the House, on what account the leader of the House should say a nytheing with regard to the words, which have already been expunged. I want your ruling on this point.

Mr. Speaker: I have already expunged the words. That is enough and the matter ends.

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आज हाउस में बड़ा अनप्लैजैंट माहौल हुआ। अफसोस इस बात का है कि जो बहुत ही सीनियर लोग है, उनकी तरफ से इस किस्म की बातें भ्ाुरू हुई। स्पीकर साहब, हाउस में जो बात डिस्टौरट करके पे ा की इसलिए सदन से वाक आउट करके जा रहे थे कि क्योंकि सरकार ने एस0 वाई0 एल0 नहर के ई ू पर एकमत से रैजोलयू ान पास करने की बात नहीं मानी। स्पीकर साहब, आप याद करें, यह बात एक या डेढ़ घंटा पहले की है। बात तब बिगड़ी जब चौधरी ओम प्रका ा चौटाला अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहते थे। रैजोल्यू ान के बारे में तो पहले बहस हो चुकी थी। जब कोई कहा सुनी हुई तो उसके बारे में चौटाला साहब अपनी पर्सनल एक्सलेने ान देना चाहते थे। स्पीकर साहब, आपने उस समय यह क्लीयरकक रूलिंग दी थी कि आपको पर्सनल एक्सप्लेन ान के लिए बाद में टाईम दूंगा इस समय नहीं। जब विपक्ष के लोगों की तरफ से इन्होंने कहा और अरैट किया कि हम

वाक आउट कर जायेंगे तो उस समय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला और कुछ दूसरे सदस्य यहां से चले भी गए लेकिन कुछ सदस्य अचानक रूक गए। अचानक रूकने के बाद यह कहा कि वे स्टेट के इंट्रैस्ट में सदन से वाक आउट करना चाहते है लेकिन यह बात नही थी। केवल इनकी पर्सनल एक्सप्ले ान की बात को ले कर हाउस का माहौल बिगड़ा। स्पीकर साहब, मै चौधरी सम्पत सिंह जी को यह बात कहना चाहता हूं कि जितनी जिम्मेदारी लीडर औफ दि हाउस की है, उतनी ही जिम्मेदारी लीडर आफ दि अपोजि ान की है। आप लोगों में से 6–7 या 4–5 या 3–4 लोगों को स्पीकर साहब ने नेम भी कर दिया। जिसको नेम किया, वे सदस्य किस हैसियत से हाउस के अन्दर बैठे है और किसकी आज्ञा से हाउस में आए है। स्पीकर साहब आप इतने भारीफ है कि आपको भलमानसी का यूं लाभ उठाएं और अपने आपको इस तरह से पै ा न करे, जैसे आप ही खरे लोग है, बाकी सारा अड़र्गी ह। किसी बात को डिसटोरट पहीं करना चाहिए कि किसी तरह से हाउस को नही चलने देंगे। हाउस चलाना अकेले गवर्नमैंट की जिम्मेदारी नही है, हा उस तो स्पीकर साहब को चलाना है। मै इस हाउस में चौथी बार चुन कर आया हूं मेरे ख्याल में इनसे भारीफ स्पीकर इस हाउस में आज तक नही आए है। हमने बड़े बड़े स्पीकर देखें है। (विघ्न) और हाउस में पिटाई भी हुई है, इसलिए मै आपसे यही रिक्वैस्ट करूंगा कि आप इतने भारीफ स्पीकर की भलमानसी का नाजायज फायदा न उठाएं और हाउस को विद डैकोरम चलने दे। स्टेट के हित के जो काम है, उनको

करें। इस तरह से रिकार्ड की डिसटोर्ट न करे। इस तरह से करके अपने आपको भाहीद साबित न करें। सभी लोग जानते है कि बहुत सारे सदस्य आपकी तरफ भी बहुत अच्छे है इसलिए आप लोग हाउस को भाानदार तरीके से चलने दे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब माननीय सदस्य ने कहा कि मै बात को डिसटोर्ट करता हूं। स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाला की तरफ से पर्सनल एक्सप्लेने ान देने की बात आई थी। स्पीकर साहब, हमारी पार्टी न हो वह रैजोल्यू ान मूव किया था और उस पर बहस चल रही थी। हमने अपने विचार रखें और गवर्नमैंट ने भी अपने विचार रखे। उस डिस्क ान के दौरान यह बात हुई थी। उसके लिए चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने कहा कि मै सैल्फ एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। That was the part of discussion on that resolution. आप इसको रैजोल्यू ान से अलग नही कर सकते। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी आपकी भी वही इन्टै ान हे कि एस0 वाई0 एल0 बने।

श्री अध्यक्षः यह मैटर अलग है और वह मैटर अलग है।

प्रो0 सम्पत सिंहः इससे ही जुड़ा हुआ मैटर है। It is also a part and parcel of this matter.

Mr. Spaerker: It is not related to this, Sir (Noise) We are saying that it was related Sor,

अध्यक्ष द्वारा–रूलिंग

सदन की मर्यादा तथा गारिमा बनाये रखने सम्बन्धी

Mr. Spaerker: Hon'ble Members. before I proceed further, I consider it necesary to make an abservation on the behaviour of the members of SJ.P. on the floor of the House. The behaviour of the members who are nemed by me namely, Sarvshri Ram Kumar Katwal, Dhirpal Singh, Sampat Singh, Bharath Singh, SurajBhan Kajal, Krishan La; and Japal Singh was undignified which in way has lowered the image of this August House. I am to point out that after the delivery of the ruling, the Hon'ble Members kept on speaking without my permission. Time and again they were requested toresume their seats and allow me to procced but a deliberate effort was made to block the proocedings of the House completly forgetting that we all are hare to serve our masters who are clectoratces and they have also forgotten that they are whching our conduct and deliberations. I owe it to the House that discussions are held in a free and frank manner and in accordance with the rules. This I wish to ensure to the best of my abillity. I am open to suggestions from the sinior legislators and even from other friens to achieve this object but I do expect the members also to observe high standard of conduct which helps to maintain the high traditions of this House and raise the decorum. I strongly feel that the manner in which the S.j.P. members have behaved and have created distubances in the House was contary to the high standards which are required to be maintained by the members on the floor of the House.

If any member has any grievance to bentilate then I have already said that they will have an ample opportunity to speak at an oppropriate time.

I therefore, appeal to all the leaders of the parties and varivous groups in the House that they should ensure that deliberations are conducted in the spirit of the rules and all the members of the parties groups maintain deceney and secorum in the House.

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी अनुरोध किया था और हम यह उम्मीद रखते है कि हाउस का डैकोरम और हाउस को गरिमा बरकरार रखने के लिए और आपकी, चेयर की गरिमा भी कायम रह सके, इस सब के लिए हाउस के सदस्यों के खिलाफ लीडर आफ दी हाउस ने जो नावाजिब अल्फाज इस्तेमाल किए है, सारे सम्मानित सदस्यों की बे ार्म भाब्द के नवाजा गया है और एम0 एल0 एज0 की बेइज्जती की गई है, ये जो भाब्द इन्होने इस्तेमाल किए है उनसे हाउस के स्तर के गिरने की बात आती है। ये जो लोग यहां पर बैठे है, विपक्ष के या ट्रैजरी बैंचिज के ये जनता के चुने हुए सम्मानित सदस्य है, न कि बे ार्म अगर ये बे ार्म होते तो आज यहां पर हाउस में नही आते। यदि में मैम्बरों को अपने अधिकार से वंचित करने का प्रयास को सुचारू रूप से चलाने के लिए अच्छी बात नहीं है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि हाउस को सुचारू रूप से चलाने के लिए लीडर आफ दी हाउस ने जो नावाजिब अलफाज इस्तेमाल किए है, उनसे आप कहें कि वे हाउस माफी मांगे। यदि

ये हाउस मे माफी नही मांगते तो फिर हाउस के चलने का सारा सिलसिला हो बिगड़ जाएगा। स्पीकर साहब, जब तक इस बारे में निर्णय नहीं हो जाता, मै आपसे अनुरोध करूंगा कि आप इस मामले में अपना फैसला दें।

श्री अध्यक्षः मै अपना फैसला पहले ही दे चुका हूं। The word stands expunged and the matter ends now.

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, एक्सपंज करने से ही काम नही चलेगा। यह एक्सज करने का मामला नहीं है। यहां पर खुली गाली दी गई है। इस प्रकार से तो कोई भी किसी को कुछ कह दे और बाद में बात एक्सपंज हो जाए। यह हाउस की अवमानना है, इसलिए इसकी एक्सपंज करने से काम नही चलेगा। स्पीकर साहब, पहले भी हाउस में परम्परा रही है, आप इसी चेयर पर थे और लीडर आफदि ओपीजी ान ने माफी मांगी थी। (विघ्न) स्पीकर साहब, क्या हाउस में दो कायदे चलेंगे? क्या सता पक्ष के लिए दूसरा कायदा होगा और निपक्ष के लिए दूसरा कायदा होगा? इस हाउस के सभी माननीय सदस्य बराबर है और सबके साथ समान व्यवहार होना चाहिए। सता पक्ष के सदस्य ज्यादा है इसलिए वे सता में है, जो कम लोग है, वे विपक्ष में बैठे है, परन्तु अधिकार सबके समान है। सबके समान अधिकारों के मुताबिक ही इस बात का निर्णय होना चाहिए। स्पीकर साहब, आपके किसी फैसले को चैलेंज नही करते है, आपसे केवल अनुरोध कर रहे है कि आपको इस बारे मामले को देखकर निर्णय

लेना चाहिए। ऐसे ही मामले में पहले जो प्रथा रही है, आपके चेयर पर होते हुए ही जैसा फैसला किया गया था, वैसा ही फैसला आज भी चाहिए। (विघ्न)

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): जो बात अब कही गई है और जो पहले बात ही चुकी है, उसमें बहुत अन्तर है। स्पीकर साहब, मै आपके ध्यान में उस समय की बात लाना चाहता हूं जो लीडर आफ दी ओपोजी ान न की थी। आज से दो सिटिग्ज पहले जो हुआ था, उसके लिए प्रिविलैज मो ान भी अभी विचारधीन है। उस वक्त माईक तोड़ा गया था। स्पीकर सर, आपको याद होगा, मैने उस वक्त महाराश्ट्र के इन्सिडैट का जिक्र किया था कि यदि सदन मे असैम्बली की प्रोपरटी का कोई मैम्बर नुक्सान पहुंचाता है तो उसमें 6 महीने की सजा भी हो सकती है। उस बात में और आज की बात में दिन–रात का अन्तर है। जो बात कही गई है, आपने उसको एक्सपंज भी कर दिया है, इसलिए इस बात को बढ़ने का कोई औचित्य नही बनता। स्पीकर साहब, आपसे मेरी प्रार्थना है कि जब आपने उसको एक्सपंज कर दिया है तो उस बात को हाउस में ओपीजी ान के मैम्बरों द्वारा उठाए जाने का कोई औचित्य नहीं है। स्पीकर साहब, मै यह बात बार–बार इसलिए कह रहा हूं ताकि असैम्बली का सिस्टम ठीक ढंग से चले। परन्तु इनका मकसद तो यह है कि असैम्बली का बिजनैस ठीक ढंग से न चले ताकि गवर्नमैंट की फजीती हो। क्या इनकी इस बात को हम लोग नही समझते? स्पीकर साहब, जो ये बात

उठा रहे है, इसके पीछे इसकी भावना कुछ और है। इनकी भावना है कि असैम्बली की कार्यवाही को नही चलने देंगे। स्पीकर साहब, हम लोगों इनकी इस बात को कतई बर्दा त नहीं करेंगे, सता पक्ष इसे बर्दा ात नहीं करेगा। स्पीकर साहब, आपके रूबरू सारी बातें हुए है और उस बात को आपने एक्सपंज भी कर दिया, फिर उसको बार–बार यहां दोहराने का कोई औचित्य नहीं बनता। इनका एक ही मकसद है कि असैम्बली के सयम को नश्ट किया जाए। स्पीकर साहब, आपसे मेरा अनुरोध है कि इस बात को खत्म करके असैम्बली की कार्यवाही को सुचारू रूप से आगे चलाएं ताकि असैम्बली का समय नश्ट न हो।

बन मंत्री (राव इन्द्रजीत सिंह): स्पीकर साहब, सदन का कानून है कि आपसे परमि ान लेकर ही बोला जाए और जो आपकी परमि ान के बर्गर बोला जाए उसको रिकार्ड न किया जाए। आमतौर पर बातचीत के दौरान बैचिज से बात होती रहती है। सता पक्ष और विपक्ष के सदस्य बैचो पर बैठे–2 जो बोलते है, वह प्रोसीडिंग्ज के रिकार्ड पर नहीं आता, इस कारण वह सदन के पटल का हिस्सा नही बनता। सदन में जो सदस्य बैठे है, उनमें यहां सता पक्ष के लोग भी और विपक्ष के लोग भी है। सदन के बाहर जो कहा जाता है, वह सदन के कार्यवाही के रिकार्ड के बाहर की बात है और वह एकाउंटेबल बात नहीं है। क्या उन सब बातों के लिए भी मुआफी मांगने होगी? स्पीकर साहब, जो बात कही गई है, वह बैठे–बैठे कही गई है इसलिए वह सदन की

कार्यवाही का हिस्सा नही है इसलिए उसके लिए मुआफी की कोई बात नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय कई सदस्य अपनी सींटो पर खड़े होकर बोलने लगे)

Mr. Speaker: Hon'ble members, enough has been said about this. Now we shall proced further. (Noise & Interrupions) Let me proceed further.

नेम किए हुए सदस्यों को वापिस बुलाना

प्रो0 सम्पत सिंह.....

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

श्री सतबीर सिंह कादयानः .....

श्री अध्यक्षः आप बिना इजाजत के बोले रहे है। यह कुछ भी रिकार्ड न किया जाए। Hon'ble Members, now we should proceed to the agenda. Now the discussion on the Governor's Address will be resumed. Before that, I would like to ask whether it is the pleasure of the House to allow the 7 members who were named by me earlier to pariticipate in the proceedings of the House. The name of these members are Sarvshri Ram Kumar Katwal, Dhipal Singh, Sampat Singh, Bharat Singh Suraj Bhan Kajal, Krishan Lal and Jaipal Singh. They were named for their grossly disorderly behaviour and they were to go out of the House. So is it the pleasure of the

House to allow them to participate in the proceedings of the House?

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, आज सदन में जो कुछ भी हुआ है वह बहुत ही दुर्भाग्पूर्ण हुआ है। सर, जगदी ा नेहरा जी पालियामैटरी अफेयर मिनिस्टर है और इलैक्ट होकर आए हैं जिनको सरकार चलानी होती है, जिनकी जिम्मेवारी होती है, उनको कई बार जहर भी पीना पड़ता है। साथ ही विपक्ष की जो भूमिका होती है, वह अनप्लैजन्ट होती है और वह सत्ता पक्ष को चुभती भी है। जैसा मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मन् ाा नहीं थी कि मै किसी साथी के लिए बे ार्म भाब्द का इस्तेमाल कंरू परन्तु हो गया। अध्यक्ष महोदय, जो चौटाला साहब कहना चाहते थे, उन्होने कह दिया। अब जगदी ा नेहरा जी ने कहा कि थ्रेट हम भी दे सकते हे। तो मै यह पूछना चाहता हूं कि क्या यह सदन थ्रेट के लिए है और क्या यही सदन को वैल्यू है? अब जनता भी यह सब देख रही है कि यहां पर क्या मरोड़े हो रहे है। अरे मरोड़ तो वे नहीं छोडेंगे। स्पीकर साहब, जैसा कि चौटाला साहब जी ने कहा और मुख्यमंत्री न भी बात मान ली है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, आपने इतना समय सबको दिया है। हमारे जैसे छोटे–छोटे ग्रुप की भी समय दिया है। सर, सदन बड़े अच्छे माहौल में भारू हुआ था। कल सम्पत सिंह जो को आपने बोलने के लिए समय भी दिया। उन्होंने आपनी बात भी कही और सरकार ने उनकी बातों को सुना भी आज हाउस का दूसरा दिन है

इसलिए अगर मुख्यमंत्री जी एक बार फिर कह देगें तो चौधरी ओमप्रका ा चौटाला की बात भी रह जाएगी।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, राम बिलास भार्मा बहुत ही सीनीयर और बहुत ही काबिल मैम्बर है। वे हमे ाा ही बड़ी सभ्य बात कहते है। मैंने तो भाुरू में ही कहा था कि अगर मेरी बात से किसी का दिल दुखा हो तो मुझे खेद है। वैसे मेरी किसी भी मैम्बर को दिल दुखाने की मं ाा नहीं रही है। मेरा मांफी मागने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है और मेरा सजपा के लीडरों से भी कहना है कि ये भी बहुत समझदार है, इसलिए से हाउस को चलने दें। अगर ये लोग हाउस को चलने दे तो मेरी आपसे भी रिक्वैस्ट है कि आपने जिन आठ महानुभावों को नेम किया है तो उनको आप वापस ले लें। यही मुझे आपसे कहना है।

Mr. Speaker: Is it the pleasure of the House that the Hon'ble Members, named by me, be allowed to partcipate in the proceedings of the House?

Voices: Yes.

Mr. Speaker: That is withdrawn. Now, Hon'ble Members, discussion on Governor's Address will resume.

वाक–आऊट

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, आपने जो कहा है वह हमने मान लिया है तथा मुख्यमंत्री जी ने भी जो खेद की बात

कही है उसको भी हमने मान लिया है। हम आपको वि वास दिलाते है कि हम लोग कार्यवाही में भााामिल रहेंगे। हमने जिस तरह से आपको पहले कोओपरे ान दिया है, उसी प्रकार से हम आगे भी कोओपरे ान देते रहेंगे। अब यह मामला खत्म हो गया है। लेकिन चूंकि एस0 वाई0 एल0 तथा चण्डीगढ़ को ट्रांसफर करने पर एडजनमैंट मो ान वाली बात गवर्नमैंट ने हमारी नही मानी है इसलिए हम इस बात पर गवर्नमैंट के फेसले के खिलाफ वाक आऊट करते है। पहले भी हम इसी बात पर प्रोटैस्ट कर रहे थे और सब भी हम इसी पर गवर्नमैंट के फैसले के अगेन्सट हाऊस से वाकाआऊट करते है।

(इस समय विपक्ष (जनता पार्टी, हरियाणा विकास पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी) के उपस्थित सदस्य हाऊस से उठकर बाहर चले गए)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी कहा था कि इनको वाकाआऊट करना ही है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon. Members, now discussio on the Governor s Address will be resumed.

प्रो0 छतर सिंह चौहान (मुंढाल खुर्द): अध्यक्ष महोदय, मै इस सदन में गत 28 फरवरी को माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा पठित अभिभाशण के विशय में बोलना चाहता हूं। स्पीकर

साहब, गवर्नर महोदय का भाशण इस अक्षम और अकु ाल सरकार द्वारा तैयार किया गया है। यह सरकार अपने आपको हरियाणा की सरकार मानती है लेकिन हरियाणा की जनता का इस सरकार से पूर्ण रूप से वि वास उठ चुका है। यह बात सरकार भी मानती है। समय ही इस बात की बतायेगा कि यह बात सच है या नही। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाशण में हरियाणा की गिरती हुई कानून और व्यवस्था जो निम्न से निम्न स्तर पर जा चुकी है, का जिक्र किया गया है। हरियाणा में आज कोई ला एण्ड आर्डर नाम की चीज नही है। अगर मै यह कहूं कि हरियाणा में आज जंगल राज है तो इसमें कोई भी अति योकित नही होगी। यदि इस अभिभाशण में, आज हरियाणा के लोगों के लिए, जीवन रेखा एस0 वाई0 एल0 कैनाल के लिए है, इस बारे में राज्यपाल महोदय आ वासन देते, गवर्नमैंट आ वस्त करती कि ये एस0 वाई0 एल0 कैनाल भीघ्र से भीघ्र बनाई जाएंगी तब तो बात बनती लेकिन अफसोस की बात है कि इस अभिभाशण में एक भी लाईन एस0 वाई0 एल0 के बारे नही लिखी। मै इस अभिभाशण का समर्थन करता यदि राज्यपाल महोदय, हरियाणा के लाखों बेरोजगार युवक जो अपनी आजीविका के लिए इधर–उधर फिर रहे है, उनके लिए कोई कारगर कदम उठाने के लिए आ वासन देते, गवर्नमैंट आ वस्त करती तो मै इस अभिभाशण का समर्थन करता। इस प्रकार का अभिभाशण जो कि गवर्नमैंट द्वारा तैयार किया गया एक औपचारिकताव ा राज्यपाल महोदय ने पढ़ा उसका विरोध करने के लिए मै खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, आज

हरियाणा प्रदे ा में कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज नही रह गई है मै आपसे निवेदन करूं कि आज से ढाई साल पहले माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी ने इस सदन को आ स्त किया था कि मै हरियाणा को इस प्रकार का प्र ाासन दूंगा कि यहां कि यहां की औरते रात को गहने पहन कर चल सकेंगी। हम खु ा थे कि भाायद मुख्यमंत्री जी जैसा कहेंगे वैसा करेंगे लेकिन यह बात सारा हरियाणा जानता है कि हरियाणा के मुख्यामंत्री का never means what he says उनकी कथनी और करनी में कितना अन्तर है। जितने कांड हुए है इस सरकार के आने के बाद हुए है। कुरूक्षेत्र जिले में लोहारूमाजरा में एक लड़की के साथ रेप हुआ और उसकी हत्या की गई और दुख की बात है कि उसके पिता को ही उसमें सम्मिलित किया जा रहा है। इनका प्र ाासन आज तक पता नहीं लगा सका कि उसका दोशी कौन है? पानीपत जिले के छछरौली गांव में पुलिस ने महिलाओं पर अत्याचार किया। इनका प्र ाासन आज तक इस बारे में पता नही लगा सका। हरियाणा के गृहममंत्री ने बड़ी चुनौती दी थी कि मै गृहमंत्री हूं आज हरियाणा में बलात्कार, चोरी की घटनाएं दिनों दिन बढ़ती जा रही है। क्या बढ़ते हुए अत्यचार, बलात्कार चोरी, डकैती, जमीनों के हड़प करने की प्रवृति को रोकना मुख्यमंत्री या गृहमंत्री का काम नहीं है? मेरे अपने जिले की सु ाील नाम की लैक्चरर को आज कितने महीने हो गए गुम हुए। सु ाील कांड के बारे में यह सरकार नहीं बता सकी? इसी प्रकार से फतेचन्द कालेज, हिसार की छात्रा का अपरहण हुआ जहां मुख्यमंत्री जी का

अपना गृह निवास है लेकिन फिर भी हल्के के फरमाना गांव में जो घटनाएं घटी क्या उन घटनाओं की जिम्मेदार सरकार नहीं है? ये अपने अन्दर में झांक कर देखे कि इनकी कथनी और करनी में कितना अन्तर है? अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में रोज कोई न कोई कांड होता रहा है। निसिंग कांड हुआ, कभी पृथला कांड तो कभी खरावड़ कांड हुआ। मेरा कहने का मतलब यह है कि ये हरियाणा की जनता को कोई सक्षम प्र ाासन देने में असफल रहे है। हरियाणा के लोगों का वि वास इस सरकार से उठ गया है। इस प्र ाासन को हरियाणा में कारगर बनाने को बजाये यह लोग राजस्थान में जाते है। राजस्थान में चुनाव हुए, चुनावों के दौरान जो बातें हुई, उनकी चर्चा हुई है, वह पढ़ते हुए हमें भार्म आती है। वह हरियाणा जिसका सारे हिन्दुस्तान में एक गौरव ाली नाम है, आज बहां को जो पुलिस, वहां के जो विधायक है, जो मंत्री है, उनके खिलाफ केस रजिस्टर्ड है। यही नहीं, इसमें गुहला चीका का डी0 एस0 पी0 घायल भी हुआ है। इससे ज्यादा बुरी बात इस प्रदे ा के प्र ाासन के लिये और क्या हो सकती है? इसी प्रकार से अभी पिछले दिनों कालका का उप–चुनाव हुआ। मुख्य मंत्री जी के अपने पुत्र इसमें उम्मीदवार थे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): चौहाना जी, आप तो भले आदमी हो। आप से तो ऐसी उम्मीद नही हो सकती कि आप इस बारे में कुछ बात करोंगे?

प्रो0 छतर सिंह चौहानाः उसकी कामयाब करने के लिये इन्होने वहां पर सब कुछ किया। कालका के उप चुनाव में पुलिस ने 6 एफ0 आई0 आरज0 लिखी और 50 आदमी पकड़े। उन 50 आदमियों में राम चन्द्र नाम का एक आदमी भी था जो मुख्य मंत्री जी का पुत्र जाकर छुड़वा लाया। स्पीकर साहब, आप देखें एक मुख्य मंत्री जी का पुत्र जाकर छुड़वा लाया। स्पीकर साहब, आप देखें एक मुख्य महोदय के पुत्र का इलैक ान हो और वह भावी विधायक हो, अगर उसमें इस प्रकार से धांधलीबाजी होगी तो क्या यह अच्छी बात है? यह तो रिकार्ड की बात है कि पुलिस स्टे ान पंचकूला में 6 एफ0 आई0 आरज0 लिखी गयी और उनमें 50 औदमियों को पकड़ा गया। इन पकड़े गये आदमियों में क्योंकि इनकी कोठी पर काम करने वाला आदमी भी भामिल था इसलिये उनकी छुड़वाया गया। इसी तरह से तीन एफ0 आई0 आरज0 कालका में दर्ज की गयीं। कुछ लोगों को पुलिस स्टे ान में बिठाया गया। फिर उसी तरह से चन्द्र मोहन और उनके साथियों ने जाकर उनको छुड़ाया। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि ऐसा नहीं होना चाहिये। आपको माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि भगवान ने उनकै मौका दिया है, इस मौके का उपयोग जनता की भलाई के लिये करें। जनता ने आपसे पूछना भी है जब आप इस गद्दी से चले जाओगे कि हरियाणा की जनता जो चाहती थी, वह आपने क्यों नही किय? चौधरी भजन लाल ने 12 जुलाई, 1991 को इसी सदन में एक आ वासन दिया था कि आप इस प्रकार का अच्छा प्र ाासन देंगे कि बिना डर के

कोई भी औरत सामने है। बार–बार लोग इसके लिये कहते है कि जरा इस और भी देखो कि उसको आप कितना लागू कर पाये ही लेकिन उसके विपरीत पुलिस का प्रयोग लोगों की भावनाओं को कुचलने और उन पर ज्यादातियां करने के लिये किए जाता है। हरियाणा के लोगों की रक्षा करने के लिये नही किया जाता है। हमारे हरियाणा में एक मिसाल है। जब बाड़ ही खेत को खाने लगे तो उस खेत का कौन रखवाला होगा? (ाोर एवं व्यवधान) यह बात रिकार्ड की है। मै यह बताना चाहता हूं कि इसमें सच्चाई क्या है, यह देखना तो मुख्य मंत्री जी का काम है। एक पानीपत का एस0 पी0 है, उसने अपने चार चहेतों को अपने साथ रखा हुआ है। जहां पर भी वह जाता है, इनको अपने हाथ ले जाता है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)। इनमें से एक है बलविन्द्र सिंह नाम का कास्टेबल, जिसका नम्बर 1126 अम्बाला है। आज भी वह पानीपत में उसके साथ है। 3–12–1993 की एस0 पी0 पानीपत ने बलविन्द्र सिंह को एक रिवाल्वर दिया। उस रिवाल्वर का नम्बर आर–9027 है। मेरी यह बात समझ में नही आती कि जो आदमी अम्बाला का है, उसको एस0 पी0 पानीपत ने अपने साथ क्यों लग लिया और उसको रिवाल्वर एस0 पी0 पानीपत ने क्यों दिया? और किस बात के लिय दिया? उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से उसके साथ जो अन्य सिपाही रहते है, वह जहां भी जाता है उसके साथ जाते है। मेरा कहने का मतलब यह है कि वह उनको लेकर जाता है। इसका मतलब है कि कोई गड़बड़ है। दूसरा कास्टेबल टेक लाल, फर्स्ट बटालियन, अग्वाला, तीसरा कास्टेबल है ओम प्रका ा,

फर्स्ट बटालियन अम्बाला और चौथा है हीरा लाल, जी0 आर0 पी0 अम्बाला। इससे सनसनीखेज घटना मेरे नोटिस में नहीं आई।

उपाध्यक्ष महोदय, पुलिस में एक बी–1 टैस्ट होता है। इस टैस्ट में एक कास्टेबल साल में एक ही बार अपीयर ही सकता है। एक कांस्टेबल है जिसका नाम मं ाराम है, उसका नम्बर है 865 अम्बाला। उपाध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहता हूं कि हरियाणा में किस कदर भ्रश्टाचार फैला हुआ है। एक डी0 आई0 जी0 है जिसका नाम है.....वह हिसार लगा हुआ है। हरियाणा में इतना भ्रश्टाचार है कि इसका कोई अन्दाजा नहीं लगा सकता और जो मैं बताने जा रहा हूं वह भ्रश्टाचार का एक ज्वलन्त उदाहरण है। यहां का एडमिनिस्ट्रे ान भ्रश्टाचार में डूबा हुआ है। वह मं ाराम बी–1 टैस्ट में 20–1–1994 को अपीयर हुआ लेकिन यह फेल हो गया.....

चौधरी भजन लालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, उपाध्यक्ष महोदय, जो व्यक्ति हाउस का मैम्बर नहीं है और अपने आपको डिफैन्ड नहीं कर सकता, उसका नाम इस तरह से कहना मुनासिब नहीं है।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है, यह नाम रिकार्ड न किया जाए।

प्रो0 छतर सिंह चौहानाः उस डी0 आई0 जी0 ने उसका यमुनानगर से 28–1–94 को हिसार ट्रांसफर करवा लिया और उसको हिसार का नम्बर अलोट हुआ 140। उस डी0 आई0 जी0 ने

सोचा लिया था कि अपने चहेते को अव य ही हैड कांस्टेबल बनाना है। वह कांस्टेबल 29–1–94 को फिर बी0–1 टैस्ट में अपीयर हो गया और जो टैस्ट हुआ उसमें वह कांस्टेबल फर्स्ट आया। उपाध्यक्ष महोदय, कितने ताज्जुब की बात है कि 20–1–94 को वह फेल हो गया और 29–1–94 को फर्स्ट आ गया। एक ही हफ्ते में वह इतना काबिल हो गया कि फर्स्ट आ गया। मै मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आप इस बात पर वि वास करते हुए अपना ले बी–1 टैस्ट को खत्म किया जाए। इससे भ्रश्टाचार फैलता है। इसमें बहुत ही धांधली है। आमतौर पर यह होता है कि औफिसर्ज जिस पर कृपालु होते है उसकी टैस्ट पास करवा दिया जाता है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि सीनियरिटी से प्रोमो ान होना चाहिए। यही सब से अच्छा तरीका है और ऐसा करने से ही भ्रश्टाचार कम हो सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर गृह मंत्री जी नहीं बैठे है। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी नही बैठे है। मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री से प्रार्थना करूंगा कि वे अपने मन्त्रियों है। उनका तो मै नाम ले सकता हूं क्योंकि वे यहां पर बैठे है। वे है श्री भाकरूल्ला खां। इनका अपना गांव है तिगांव। फिरोजपुर झिरका में एक जल्सा था। वहां पर चौधरी सम्पत सिंह गए हुए थे। लोग वहां पर नगाड़े और ट्रैक्टर वर्गरह लेकर गए हुए थे। मंत्री महोदय भी अपने गांव तिगांव में गए हुए थे। लोग वहां जलसे में भामिल होने के लिए ट्रैक्टर वगैरह ले जा रहे थे। इन्होंने उन लोगों के ट्रैक्टर छीन लिए और अपने हाथ से

थप्पड़ मारे। एक मंत्री लोगों को थप्पड़ मारे, यह कहां तक ठीक है? क्या मंत्री अब पुलिस का काम करने लगे है?

वक्फ राज्य मंत्री (चौधरी भाकरूला खां): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, डिप्टी स्पीक साहब, इसमें कोई खास बात नहीं है। फिरोजपुर झिरका में चौधरी सम्पत सिंह की मीटिंग हो रही थी। वहां लोग जा रहे थे। वह घाटी है। वहां बहुत बड़ी पहाड़ी है और पहाड़ में ट्रैक्टर और गाड़ी ठीक से नहीं गुजरती। वहां पर कोई ट्रैक्टर पैन्चर हो गया था। मैं उस वक्त गांव में था। अगर किसी का टैक्टर पैन्चर हो जाए तो भाकरूल्ला खां क्या करे। जब वह ट्रैक्टर खराब हो गया तो लोगों ने उसको हटा दिया। इनको पता ही नहीं कि वहां क्या हुआ। वहां एक ट्रैक्टर फंसा हुआ था और लोगों ने धक्का मार कर उसको निकाल दिया और वे उसे ले गए। इसलिए स्पीकर साहब, ये गल्त बोल रहे है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानाः डिप्टी स्पीकर साहब, भूतपूर्व मंत्री, चौधरी अजमत खां 17–1–94 को एस0 पी0 गुड़गांव को मिलने के लिए गए और बताया कि हमारा ट्रैक्टर पकड़ा गया और नगाड़े छीने गए है। उसके बाद उनका ट्रैक्टर तो वापिस कर दिया गया लेकिन नगाड़े अब तक वापिस नही हुए। डिप्टी स्पीकर साहब, बड़े दु :ख की बात है कि जिस दिन चौधरी अजमत खां एस0 पी0 को मिलने के लिए गए उसी दिन उनका देहान्त हो गया। तो मै मंत्री जी को कहूंगा कि आप ऐसी बात न करें, आज तो आप सता पक्ष में है और कल को आपने वहीं जा कर रहना है, जिनको

आपने थप्पड़ मारे है और जिनकें ट्रैक्टर और लगाड़े छीने है, वे आपको कभी माफ नहीं करेंगे। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमारे यहांएक हरियाणा मिनरल्ज लि0 है। जिला गुड़गांव में एक महू खान है। वहां से मंत्री जी के भाई र ाीद खां 50 ट्रक स्लेट के भर कर ले आए। इनके भाई का तिगाओं में स्टोन कटींग म ाीन है। उनके खिलाफ आज तक कोई एफ0 आई0 आर0 दर्ज नही हुई। मै मुख्य मंत्री जी से कहूंगा कि वे एक कमेटी बैठाएं जो इस बात की जांच करे कि वे 50 ट्रक स्टोन के कैसे ले गए?

चौधरी भाकरूल्ला खांः डिप्टी स्पीकर साहब, ये गल्त बोल रहे है। सर, वहां से सभी लोग पत्थर निकालते है क्योंकि उस जमीन पर किसी का हक नहीं है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानाः डिप्टी स्पीकर साहब, 1986 में चौधरी बंसी लाल जी ने इन खानों का ने ानेलाइजे ान किया था और 1991 तक यह सिलसिला चलता रहा। इस गवर्नमैंट ने सितम्बर, 1991 में उस पालिसी को बदल दिया और ये सारी खानें प्राईवेट लोगों को देनी भाुरू कर दी। आज कांग्रेस के मन्त्रियों और विधायकों के पास ये खानें है। कई खानें तो हमारे मुख्य मंत्री के रि तेदारों के नाम से है। इसके इलावा, तीन कैविनिट मिनिस्टर, दो स्टेट मिनिस्टर और दो एम0 एल0 एज0 के नाम भी है। इसके अलावा एक कैला ा चन्द आहूजा है, औम प्रका ा है तथा प्रका ा चन्द सेठी है जिन्होंने कुछ खानें ले रखी है। एक एम0 पी0 का लड़का नरेन्द्र है उसने भी खान ले रखी है। इसी

तरह से श्री राम रत्न विधायक के लड़के राजेन्द्र सिंह ने भी ले रखी है।

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़ा): यह तो भारत सरकार ने दी हुई है।

प्रो0 छतर सिंह चौहाना: उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से उद्योग मंत्री और हरियाणा सरकार से निवेदन करूंगा कि वे एच0 एम0 एल0 का ठीक तरीके से प्रयोग करें। अगर आपने इन खानों को ठेके पर ही देना है तो पढ़े लिखे नौजवानों की सोसाइटी बना कर दें। आप किसी मंत्री या उसके भाई भतीजे को ये ठेके न दें। (घंटी)

उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मै बोलना भुरू भी नहीं हुआ और आपने घंटी बजा दी। इनको तरफ से कई माननीय सदस्य बीच में बोल कर मेरा टाईम खराब कर रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में कहा गया है। कि हरियाणा सरकार इकोनामों की तरफ बड़ी जागरूक है। उपाध्यक्ष महोदय, इकोनामी करना इनके बस की बात नहीं है। अगर यह सरकार इकोनामी करती तो इतना बड़ा मन्त्रिमण्डल न होता और बार्डज तथा कारपोरे ान्ज के इतने चेयरमैन न बनाए होते। उपाध्यक्ष महोदय, आजकल मुख्य मंत्री जी स्वप्न ले रहे हैं कि वे अपने पुत्र को जिनका नाम मैं नहीं लेना चाहता, सी0 एम0 बनाने के लिए हर डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर भेज रहे है। मैंने इस बारे में

ग्रिवैसिज कमेटी के समाने भी बात उठाई थी। (ाोर) पहले आप मेरी बात तो सुन लें। मै आपकी इकानामी के बारे में बात बता रहा हूं। आपको पता होना चाहिए कि इकानामी क्या चीज होती है। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री को यह पावर है कि ये अपने पुत्र को मंत्री बना दें लेकिन एक एम0 एल0 ए0 होने के नाते यदि वे डिस्ट्रिक्ट हैडक्वांर्टर पर जाते है तो सारा डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रे ान ठप्प हो जाता है। मैंने यह बात भिवानी में हुई ग्रिवैसिज कमेटी की मीटिंग में उठाई थी और उस मीटिंग में श्री0 ए0 सी0 चौधरी थे। हमें इस बात का कोई दु:ख नही होगा, आप अपने सपुत्र को मंत्री बना दें लेकिन एक एम0 एल0 ए0 के नाते से यदि वे किसी डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर जाते हैं तो उनके पास सारा डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रे ान इक्ट्ठा हो जाता हे जिसके कारण सारे काम ठप्प हो जाते है। यह बात गल्त है। मैंने यह बात ग्रिवैसिज कमेटी की मीटिग मे उठाई थी। उपाध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 कैनाल हरियाणा प्रदे ा की जीवन रेखा है। मैने इस अभिभाशण को बड़े ध्यान से पढ़ा है लेकिन इस अभिभाशण को पढ़ने के बाद बड़ा दुख हुआ कि अन्दर एस0 वाई0 एल0 कैनाल के बारे में एक भी भाब्द नहीं किया गया जबकि एस0 वाई0 एल0 कैनाल हरियाणा प्रदे ा की जनता के लिए जीवन रेखा है। लीडर आफ दि हाउस कई दिन से यह कहते आ रहे है। कि एस0 वाई0 एल0 कैनाल एक साल में बन जाएगी लेकिन अब इनकी किसी पंडित ने कह दिया कि आप 6 महीने का नाम ले दो अब इन्होंने बीच में बोल कर मेरा टाईम खराब कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय,

21 फरवरी, 1991 को उस समय के प्रधान मंत्री थी चन्द्र ोखर ने यह निर्णय लिया था कि एस0 वाई0 एल0 कैनाल बी0 आर0 ओ0 से बनवा दी जाए। इस समय के मुख्य मंत्री भी कहते रहे कि बी0 आर0 ओ0 के माध्यम से उस कैनाल का काम करवाएंगे लेकिन बड़े दु:ख की बात है कि दो बजट सै ान सै ान हो चुके और तीसरा बजट श्री मांगेराम गुप्ता की अपनी अटैची में बन्द है। एस0 वाई0 एल0 कैनाल को बनाने के लिए एक भी पैसा नहीं रखा गया। यदि बजट में पैसे का प्रावधान नही किया जाता है तो यह नहर कैसे वन पाएगी। क्यों लोगों को गुमराह किया जा रहा है? एक तरफ चीफ मिनिस्टर जी कहते है कि चण्डीगढ़ नही जाने देंगे। मै इस बात की डिटेल में ना जा कर आपके माध्यम से सरकार तक एक बात पहुंचाना चाहता हूं कि अगर सरकार अपनी गदी बचाने के लिए लोगों को गुमराह करेगी और अपने आकाओं को खु ा करने के लिए हरियाणा के हितों की तिजांजलि देगी तो हम उसकी बर्दा त नही करेंगी। मै और हमारी पार्टी हर कुर्बानी देने के लिए तैयार होंगे।

श्री उपाध्यक्षः चौहाना साहब, आप बैठ जाएं, अब आपका समय समाप्त हो चुका है। (ाोर)

प्रो0 छतर सिंह चौहानाः डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे जिले में गहरी पानी को काफी कमी है।

श्री उपाध्यक्षः चौहाना साहब आप बैठिए।

प्रो0 छतर सिंह चौहानाः डिप्टी स्पीकर साहब,.....

...

श्री उपाध्यक्षः मेरी परमि ान के बर्गर जो बोला जाए वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री बंसी लालः डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होने नहरो के बारे में बात करनी है और दूसरी बहुत इम्पोटैट बाते कहनी है इसलिए इनकी बातों को रिकार्ड पर आने है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानाः उपाध्यक्ष महोदय, हमारे जिले भिवानी में नहरों की बहुत बुरी हालत है। जब मुख्य मंत्री भिवानी जिले में जाते है तो कहते है कि चौधरी बंसी लाल ने कुछ नहीं किया और जब दूसरे जिलों में जाते है तो कहते है कि चौधरी बंसी लाल सारा पैसा भिवानी जिले में लग दिया। इनकी अपनी ही भाशा में विरोधभाशा है। मैं आपके जरिए कहना चाहता हूं कि जो आगुमैटे ान कैनाल बनी थी, उनकी सफाई नही हो रही। पानी टेल तक नही जा रहा जिससे किसानों को अपनी फसल के लिए पानी नहीं मिल रहा। ये तो यहां पर ध्यान नही देते क्योंकि ये तो राजस्थान में, एटैची लेकर सरकार बनाने के लिए पहुंच जाते है। दूसरी सरकारों को बनाने/तोड़ने का काम भारत की सरकार ने इसको दे रखा है। श्री ए0 सी0 चौधरी जी मंत्री है, ये बिना पावर के मंत्री है। हमारी सारी नहरें सिल्ट से भरी पड़ी है। एक पैसा भी इन नहरों की सफाई के लिए खर्च नही हो रहा। इस प्रकार का

अपेक्षापूर्ण व्यवहार इनको हमारे साथ रही करना चाहिए और न ही इनका भाोभा देता है। श्री ए0 सी0 चौधरी कहते है कि मैं तो खान हूं, पठान हूं। मै इनसे कहता हैं कि हम पीने का पानी 110 लीटर दे रहे हैं जबकि हम यह कह रहे है कि आप 110 तो क्या, हमें 20 लीटर ही दे देगे तो वही काफी हैं। आज हमारे यहां पर पानी मिल सके। हमारे वहां पर जो वाटर टैक्स है, उनकी छटाई भी भी काफी दिनों से नही हुई है। हमारे भिवानी जिले में टैंको की सफाई न होने की वजह से लोगों को पीलिया हो गया है। इनको फिगर्ज का तो पता नहीं होगा लेकिन ये रजिस्टर से पता लगा सकते है कि कितने लोगों को वहां पर पीलिया हुआ है। श्री ए0 सी0 चौधरी, जब वहां पर मीटिंग में गए थे तो उस समय इनकी 86 फिग्र्ज बताई थी, जबकि मै इनको बताना चाहता हूं कि यह फिगर्ज 86 नही है बल्कि 886 है। पानी मैला व गन्दा होने की वजह से ही लोगों को पीलिया होता है। वाटर टैक्स का जो फिल्टर मीडिया है वह दो फुट है, 9 फुट होना चाहिए जबकि हमारे वहां सिर्फ 3 फुट का भी नही है। इसी वजह से लोगों को पीलियै की ि ाकायत है। (विघ्न) चौधरी साहब, आप हरियाणा सरकार के मुमादयन्दे के रूप में वहां पर आते है। भिवानी जिले के साथ पिछले अढ़ाई साल से सीतेला व्यवहार हो रहा है। (घन्टी)

श्री उपाध्यक्षः चौहाना साहब, आप बैठिए। आपको बोलते हुए आधा घंटा हो चुका है। अब श्री मनी राम केहरवाला जी बोलेंगे।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपसे प्रार्थना करूंगा कि मुझे अभी काफी कुछ कहना है इसलिए मुझे थोड़ा समय बोलने के लिए और देने की कृपा करें।

श्री उपाध्यक्षः चौहान साहब, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है इसलिए अब आप बैठिए। अगर आपने कुछ और बात कहनी है तो वह आप बजट के समय कह लेना। (विघ्न) आप अपनी स्पीच केवल एक मिनट में खत्म करें।

प्रो0 छतर सिंह चौहानाः छतर सिंह जी आप अब बैठे आपकी बोलते हुए काफी समय हो गया है। (विघ्न)

प्रो0 छतर सिंह चौहानः डिप्टी स्पीकर साहब, मै अपनी बात को कन्कलूड ही कर रहा हूं, मुझे थोड़ा समय अपनी बात को पूरी करने के लिए दीजिए। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक दक्षिणी हरियाणा का ताल्लुक है, इस हल्के के साथ अन्याय हो रहा है। हमारे हिस्से का पानी काट कर सिरसा और हिसार जिलों को दिया जा रहा है। जो हमारे जिले के हिस्से का पानी है, वह हमें मिलना चाहिए। इस सरकार को किसी भी जिले के साथ भेदभाव नही रखना चाहिए। हमारी नहरों में पानी चलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, सिरसा और हिसार के लोग भी हमारे भाई है हमें उनसे

गिला या ि ाकायत नहीं है। परन्तु सरकार को पानी का सही बंटवारा करना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, जब तक ये घर का बंटवारा सही नहीं करेंगे, तब तक सब न्याय कैसे दे सकेंगे? सरकार को चाहिए कि महीनें में 15 दिन पानी हमें दे। अगर हमें 15 दिन पानी मिल जाता है तो उससे हमारा किसान अपनी खेती की पैदावार की बढ़ा सकेगा। गरीब मजदूर खेतीहर मजदूर का भला होगा। श्री ए0 सी0 चौधरी जी यहा पर बैठे हुए है, मै उनसे निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे इलाके में बिजली की सप्लाई पूरी दी जाए। श्री ए0 पी0 विचारों जी कहते है कि 16 घण्टे बिजली दी जा रही है लेकिन असल में ऐसा नहीं है। वहन चन्द्रावती जी भी बैठी हुई है, इनके हल्के लोहरू में भी बिजली की हालत बहुत बुरी है। इनकी साथ लेकर श्री ए0 सी0 चौधरी हमारे इलाके में चले, अगर किसान यह कह देहं कि उन्हें 8 घण्टे भी बिजली मिल रही है तो मै खुद को कसूरबार मानूंगा नही तो ये दोशी है। डिप्टी स्पीकर साहब, इनकी भेदभाव का रवैया छोड़ देना चाहिए। इन भाब्दों के साथ मैं एक बार फिर निवेदन करना चाहूंगा कि भिवानी जिले में सड़को को मुरम्मत की और वि ोश ध्यान दिया जाए, नहरी पानी के कटरवारे में कोई भेदभाव न किया जाए, बिजली किसान को पूरी दी जाए। डिप्टी स्वीकर साहब, इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री मनी राम केहरवाला (एलनाबाद–अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए मैं

आपका धन्यवाद करता हूं। इस हरियाणा ने बहुत ही बुरे दिन देखे है। लेकिन जो गांधी जी की, गौतम जी की सोच थी, इन 27 सालों के अर्से में वैसे ही बनने की कोि ा ा की है और उसी लाईन पर आज हरियाणा चल रहा है। मुझे बड़े ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि कुछ लोग अखबारों में प्रजातन्त्र की बात करते है, लोकतन्त्र की बात करते है, जब अखबारों में छपती है और जब ये अखबारों वकीलों के पास, व्यापरियों के पास, स्टूडैन्ट्स के पास जाती हे तो वे हंसते है। उपाध्यक्ष महोदय, वे यह भी अखबारों में कहते है कि नाजायज कब्जे नहीं होने देंगे, लोकतन्त्र पर कब्जा नहीं होने देंगे। इस खतर के नीचे नाम ओम प्रका ा चौटाला का लिखा जाता है। लोग खबर पढ़ने के बाद हंसते है कि यह बात कौन बोल रहा है।

दूसरे उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग हमे ि ाक्षा देते है। मै तो यहा कहता हूं कि आज हरियाणा के लोगों को सब कुछ समझ आ गया है। हमारे महामहिम गवर्नर महोदय तीन बार इस हाउस में अभिभाशण देने आए, और ये लोग वाक आउट कर गए और अब ये ि ाक्षा देने की बात करते है? हमारे महामहिम राज्यपाल महोदय ने हरियाणा के प्रजातन्त्र को सही लाइन पर खड़ा कर दिया। मै तो यह कहता हूं कि बात सिर्फ इतनी थी कि इन लोगों को अपनी मन मर्जी नहीं करने दी गई। हमारे गवर्नर साहब ने दे ा को मजबूत करने का काम किया हैं। आज कुछ विदे ी ताकते, हमारी दु मन है, वे नहीं चाहते कि भारत मजबूत हो।

इसलिए हमारे महामहिमा ने उनके विरोध में हमारे सदन में प्रस्ताव पे ा किया। उसके लिए मै धन्यवाद करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, आईटम चाहे कुछ भी हो, हमारे महकमों को तरक्की की जो बात हो, हरियाणा की तरक्की की तरफ ले जाने की जो बात ही, उस इस अभिभाशण में जिक्र आया है।

बिजली के बारे में आप ही अन्दाजा लगाएं, हिसार में 1000 मैगावट, फरीदाबाद में 820 मैगावाट, जमुना नगर में 840 मैगावाट के प्रोजैक्टस का प्रपोजल है। अब हरियाणा के अन्दर बिजली का संकट नही रहेगा। इन लोगों की सरकार दी बार 1977 में तथा 1987 में आई थी और इन्होंने डक्का भी नहीं तोड़ा था। यहां तक कि एक बिजली घर भी नहीं लगाया। जब भी कांग्रेस की सरकार आई और चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने, तो इनके दिमाग में यही बात रहती है कि कैसे हरियाणा को तरक्की पर ले जाया जाए। जब भी मुख्य मंती बनकर चौधरी भजन लाल जी आते है तो दो चार थर्मल प्लांट या बिजली के बड़े सब–स्टे ान या बड़े बढ़े पावर हाउसिज बनाते है। इनके दिमाग में हमे ाा यही बात रहती है कि प्रदे ा की तरक्की किस तरह से की जाए। मुख्य मंत्री जी कभी भी इनकी तरह से यह नहीं सोचते है कि ढाई साल के बाद जनता क्या फैसला देगी। भजन लाल जी के दिमाग में हमे ाा एक ही बात रहती है कि हरियाणा के हर एक आदमी को, चाहे वह हरिजन भाई हो, चाहे वह बैकवर्ड क्लास का हो या कोई

भी हो, को आगे ले जाता है, हरियाणा को विकास के मार्ग पर ले जाना है। उपाध्यक्ष महोदय, बदकिस्मती की बात तो यह है कि जैसे ही कांग्रेस का राज आता है, ये लोग कहने लगते है कि थर्मल प्लांट लगाओं, एस0 वाई0 एल0 बनाओ। उपाध्यक्ष महोदय, फल तो ये खा जाते है जबकि पौधा कांग्रेस लगाती है। सर, बागड़ी भाशा में एक कहावत है कि यह तो बटाऊ चारे के लिए आते है और खुदबुर्द करके चले जाते है। इस तरह की नीयत इनकी रहती है। इस तरह का इनका सिस्टम है। लेकिन आगे से इनको कोई भी पसन्द नहीं करेगा, कोई भी इनको नजदीक नहीं लगायेगा (विघ्न) क्योंकि इन्होंने गांधी जी की दिखाई हुई लोकतन्त्र की ताकत को ललकारा है। गांधी जी ने लोकतन्त्र की हर एक वर्ग के घर–घर जाकर मजबूत किया था और वही लोकतन्त्र की ताकत उन्होंने लोगों को दी थी। लेकिन इन लोगों ने उस ताकत को छोड़ने की कोि ा ा की, इसलिये हरियाणा को जनता इनको बर्दा त नहीं करेगी। इनको हरियाणा की जनता जान गयी है इसलिये अबकी बार तो ये लोग 17 चुनकर आ भी गए है लेकिन अगली बार ये दो चार ही चुनकर आएंगे। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, ये कभी तो एस0 वाई0 एल0 की बात करते है कभी अबोहर और फाजिल्का की बात करते है तथा कभी चंडीगढ़ की बात करते है लेकिन मै यह बात चैलैन्ज के साथ कहता हूं कि चौधरी भजनलाल ही एस0 वाई0 एल0 को बनवाएंगे, चौधरी भजनलाल ही अबोहर व फाजिल्का को हरियाणा का दिलवाएंगे और चौधरी भजनलाल ही अन्य विकास के काम करेंगे। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, ये 1977 और 1987 में दो बार चुनकर आए और सरकार बनायी।

श्री रमे ा कुमारः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्लायंट आफ आर्डर है। सर, अभी चौधरी मनीराम जी कह रहे थे कि इस बार सजपा के 17 विधायक चुनकर आए है तथा अगली बार इनमें से एक भी चुनकर नहीं आएगा। मै यह कहना चाहता हूं कि हाउस में इनके जितने भी आदमी है, वे सब इस्तीफा देकर इलैक ान लड़कर देख लें, तब पब्लिक बता देगी कि 17 विधायकों की जगह पर हमारे 68 विधायक चुनकर आएंगे या फिर इनके आदमी चुनकर आएंगे खासतौर से मनीराम जी जरूर इस्तीफा देकर इलैक ान लड़कर देख लें।

श्री मनी राम केहरवालाः उपाध्यक्ष महोदय, चाहे एस0 वाई0 एल0 की बात ही चाहे अबोहर व फाजिल्का को बात हो और चाहे चंडीगढ़ की बात हो, इनकी सरकार 1977 मे बनी थी और पंजाब में प्रका ा सिंह बादल थे जिनसे किसी ने एक बार यह कहा था कि चौधरी साहब, बारि ा चाहिए, तो वे कहने लगे कि बादल को दरख्वास्त दे दो बारि ा आ जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, जो आदमी ऐसी बात कहें कि पानी के लिए बादल के दे दो तो ऐसे आदमी को पंजाब का मुख्य मंत्री बना दिया। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, 1977 से लेकर 1980 तक इन्होंने इस बारे में कोई बात नहीं की। अबोहर फाजिल्का की कोई बात नहीं की। चंडीगढ़ की कोई बात नहीं की (ाोर एवं व्यवधान) आज मै हाउस के अन्दर

बधाई देना चाहूंगा आदरणीय मुख्य मंत्री जी को। मै आपको बता देना चाहूंगा कि रिजोल्यू ान लाने वाले अबोहर–फाजिल्का को पाने के लिये.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम कुमार कटवालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य ने बोलते हुए कहा कि उस समय की सरकार ने पानी की कोई बात नही की। मौजदा चीफ मिनिस्टर चौधरी भजन लाल और पूर्व मुख्य मंत्री श्री बंसी लाल ने माना है कि न मेरे टाईम में कोई काम हुआ न तुम्हारे टाईम में कोई काम हुआ। काम हुआ है तो सिर्फ चौधरी देवी लाल के जमाने में हुआ है। (विघ्न)

श्री मनी राम केहरवालाः उपाध्यक्ष महोदय, जो लोग यह बात दिमाग में रखते है कि रैजोल्यू ान ले आओं अबोहर–फाजिल्का मिले न मिले, चंडीगढ़ मिले न मिले, पानी आए न आए.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरवाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारि ा है कि हमने एस. वाई. एल. और अबोहर फाजिल्का के प्रस्ताव पर ट्रैजरी बैचिज के साथियों से रैजोल्यू ान लाने के लिये खुले मन से बात कही थी। यह पूरे प्रदे ा के हित की बात है, यदि इसका श्रेय मुख्य मंत्री जी लेना चाहते है तो ले, लेकिन उसके बावजूद किसी के पेट में दर्द हो और वह प्रदे ा के हित की बात को घुमा–फिराकर कहीं और ले जाए तो इससे प्रदे ा

का अहित होता है। हम तो मुख्य मंत्री जी की समर्थन देने बात कह रहे थे, अगर उस प्रस्ताव से सरकार भागती है तो यह भी लोग देखैंगे कि कौन इस प्रदे ा का हित चाहता है?

श्री उपाध्यक्षः धीरपाल जी, जो रिजोल्यू ान की बात आपने कही है, वो इस समय एजैन्डा पेपर पर नही है।

श्री मनी राम केहरवालाः उपाध्यक्ष महोदय, मै एस0 वाई0 एल0 और अर्बाहर–फाजिल्का के बारे में सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि अगर कोई हरियाणा के अन्दर इसको लेकर आ सकता है, कोई पार्टी इस काम को सिरे चढ़ा सकती है तो वह कांग्रेस पार्टी ही सिरे चढ़ा सकती है, चौधरी भजन लाल ही उसको ले कर आ सकते है क्योंकि यह एक ऐसी भाखसित है जिसकी नीयत साफ है इन लोगों की जब राज मिल जाता है तो ये एस0 वाई0 एल0 का मास जी जबान पर नही लाते और जुलूस की भाक्ल में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यू0 पी0 में घूमते है और कहते है कि बादल जी आओ चलों घूम आएं। इनसे विकास काम नही होता (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रगाति की तरफ चल रहा है। हमारे मुख्य मंत्री जी विदे ा गए थे इन लोगों ने कितनी बे–बुनियाद बातें करनी भुरू की थी कि अपना इलाज कराने गए है लेकिन मुख्य मंत्री जो ने 5–6 कंट्रीज के फोरेन इन्वेस्टर्ज को तैयार करके एक ऐसा सिस्टम हरियाणा के अन्दर बना दिया, यहां के विकास के लिये, तरक्की के लिए इन्होंने ऐसा किया कि हरियाणा के बेरोजगार नौजवान ही उस काम में

लगेंगे। यह एक बहुत ही बड़ी बात है और इसके लिये मुख्य मंत्री जी बधाई के पात्र है।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने देखा होगा, दिल्ली से चंडीगढ़ जायें तो उस सड़क पर फोरलैनिंग का काम करने के बारे में अढ़ाई साल पहले बात ही रही थी। उसका जो ठेकेदार था जो फोरलोनिंग का काम करने के लिये तय हुआ था, उस आदमी से कमी ान लेने के लिये उसको काम नहीं करने दिया गया। उससे ये लोग कमी ान लेना चाहते थे, पैसा लेना चाहते थे। इन्होंने कहा कि इतना पैसा दो, फिर यहां पर काम कर सकते हो लेकिन इस सरकार के मुख्य मंत्री जी के होते हुए पैसे की कोई बात नही है। इन्होंने उस ठेकेदार को यह कहा कि आप इसे बनाओं ताकि हरियाणा की तरक्की हो। इसके लिये इस पर दिन रात काम चल रहा है। आप इस बात से अन्दाजा लगायें कि इनमें कोई ऐसी बात नहीं है क्योंकि यहां पर दिन रात बड़ी तेजी से काम चल रहा है। इन लोगों ने सिर्फ कमी ान लेने के लिये यह काम रोक रखा था। इसी तरह से नहरी की या इरीगे ान की बात है। कभी तो कुछ कहते है और कभी कुछ कहते है और कमी कुछ कहते है। चौधरी बंसी लाल या चौधरी ओम प्रका ा चौटाला भी इस बारे मे बात कहते है। मै केवल एक सवाल पूछना चाहता हूं, हम लोग तो पहली बार बनकर आये है, लेकिन यहां पर आप लोग तो काफी समय से हो। आप भी तो पंजाब की कोआप्रे ान से कोई ठीक सिस्टम बना सकते थे। हरियाणा में चौधरी भजन लाल के मुख्य

मंत्री आने से पहले किसने ही मुख्य मंत्री रहे है, लेकिन कभी किसी ने पानी इस मसले को टच नहीं किया। यह बात ठीक है कि दक्षिणी हरियाणा भी हमारा अपना इलाका है, ये हमारे अपने भाई है। हमारे मुख्य मंत्री जी कहते है कि इसी लिये तो मै एस0 वाई0 एल0 का पानी जल्दी लाना चाहता हूं ताकि दक्षिणी हरियाणा के लोगों को भी पूरा पानी मिल सके। न तो दक्षिणी हरियाणा के लोगों से इन्होंने कुछ लेना है, न हो उतरी हरियाणा के लोगों से इन्होंने कुछ लेना है और न ही सिरसा और हिसार के लोगों से इन्होंने कुछ लेना है। इन्होंने तो झगड़ा खड़ा करना है, इसके अलावा और कोई काम नही है। मै नहरी महकमे के मंत्री और मुख्य महोदय की इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं कि इन्होंने 800 करोड़ रूपया बर्ल्ड बैक से लेने का इन्तजाम किया है। चाहे नहरों की बात हो, चाहे खालों की बात हो और इन्जाम किया है। चाहे नहरों की बात हो, चाहे खाली की बात हो और चाहे टेन ऐन्ड तक पानी पहुंचाने की बात हो, अब सरकार इस बात के लिये पूरी कोि ा ा करेंगी ताकि हरियाणा के किसान का भला हो सके। इसके अतिरिक्त मै इन्हें एक और बात के लिये बधाई देना चाहता हूं। ऐजुके ान के मामले में सरकार ने 5 साल में 500 स्कूल अपग्रेड का प्रावधान किया है। इस हिसाब से हरेक साल में 100 स्कूल अपग्रेड होंगे। उपाध्यक्ष महोदय, आप भली भान्ति जानते है। मै तो इस बारे में बारे मे यह अर्ज करूंगा कि 100 की बजाये कम से कम 200 स्कूल हरेक साल अपग्रेड करने चाहिएं। इस मामले में हमारे क्षेत्र की तरह कई क्षेत्र पिछड़े हुए है।

इसलिये जितना भी हम हम ि ाक्षा के बिस्तार के मामले में कर सके, करना चाहिए। इससे हरियाणा में एजुके ान का बेस बढ़ेगा। हरियाणा में एजुके ान के मामले में और टेक्नीकल एजुके ान के मामले में बहुत से लोगों की स्थिति पढ़ने लायक नहीं है। गरीब लोगों की मदद करने के लिये सरकार में लड़कीयों को जो मुक्त ि ाक्षा मंत्री टैक्नीकल एजुको ान मंत्री और मुख्य मंत्री महोदय को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने बी0 ए0 पास और एम0 ए0 पास नौजवानों की फ्री टैक्नीकल एजुके ान देने के मामले में एलान किया है। इसके लिये मै इनको बधाई देना चाहता हूं। इसके अलावा स्कूलों के मामले में 100 को बजाये 200 स्कूलों का प्रावधान जरूर होना चाहिये। इसमें भी कुछ लड़कीयों के स्कूलों को अपग्रेड करने का प्रावधान जरूर होना चाहिये। इसमें सुधार करने की जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं और अर्ज करना चाहता हूं कि सामाजिक परिवे ा में में एक बात बहुत ही जरूरी है। तीन–तीन मरले के प्लाट्स 30–35 साल पहले दिये गये थे। मै मुख्य मंत्री जी से नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि ये प्लाट्स हरिजनों को और भूमिहीनों को कम से कम दो साल पहले की जरूरत के आधार परउ दिलवा दें। जो पहले प्लाट्स दिये गये थे, वह सन् 1956 में दिये गये थे। उन लोगों के परिवार भी बढ़े है। अब उनको प्लाट्स की जरूरत है। मेरा कहना यह है कि सारे हरियाणा में सर्वे कराकर इन गरीब लोगों को प्लाट्स दिये जायें ताकि यह भी झोपड़ी की जगह या मकान की जगह ले सके और

रहने लायक कुछ बना सके। एक बात हरिजन धर्म ाालाओं के बारे में कहना चाहूंगा, यह बहुत जरूरी है।

श्री उपाध्यक्षः केहरवाला जी, आप अब कन्कल्यूड करें।

श्री मनी राम केहरवालाः ठीक है जी, हरिजन चौपालों का जहां तक ताल्लुक है, यह हरेक गांव में है। यह तो सांझी जगह बनी हुई है। चाहे किसी की बारात हो या कोई मीटिग की बात हो या किसी प्रकार की बैठक करने की बात हो, इन चौपालौं को इस्तेमाल किया जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, हरिजन चौपालों का प्रावधान इस साल बजट में भी किया जा सकता है ताकि लोगो को यह महसूस हो कि उनका अपना राज है। हरियाणा के हरिजन के और हरियाणा के गरीब आदमी का यह महसूस हो कि हरियाणा में जो चौधरी भजन लाल का गज है, वह उसका अपना राज है और चौधरी भजन लाल के राज एक ही वर्ग को तकलीफ है और वह वर्ग न जाट है, न ब्राह्मण है, न बनिया है और न हरिजन या बैकवर्ड क्लास के लोग है। बल्कि तकलीफ गुण्डगयी करने वाले वर्ग को है। उपाध्यक्ष महोदय, उनकी यही तकलीफ है कि वे इस गज में गुण्डागर्दी नहीं कर सकते। वे किसी की भजन लाल के राज में तंग नही कर सकते। आज हालत यह है कि हरियाणा के किसी गरीब पर, किसी मजदूर पर किसी हरिजन पर और किसी स्त्री पर और सड़क पर चलने वाले किसी भी आदमी पर कोई गुण्डागर्दी नही कर पर रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल तो भगवान कृश्ण का रूप है। जब ये गर्म होते है तो

इनको कोई रोक नहीं सकता। जब इनका चक्र चलता है तो दु मन छोड़ कर भाग जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ मैं समाप्त करता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के गुण्डो लोगों को यह पता होना को यह पता होना चाहिये कि वह राज भारीफ लोगों का है और भले लोगों का है और अब गुण्डागर्दी की कोई बात चलने वाली नहीं है। इतनी बात कहकर मै आपसे इजाजत चाहता हूं।

प्रो0 राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, आपको बहुत धन्यवाद। मै आपको द्वारा माननीय सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि मुझे बीच में कोई न टोके। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मु कल से तो मुख्य मंत्री जी का समझौता कराया है और फिर मुझे छेड़ रहे है। बड़ी मु कल से मामला सुलझा है। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने इस सदन में अभिभाशण पढ़ा और चौधरी हरि सिंह नलवा ने उसके समर्थन में उनके धन्यवाद के लिये एक प्रस्ताव मूव किया। राज्यपाल महोदय ने बड़ा ठीक कहा कि मै संसद को बधाई देता हूं कि उन्होंने का मीर में पाक्तिस्तान की गतिविधियों के विरूद्ध सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। उपाध्यक्ष महोदय, भारत की महान संसद ने एक अच्छी परम्परा डाली है। इसमें भारतीय जनता पार्टी का योगदान अहम है। उसी तरह के एक प्रस्ताव का हम मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना कर रहे हैं। गवर्नर साहब, अगर इसमें यह जोड़ देते तो It would be graceful and it would be more

truthful कि आज जो का मीर की स्थिति है, उसके लिये कांग्रेस की जो सरकारें है वही जिम्मेदार है और उसमें यह भी जोड़ देते कि 1952 में जो भारत के इंडस्ट्रीज मिनिस्टर रहे डा0 भयामा प्रसाद मुकर्जी को कुर्बान होने से बचा लिया होता अगर आर्टिकल 370 को हटाने की बात उनकी माल ली होती, आर्टिकल 370 को उसी समय खत्म कर दिया होता, तो का मीर के अढ़ाई लाख परिवार आज नर्क की जिन्दगी न बिताते। उपाध्यक्ष महोदय, अगर यह जोड़ दिया जाता है आज पाक्तिस्तान जो उछल कूद रहा है और बेनजीर आखों में कालस डाल कर हिन्दुस्तान को धमका रही है यह न होता। यदि पाकिस्तान की पीठ पर अमरिका नही होता तो वह ऐसा नही कर सकता था। इसमें यह जोड़ दिया जाता कि डंकल प्रस्ताव अमेरिका का प्रै ार टैकटिस है। परन्तु कांग्रेस की सरकार और दिल्ली की सरकार डरती है। आज का मीर में मानव अधिकारी की बात चल रही है। जब का मीर से एक तबके की बहिनों की जांघों पर पाक्तिस्तान जिन्दाबाद के नार लिख कर दिल्ली में भेज दिया गया था, तब अमरीका को मानव अधिकारों की याद नही आई। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में यदि ये भाब्द भी आते तो और अच्छा होता। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में पिछले दिनों बिजली की जो स्थिति रही उसके बारे में आप भी जानते है। आप भी एक चुनाव क्षेत्र से संबंधित है। आपके हल्के में भाहरी इलाका ज्यादा है और गांव कम है लैकिन मेरे हल्के में गांव ज्यादा है। हमारे यहां पूरे 6 महीने तक बिजली का अकाल रहा। किसान ऐड़ी रगड़ कर आंसू बहाते रहे। जिस इलाके से हम

आते है वहां पीने का पानी बिजली पर आधारित है। प ाुओं को भी बिजली चलने पर पीने के लिये पानी मिलता है। वहां पर बिजली की क्या हालत रही है उस बारे में मै बताना चाहता हूं। हमारे इस सदन के माननीय मंत्री राव बंसी सिंह जी मेरे हल्के नांगल सिरोही गांव में गए थे। इनको किसानों ने घेर कर इनके सामने अपनी तकलीफें रखीं। इनको वहां पर मानना पड़ा था कि हमारी मजबूरी है और हम फेल हो गए है। बिजली नहीं है इसलिये मैहं नहीं दिला सकता। तब जा कर ये वहां से निकल सके। मेरे हल्के के लोग सीधे सादे है। आज उनके प ाु प्यासे मर रहे है और उनके खेत में पानी नही है और न ही उनके घरों में रो ानी है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक किसानों के बिजली के बिलों का संबंध है वे कही पर तो सौ रूपय बढ़ गए है। कही पर डेढ़ सौ रूपय बढ़ गए है। पिछले साल बिजली के जो दाम बढ़े वे ट्यूबवल्ज के ऊपर भी बढ, गांव में घूरेलू खप्त पर भी बढ़े भाहरों में खप्त पर भी बढ़े और इंडस्ट्रियल सैक्टर पर भी रेट बढ़े। बिजली के दाम एक बार नही बढ़े, दो बार नही बढ़े बल्कि पिछले साल चार बार बिजली के दाम बढ़े। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा में बिजली हिन्दुस्तान में सब से ज्यादा मंहगी है और फिर भी इसका भरोसा नहीं है कि बिजली आएगी या नहीं। अब लोग कहते है कि भजन लाल जी ने एन0 आर0 आईज0 से समझौता किया है आप लालटेन का बिजनैस भाुरू कर दें क्योंकि बिजली का तो कोई भरोसा नही है इसलिये लोग लालटेन तो जला लेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, लालटेन फिर से आ गई और लोग चिमनी पर

फिर से आ गए है। उपाध्यक्ष महोदय, दो समय की तो गारन्टी है कि उस समय हरियाणा में बिजली नही मिलती। एक तो जिस समय बिजली जरूर जाती है। आज जो बिजली के दाम बढ़े है वे इतने हाई पहुंच गए है कि इनको रोकने का सरकार के पास कोई तरीका नहीं है। इनको ये दाम नही बढ़ाने चाहिएं थे क्योंकि स ान आने वाला था और अगर बढ़ाने ही थे तो हाउस की सहमति से बढ़ाते ताकि इस मुद्दे पर चर्चा भी हो जाती। डिप्टी स्पीकर साहब, श्री ए0 सी0 चौधरी मेरे जिले में गए थे और वहां ये छोटे–छोटे स्थानों पर भी गए थे.....

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय बढ़ा दिया जाए?

सिंचाई मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): डिप्टी स्पीकर साहब, अब 1.30 बजे गया है आप माननीयह सदस्य को बोलने के लिये कल समय दे देना।

प्रो0 राम बिलास भार्माः डिप्टी स्पीकर साहब, कल तो मान ओफि ियल डे है, इसलिये मुझे बोलने के लिये आज ही समय दे दें।

श्री उपाध्यक्षः भार्मा जी, आप कितना समय और लेगे।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, मै 20 मिनट और लूंगा।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, कल तो नान औफि ियल डे है इसलिये ार्मा जी को बोलने के लिये आज ही समय दे दें और हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दें।

आवाजे: ठीक है जी, हाउस का टाईम 5 मिनट बढ़ा दिया जाए।

श्री उपाध्यक्ष: ठीक है, हाउस का टाईम 5 मिनट बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, 28 अगस्त, 1991 को भूत माजरा गांव के गरीब किसान की दो लड़कीयां लपता हो गई। (ाोर) उन लड़कियों की 17 साल और 19 साल उमर थी। उनमें से एक लड़की की ला ा 31 अगस्त को मिल गई। दूसरी कुसूम नाम की लड़की को आज तक हरियाणा को पुलिस बरामद नहीं कर सकी है। उनके दुखी पिता का आरोप है कि पुलिस का एक खास ओफिसर इस मामले का खुर्दबुर्द करना चाहता है। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मै एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि जब पाकिस्तान का एक हिस्सा खत्म हुआ उस समय बंगलादे ा से कुछ लोग हिन्दुस्तान की सभी स्टेट्स में

बसने के लिये भेजे गये थे। करनाल के अन्दर भी बंगलादे ा से कुछ लोग आकर बस गए। मेरे पास करनाल के एक अ ाोक सोमादार की दरखास्त है। उसको हिन्दुस्तान से मोहब्बत करने की सजा यह मिली कि उसके साथ बुरा व्यवहार किया गया। उस आदमी ने दरखास्त दी कि हमारी बहन बेटियों के साथ इस करनाल सदन के लोग दुर्व्यहार करते है। इस बात पर उसको थाने में ले जा कर बहुत बुरी तरह से पिटवाया गया। और उसको कह दिया कि तुमने जिनके खिलाफ ि ाकायत की है जब तक तुम उनका टट्टी पे ााब नही चाटोगे तब तक तुम्हारी जान नहीं छोड़ेगे। उपाध्यक्ष महोदय, उनको हिन्दुस्तान से मोहब्बत करना की सजा यह दी जा रही है। हरियाणा सरकार को उनको बसाने की जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है। इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, चरखी दादरी के गांव दुधवा का एक अ ाोक नाम का लड़का जीप का ड्राइवर था वह आज तक लापता है। सब जगह धक्के खाने के बाद भी है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने श्री ओ0 पी0 गुप्ता सै ान जज की अध्यक्षता में एक कमि ान मुकर्रर किया था उनकी रिपोर्ट मेरे पास है। इस सदन के एक एक्स एम0 एल0 ए0 श्री चमन लाल को बड़ी बेरहमी से मारा गया और उनको बहुत बुरी तरह से पीटा गया था। उनके लिये एक कमि ान मुकर्रर किया गया था, वह जो रिपोर्ट है उसको पढ़ने में काफी समय लगेगा। मै रैलेवैन्ट पो र्ान ही पढ़ता हूं।

Shri O.P. Gupta, in his report says:-

Final Conclusion:-

57 My Shri Ram phal respondent did detain illegally shir Chaman Lal and his two sons on 22-6-1992 uptil 23-6-1992 and his version and that of Shri Dharmbir Singh, A.S.I. that they were arrested only on 23-6-1992 is false and a thought out version;

(b) that Shri Ram Phal respondent, and at his behest other police offcials did beat and torture Shri Chaman Lal and his two sons in the police station and the alleged factum of their being challaned under sectlion 107/151 Cr. P.C. is a thought out version and conccted story....

और उनके खिलाफ धारा 107/51 लग दी गई जो असवैधानिक थी। सै ान जज आगे अपनी रिपोर्ट में फरमाते है कि उनका लड़का इन्द्रेस कुमार एक इंजीनियर होने के बावजूद अहाभारती सेवा का प्रचारक है, उनको उल्टा लटकाया गया।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्षः अगर हाउस की सैस हो तो हाउस का समय 5 मिनट और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जो, हाउस का टाईम 5 मिनट और बढ़ा दिया जाए।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है। हाउस का टाईम 5 मिनट और बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुररारम्भ)

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, सारी फाइंण्डिग्ज के साथ अन्याय होता है। सम्मनित लोगों की इज्जत के साथह किस तरह से लोगों ने टार्चर किया है, चमन लाल की 75 साल की उम्र है और वे इस सदन के सम्मानित सदस्य रह है और उनके लड़के को भी पीटा गया। कमी ान ने जो रिपोर्ट दी उस पर कोई कार्यवाही नही हुई। डिप्टी स्पीकर साहब, जब हाउस बैठने का नोटिस आया तो लोगों को लगा था कि अब हरियाणा के हितों का ध्यान रखा जाएगा लेकिन अब रोजाना कभी जालंधर से कभी पटियाला से सरदार बेअन्त सिंह जी फरमा देते है कि इस लोड़ी नूं चण्डीगढ़ साढ़े ते ट्रांसफर कर दित्ता जावेगा। आज इस बारे मे ंप्रस्ताव की बात आई तो मुख्य मंत्री जी ने कहा दिया..... .....(विघ्न) परन्तु अब हरियाणा के लोग इस बारे मैं चिन्तित है। चण्डीगढ़ भी एक बहुत से लोग रहते है। पंजाब और हरियाणा के लोगों की आपस में कोई दु मनी नहीं है। मुख्य मंत्री जी के नाते सब लोगों को अपनी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिये। डिप्टी स्पीकर साहब, जिस मुद्दे को लेकर यह सरकार चुनी गई थी, एस0 वाई0 एल0 रावी ब्यास का पानी दक्षिण हरियाणा तक पहुंचाने का, उस संबंध में अब तक कोई कार्यवाही नही हुई है। सरकार इस बारे में सदन को कुछ बता नही सकती। लेकिन अब

दिक्कत यह है.....(विघ्न) अब मुख्य मंत्री जी ने फरमा दिया है कि पंजाब के हालात 10 साल बाद ठीक हुए है। सारे दे ा की हमदर्दी उनके साथ है। सरदार बेअन्त सिह की वाही वाही हो रही है। परन्तु पंजाब में हालात खराब हुए इसकी सजा हरियाणा के लोगों को कैसे दी जा सकती है? क्या हरियाणा के लोगों का वहां के हालात खराब करने में कोई योगदान था? उसकी तपत तो हमने भुरती है। हमारी अपनी पार्टी के लोगों ने इसकी सजा भुगती है। जिला पार्टी पानीपत के अध्यक्ष महेन्द्र रंजन भाहीद हुए, कैथल में भाहीद हुए, डबवाली में भाहीद हुए। उनकी तपत हमने भुगती। उसका खामियाजा हमने भुगता ह। अब अगर हालात वहां पर ठीक हो गए तो Is it a credit on a one person? नही। लगातार लड़ाई जो लड़ी गई है वह अनेक राजनीतिक दलों ने, जो हिम्मत के साथ कदम उठाया और हमने भी अपनी बात सदन में कही, उन सब को इसका क्रेंडिट जाता है। हरियाणा और पंजाब के लोगों को इसका क्रेडिट जाता है। पंजाब के हिन्दू और सिख भाई चारे की इसका क्रैडिट मिज जाता है। It is not one person कि उसके कारण से यह चमत्कार हुआ है। क्रैडिट मिल गया और सजा हरियाणा को क्यों मिले और उसके लिये हम यह कह दें कि पंजाब के हालात खराब हो जाएंगे, इसलिये एस0 वाई0 एल0 नही बननी चाहिए, इसलिए रावी ब्यास का पानी नही लेना चाहिए और चण्डीगढ़ अबोहर और फजिल्का के 107 गांव की बात नही कहनी चाहिए। इस तर्क से हम सहमत नही है। इस संबंध में सरकार न नरमी बरती है। हरियाणा के कलेम को ढीला किया है। इनकी

घोशित नीति थी, जिस मुद्दे पर इन्होंने यह चुनाव जीता है उस मुद्दे के कमेल को कम किया है, इससे हरियाणा के लोग बहुत चितित है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर एक लैदर कन्स्ट्रैक ान फैडरे ान है। कमी ान की जो रिपोर्ट थी, उस पर कोई कार्यवाही नही। इस फैडरे ान के कोई एम0 डी0 है। इस सोसायटी के 1500 से 2000 सदस्य है। उपाध्यक्ष महोदय, इन एम0 डी0 ने 1 करोड़ रूपये की हेराफरी की है। इसकी जांच हरियाणा के डिप्टी रजिस्ट्रार ने की है। इसके अलावा, सी0 एम0 के फलाईग सक्वैड ने भी जांच की है। इस एम0 डी0 ने एक करोड़ रूपये की अनियमिताएं की है और गवन किया है, लेकिन जांच के बावजूद भी कोई कार्यवाही नही। पता नहीं सरकार ने कुछ ऐसे लोगों को अभयदान दिया है। मुख्यतार सिंह ने एक नाबालिंग लड़की से ाादी कर ली। अब कह रहे है कि चाकीदार की किताब में रामकली नहीं राम कला है। यानी एक ई की मात्रा को हटाने में इतने दिन लगते है? यानी ऐसी चीजों को ऐसे ह ाअप किया जाये? सच्चाई कभी मटती नही है? उपाध्यक्ष महोदय, हत्या हो जाए तो उस पर कार्यवाही नहीं होती। भूतमाजरा की बात मैंने कही। जिस बाप की लड़की गई, हम सब मां बाप है, बेटी बेटे वाले है, भाई बहन हम रखते है, उसकी भी कोई जांच यह सरकार नहीं कर पाई? इससे सरकार की नालायकी जाहिर होती है। क्या इस हरियाणा प्रांत में चुनाव नहीं हुए, क्या यहां पर सरकार नहीं है? क्या यहां पर पुलिस के ऊपर करोड़ों रूपये खर्च नही होते? क्या हम इस बात का पता नहीं लगा सकते? (विघ्न) उपाध्यक्ष

महोदय, इनको तकलीफ होती है कि हम इन मुद्दों को उठाते क्यों है? (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः आपकी दिया गया समय खत्म हो गया है, आप अपनी बातको खत्म करे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः डिप्टी स्पीकर साहब, आप 10 मिनट का समय और बढ़ा दीजिए या फिर मै कल बोल लूंगा। मै आपको वि वास दिलाता हूं कि मै 10 मिनट में कन्कलूड कर दूंगा।

बैठना का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्षः कल तो नान औफि ियल डे है। यदि हाउस की गैस हो तो समय 5 मिनट बढ़ा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्षः हाउस का समय पांच मिनट और बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, पहले यदि कोई बात सदन में सरकार के नोटिस में लाई जाती थी या किसी अधिकारी को दोशी पाया जाता था तो सरकार उस पर पूरी कार्यवाही करती थी। हरियाणा में कर्मचारियों का अन्दोलन हुआ।

कल भी यहां गरिफतारियां हुई है। आज स्टेट गिरफ्तारियां हो रही है, गोलियां चलाई जा रही है, नारनौल में गोली चली, राव बंसी सिंह जी के क्षेत्र का सरेन्द्र यादव उसमें मारा गया और एक दूसरा आदमी राजकुमार भार्मा इस गोली कांड में मारा गया। उपाध्यक्ष महोदय,ह कैथल में गोली चलने से लोग मरे। लोग मुख्य मंत्री जी के पास अपने ग्रिवन्सिज के रिड्रैस के लिये आते है तो उनके साथ ऐसा किया जाए जैसा कि कैथल में किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, ला ा मिले और मामला खत्म हो जाए। हत्या हत्या है, चाहे वह हत्या पुलिस की वर्दी में ही क्यों न हो, पुलिस की वर्दी में जो हत्या हुई है, क्या वह स्टेट मर्डर नहीं है, क्या इनकी जांच नहीं होनी चाहिए? नारनौल में दो लोगों की मौत हुई, उस मामले में आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। कर्मचारी आन्दोलन के बाद मुख्य मंत्री जी ने समझौता कर लिया। यह बहुत ही अच्छी बात है। डिप्टी स्पीकर साहब, आन्दोलन के समय कर्मचारियों पर किस तरह से पानी की बौछारें की गई। 25 फरवरी को हमारे लोगों पर पानी की बौछार का यह नया तरीका कांग्रेस पार्टी ने ईजाद किया है। लोगों को गोली से मारी, लाठी से मारो। भिवानी में कर्मचारियों पर पानी की बौछरें छोड़ी गई कर्मचारियों को घरों में गिरफतार किया गया, उनके बच्चों को गिरफतार किया गया, 15 हजार कर्मचारियों को टमिनेट कर दिया ऐस्मा के तहत? डिप्टी स्पीकर साहब, कर्मचारी सरकार के बहुत ही सिगानिफिकैंट पिल्लर्ज है। State does not mean Ministers. State does not mean Chif Minister. State mens कर्मचारी, अधिकारी जनता और प्रैस सब

मिला कर स्टेट बनती है। किस तरह निर्दयता से लोगों को टमिनेट किया गया, घरों से उनके बच्चों का उठा लाए? उस आन्दोलन के बाद जो कर्मचारियों के साथ समझौता हुआ है, जिन छोटी छोटी मांगे को सरकार ने माना था, उन पर भी अमल नहीं हो रहा हैं और सरकार उस समझौते से अपने कदम पीछे हटा रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, औरों को उपदे ा देते है, करोड़ो का हवाला देते है। हरको फैडरे ान के कर्मचारियों को तनख्वाह देने के लिए लोन लिया गया परन्त भोर के पट्ठे एम0 डी0 ने उस पैसे से अपनी कार के लिये लोन ले लिया और कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दी गई। हमारे ऋशि कणाद ने कहा है कि दुनिया यूं ही चलती है:—

ऋणम् कृत्वा घृत्वा जिवते यावेत जीवत सुखम जीवै

अर्थात कर्जा ले कर घी पीयों बाकी सब भाड़ में जाएं। कर्मचारियों के वेतन के लिये लोन लिया था और वह कर्जा ले गए कार के लिये। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने बिजली के दाम बढ़ाये। स्पीकर साहब, पूरे हिन्दुस्तान में चौधरी भजन लाल का मंत्री मण्डल सब से बड़ा है और बोझिल है, as for as the number of legislators are concerned, we are running two Governments in India (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान में चौधरी भजन लाल जी की पी0 एच0 डी0 फेल हो गई। राजस्थान का सदन 200 का है। और मंत्री है सिर्फ 24 इसी प्रकार से दिल्ली से 70 का सदन है और मुख्य मंत्री मंत्री समेत आठ मंत्री है। यहां पर इतना बड़ा

मंत्री मण्डल है, बजाये उसका छोटा करने के ये कहते है कि बिजली के रेट बढ़ा दो, बिजली के रेट बढ़ा दिये। गरीब किसान जो हल के पीछे चलता है, इनकी कोि ा ा यही रहती है कि किस प्रकार से उसकी गर्दन पर छुरी चला कर उसकी जेब को हल्का किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मंत्री बनने के बाद सम्वेदना पता नहीं कहां चली जाती है। आनन्द सिंह डांगी जी बैठे हुए है। बड़े जोर से जनता और गरीब गूरबे की बात करते थे। डिप्टी स्पीकर साहब, आजू बाजू में गरीब लोग खड़े है, इतना बड़ा मंत्री मण्डल है। इस सदन में हम लोगों की बात करते है, उनकी भावनओं की अभिव्यक्ति करते है। हमें यह नही समझना चाहिये कि सारी पावर हमारे ही पास है। We are all masters we are almighty. यह नही समझना चाहिए कि हम इनके रहमो करम पर है। इनकी बातों को सब लोग देख रहे है आज गरीब लोग दुखी है, आम आदमी पीडित है, आज लोगों की न्याय मिल रहा है, असरदार लोग गरीब आदमी की आवाज को दबा रहे है। (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, मै अर्ज कंरूंगा कि थोड़ा सा टाईम और बढ़ा दीजिए, मै अपनी बात की खत्म कर रहा हूं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का 5 मिनट के लिये और समय बढ़ा दिया जाये।

आवाजेः ठीक है बढ़ा दिया जाये।

श्री उपाध्यक्षः हाउस का समय 5 मिनट के लिये और बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम थोड़ा सा और बोलना चाहता हूं। असलमें राज्यपाल महोदय, ने एक अदा की है। सरकार ने एक कागज तैयार करके दे दिया और उन्होने वह बड़ी हिम्मत के साथ एक ही सांस में पढ़ दिया। परन्तु इसमें तथ्य नहीं है, नीति नहीं है भविश्य नहीं है और न ही इसमें संकल्प है। It is a document without any performance of the Government. This is a Government without any performance. This is Government without any purpose. क्यों कि किसी ने खाई और कुंआ देख लिया और सोचा कि इससे पड़ना ही ठीक है। उपाध्यक्ष महोदय, इसलिये हरियाणा की जनता परे ाान है। सबसे ज्यादा जो काम सरकार ने किया है, वह हरियाणा के हितों को अनदेखा करके किया है। चौधरी भजन लाल जी उक्सर प्रका ा सिंह बादल और चौधरी देवी लाल जी की दोस्ती का जिक्र करते है। उपाध्यक्ष महोदय, कही इन्होंने भी उन्ही के पग चिन्हों पर चल कर किसी पगड़ी वाले से दोस्ती तो नही कर ली? भले ही मुख्य मंत्री जी बड़ी जोर से कुछ भी कहे, परन्तु आज से प्रस्ताव को मानते तो हम समझते कि ये इस हरियाणा के लिये किसी किस्म के दबाव में नही है, चाहे वह कांग्रेस हाई कमान का दबाव हो। उपाध्यक्ष महोदय मै एक

सबमी ान करना चाहता हूं कि अगर हरियाणा के हितों में किसी किस्म की ज्यादती हुई, चण्डीगढ़ के मामले को लेकर ज्यादती हुई, चण्डीगढ़ मैं हरियाणा के लोगों की जीती जागती भावनाएं है। चण्डीगढ़ के साथ हमारी भावना का रि ता है, अबोहर फाजिल्का और 107 गांव के बारे में चार प्राईम मिनिस्टर्ज फैसला कर चुके है। ऐसा नहीं हो सकता कि सब चाहा, हरियाणा को पंजाब के हालात के लिये कुर्बान कर दो। आज हरियाणा और पंजाब के लोगों की कोई दु मनी नहीं है केसधारी और हिन्दु भाई का अटूट रि ता है, यह पंजाब की धरती ने भााबित कर दिया। दोनों मिलकर रहे है, यह भी साबित कर दिया। यह तो कांग्रेस की राजनीति है जो अपने स्वार्थ के लिये दोनों को लड़ाना चाहती थी। वह नानक की धरती धन्य है, गोबिन्द की धरती धन्य है कि वे आपस में लड़े नही और इनका पर्दाफा ा हुआ। डिप्टी स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री को चाहिये कि वे हरियाणा के हितों के लिये फार–फ्रान्ट पर आएं। इनको अगर इसमें कही पर भी विपक्ष के सहयोग की जरूरत है तो हम सब इनके पीछे लगने के लिये तैयार है। ये एस0 वाई0 एल0 की बात, अबोहर फाजिल्का और चण्डीगढ़ की बात करें। अगर हरियाणा के साथ कोई ज्यादती हुई तो हरियाणा की जनता माफ नहीं करेगी। इसके साथ ही मै आपका धन्यवाद करते हुए अपनी जगह लेता हूं।

Mr. Deputy Speaker: Now the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow.

1.48 P.M.

(The Sabha then adjourned till 9.30 a.m. on Thursday, the 3rd March, 1992.)